केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा केंद्र
- 12

जीएसटी-2.0 वस्तुएं होंगी आज से सस्ती, कंपनियों को होगा लाभ
- 12

फलस्तीनी राष्ट्र को ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया कनाडा ने दी मान्यता भड़के नेतन्याहू
- 13

मिथुन मन्हास ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया- 14

आज का मौसम

33.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.01

सूर्यास्त 06.09

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:56 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 22 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 303, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी नवरात्र की बधाई, जीएसटी बचत उत्सव आज से

जीएसटी सुधार हर परिवार में लाएंगे खुशहाली : मोदी

रसोई के सामान से लेकर दवा, वाहन तक हुए सस्ते

ब्रीफ न्यूज

उर्दू इस्तेमाल पर हिंदी चैनलों को नोटिस नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को उन खबरों को भ्रामक करार दिया जिनमें कहा गया है कि हिंदी समाचार चैनलों को उनके प्रसारण में उर्दू शब्दों के अत्यधिक प्रयोग के लिए नोटिस भेजे गए हैं। पीआईबी फैक्ट चेक इकाई ने एक्स पर कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने केबल टेलीविजन नेटवर्क अधिनियम के तहत एक दर्शक की शिकायत को चैनलों को भेज दिया है।

दस किलो हेरोइन बरामद, 4 गिरफ्तार

जालंधर। बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने रविवार को गुरदासपुर सीमा पर भारी मात्रा में हेरोइन बरामद कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया। बीएसएफ ने बताया कि आज सुबह बीएसएफ और पुलिस ने थेथरके गांव के इलाके में एक संयुक्त अभियान में चार तस्करों को गिरफ्तार किया। उनसे दस किलो हेरोइन के साथ तीन मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं।

स्टेशन पर खड़ी सेना की विशेष ट्रेन में आग

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन रेलवे स्टेशन पर ट्रकों से लदी सेना की एक विशेष ट्रेन में रविवार सुबह आग लग गई हालांकि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो के बीच से गुजरने वाली रेल लाइन पर उस समय हुई, जब एक बोगी में लदे ट्रकों को ढकने वाले तिरपाल में आग लग गई। दमकल की गाड़ियों और अन्य की मदद से आग पर काबू पाया गया।

महिलाओं की तस्करी में दो संदिग्ध गिरफ्तार

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया, इन दोनों पर बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा से महिलाओं की तस्करी का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार ओडिशा से आए एनआईए अधिकारियों के दल और विशेष कार्य बल ने संयुक्त रूप से उत्तरी 24 परगना के पेट्रापोल और गायघाट के डिंगा मलिक क्षेत्र में मानव तस्करी के मामले में कई स्थानों पर छापेमारी की।

नशेड़ी शिक्षिका को किया निलंबित

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के बलौदा विकासखण्ड अंतर्गत लेवई स्थित प्राथमिक शाला की प्रधानपाठक हीरा पोर्ते को कलेक्टर ने निलंबित कर दिया है। शिक्षिका हीरा नशे की हालत में स्कूल आती थीं। इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने पर अभिभावकों ने शिकायत दर्ज कराई। कलेक्टर के निर्देश पर जांच टीम गठित की गई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर हीरा पोर्ते को निलंबित कर दिया गया।

- राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री बोले हर घर को बनाना होगा स्वदेशी का प्रतीक

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे।

मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा और आयकर छूट के साथ यह ज्यादातर लोगों के लिए दोहरा लाभ होगा। संशोधित जीएसटी दरों के लागू होने की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी देश की समृद्धि को उसी तरह मजबूती देगा, जिस तरह इसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को शक्ति दी थी। उन्होंने कहा कि हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना होगा। हमें हर दुकान को स्वदेशी (सामान) से सजाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में सभी राज्य समान हितधारक होंगे। उन्होंने राज्यों से आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अभियानों को ध्यान में रखते हुए विनिर्माण को गति देने का आग्रह किया। मोदी ने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन, देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। कल सूर्योदय के साथ, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। कल से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा।

उन्होंने आगे कहा कि आप अपनी पसंद की वस्तुएं ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे। इससे गरीब, मध्यम वर्ग, नव मध्यम वर्ग, युवा, किसान, महिलाएं, व्यापारी और दुकानदार लाभान्वित होंगे। मोदी ने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में सभी की खुशियां बढ़ेंगी। उन्होंने अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के लिए सभी को बधाई दी। मोदी ने कहा कि ये सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे। मोदी ने अपने 19 मिनट से ज्यादा के संबोधन में कहा कि संशोधित जीएसटी दरें उनकी सरकार के नागरिक देवो भवः के मंत्र को दर्शाती हैं, क्योंकि इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम कम होंगे।

एक राष्ट्र-एक कर का सपना हुआ साकार

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत ने 2017 में जीएसटी सुधारों की ओर कदम बढ़ाया, तो इतिहास रचने की एक नई शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने एक राष्ट्र-एक कर के सपने को साकार किया। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट और जीएसटी सुधारों का हवाला देते हुए कहा कि यह गरीबों, नव-मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए दोहरा लाभ है। इन दोनों फैसलों से नागरिकों को 2.5 लाख करोड़ की बचत होगी।

- आज से लागू होंगी जीएसटी कटौती 375 वस्तुओं की घट जाएंगी कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी

रसोई में इस्तेमाल के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और उपकरणों से लेकर वाहन तक लगभग 375 वस्तुएं सोमवार 22 सितंबर से सस्ती हो जाएंगी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती सोमवार से ही लागू होने जा रही हैं। जीएसटी परिषद ने उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 22 सितंबर (नवरात्रि के पहले दिन) से जीएसटी दरें कम करने का फैसला किया है। घी, पनीर, मक्खन, नमकीन, केचप, जैम, सूखे मेवे, कॉफी और आइसक्रीम जैसी आम इस्तेमाल की चीजें और टीवी, एयर कंडीशनर (एसी), वॉशिंग मशीन जैसे महंगे उत्पाद भी सस्ते हो जाएंगे। जीएसटी में बदलाव को देखते हुए रोजरमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कई कंपनियों ने पहले ही कीमतों में कटौती की घोषणा कर दी है।

22 सितंबर से जीएसटी में दो स्लैब होंगे। अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर पांच और 18 प्रतिशत का कर लगेगा। विलासिता की वस्तुओं के लिए कर की दर 40 प्रतिशत होगी।

मेडिकल उपकरण और सीमेंट की कीमतें भी घटीं

अधिकांश दवाओं और फॉर्मूलेशन और ग्लूकोमीटर और डायग्नॉस्टिक किट जैसे मेडिकल उपकरणों पर जीएसटी दर को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे आम आदमी को दवाएं सस्ती मिलेंगी। सीमेंट पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे घर बनाने वालों को भी फायदा होगा। सरकार ने पहले ही दवा दुकानों को जीएसटी में कटौती के लाभ को ध्यान में रखते हुए अपने अधिकतम खुदरा मूल्य में बदलाव करने या कम कीमत पर दवाएं बेचने का निर्देश दिया है।

वाहन खरीदने वालों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

जीएसटी दर में कटौती से सबसे बड़ा फायदा वाहन खरीदारों को होगा, क्योंकि छोटी और बड़ी कारों पर कर दरें क्रमशः 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत कर दी गई हैं। कई कार कंपनियों ने पहले ही कीमतों में कटौती की घोषणा कर दी है। सेवाओं की बात करें तो, स्वास्थ्य क्लब, सैलून, नाई की दुकान, फिटनेस सेंटर, योग आदि सौंदर्य और फिटनेस सेवाओं पर जीएसटी को इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के साथ 18 प्रतिशत से घटाकर, बिना कर क्रेडिट के पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

हेयर ऑयल, शैम्पू, साबुन और टूथपेस्ट भी सस्ते

बालों में लगाने वाले तेल, साबुन, शैम्पू, टूथब्रश, टूथपेस्ट जैसे रोजमर्रा के सामान भी सस्ते हो सकते हैं, क्योंकि इन पर टैक्स कर दर 12/18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई हैं। टेलकम पाउडर, फेस पाउडर, शेविंग क्रीम, ऑफ्टरशैव लोशन जैसी अन्य रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें भी कम हो सकती हैं, क्योंकि इन पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो गया है।

30 सितंबर तक एसआईआर लागू करने के लिए रहें तैयार

- निर्वाचन आयोग ने दिए राज्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश
- अक्टूबर-नवंबर में वोटर लिस्ट का गहन पुनरीक्षण शुरू होने के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए तैयार रहने को कहा है। आयोग का यह निर्देश इस बात का संकेत है कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम शुरू हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के एक सम्मेलन में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें अगले 10 से 15 दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए तैयार रहने को कहा था। हालांकि अधिक स्पष्टता के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई थी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित अपने राज्यों की मतदाता सूची तैयार रखें। कई राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां पहले

ही अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में अंतिम एसआईआर ही कट-ऑफ तिथि होगी, जैसे बिहार की 2003 की मतदाता सूची का उपयोग आयोग गहन पुनरीक्षण के लिए कर रहा है।

बीएसएफ जवानों को दिया जाएगा ड्रोन युद्ध का प्रशिक्षण

- बल ने किया अपने ट्रेनिंग पाठ्यक्रम में बदलाव

टेकनपुर (मप्र)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को अद्यतन किया है और बीएसएफ जवानों एवं अधिकारियों के लिए ड्रोन युद्ध को एक अनिवार्य विषय के रूप में जोड़ा है। इसके अलावा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद नए युग के युद्ध के लिए स्वदेशी उपकरण विकसित करने के उद्देश्य से एक नवाचार केंद्र भी स्थापित किया है। राज्य में, ग्वालियर के निकट टेकनपुर स्थित लगभग 2.70 लाख कर्मियों वाले बीएसएफ के शीर्ष अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी ने रुस्तमजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरजेआईटी) के छात्रों के लिए एक ड्रोन प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला भी बनाई है। यह संस्थान केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत अर्द्धसैनिक बल द्वारा संचालित एकमात्र उच्च शिक्षा संस्थान है।

नमो युवा रन योगी ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को किया रवाना, नशामुक्त भारत बनाने का भी आह्वान

ऊर्जा नशे में जाया हुई तो पतन तय : मुख्यमंत्री

- कहा- विजयादशमी पर हर जिले में भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

नमो युवा रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह अपने आवास से 'नमो युवा रन' को हरी झंडी दिखाई। युवाओं को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि यदि ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले तो राष्ट्र को नई ऊंचाई मिलती है, लेकिन यदि वही ऊर्जा नशे में जाया हुई तो पतन अवश्यंभावी है। नशामुक्त भारत बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि विजयादशमी पर हर जिले में भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाकर युवाओं को जागरूक किया जाएगा।

नमो रन मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। दौड़ कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक चल रहा 'सेवा पखवाड़ा' अब जनआंदोलन बन चुका है। रक्तदान शिविरों और स्वच्छता अभियानों में युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में जुड़ रही हैं। उन्होंने बताया कि इस बार कार्यक्रमों में 'स्मार्ट हेल्थ चेकअप कैंप' और 'डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड वितरण' भी शामिल किए गए हैं, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के पंच प्रण अब नारों तक सीमित नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की नीतियों में उतारे जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ला, डॉ. नीरज बोरा आदि मौजूद रहे।

जीएसटी सुधार से युवाओं को राहत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में घोषित जीएसटी सुधार गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं के लिए दीपावली का सबसे बड़ा तोहफा है। इससे युवाओं को राहत के साथ नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह सुधार सिर्फ टैक्स व्यवस्था में बदलाव नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और रोजगारपरक अर्थव्यवस्था की ओर बड़ा कदम है। योगी ने बताया कि नई व्यवस्था में स्टार्टअप्स और ई-ट्रेडिंग प्लेटफार्म को भी कर राहत का लाभ मिलेगा, जिससे प्रदेश के युवा उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जुड़ने का मौका मिलेगा। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी योजनाओं को भी मजबूती मिलेगी।

शुभ नवरात्रि
जय माँ
प्रथम शैलपुत्री
माता शैलपुत्री आरती
शैलपुत्री माँ बैल असवार।
करें देवता जय जय कार॥
शिव-शंकर की प्रिय भवानी।
तेरी महिमा किसी ने न जानी॥
पार्वती तू उमा कहलावें।
जो तुझे सुमिरे सो सुख पावें॥
रिद्धि सिद्धि परवान करें तू।
दया करें धनवान करें तू॥
सोमवार को शिव संग प्यारी।
आरती जिसने तेरी उतारी॥
उसकी सगरी आस पुजा दो।
सगरे दुःख तकलीफ मिटा दो॥
घी का सुन्दर दीप जला के।
गोला गरी का भोग लगा के॥
श्रद्धा भाव से मन्त्र जपायें।
प्रेम सहित फिर शीश झुकायें॥
जय गिरराज किशोरी अम्बे।
शिव मुख चन्द्र चकोरी अम्बे॥
मनोकामना पूर्ण कर दो।
चमन सदा सुख सम्पत्ति भर दो॥

आप सभी को शारदीय नवरात्र
की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रशान्त कुमार रवि
संभावित भाजपा प्रत्याशी
जिला पंचायत वार्ड 22,23

समाजवादी पार्टी
आप सभी को
शारदीय नवरात्र
की हार्दिक
शुभकामनाएं
दिव्या पी गंगवार
पूर्व प्रत्याशी 130 विधानसभा
राष्ट्रीय सचिव
समाजवादी महिला सभा (उ.प्र.)
चौ. प्रदीप सिंह पटेल
संरक्षक कुर्मी सभा मेरठ
संस्थापक
कला ईश फाउंडेशन

Navratri Offer
Mid-term Admission Now Open!
2025 - 26
An Auspicious Start to Their Learning Journey
Special Mid-Term Discount On Admissions
Little Millennium
Playgroup | Nursery | Kindergarten
7253819156, 7505122473
Near Naugawan Chauraha, Pilibhit

जनपद पीलीभीत में टैली का एकमात्र मान्यता प्राप्त संस्थान
Center Code UP-26
JOB चाहिए?
Become an Expert in Accounting, GST & Taxation
Diploma in Financial Accounting (DFA)
TallyPrime
टैली बैंगलोर द्वारा सर्टिफिकेट व जॉब सपोर्ट
NIELIT CENTER CODE 88005904
द्वारा मान्यता प्राप्त
ADCA कोर्स के साथ
CCC फ्री
फीस 275 प्रति माह
DCA, ADCA, DFA, ADFA, COA, DTP, TALLY, GST, DCHN ADCHN, WEB DESIGNING
SUMAN COMPUTER INSTITUTE
9837463672, 9548880329
सुमन स्ट्रीट मो. सुनगढ़ी पीलीभीत

जय माता दी
ॐ श्री गणेशाय नमः
जय माता दी
24 वां वार्षिक शारदीय
श्री नव दुर्गा स्थापना
पूजन व विसर्जन
दिनांकः 22.09.2025 से 03.10.2025 तक
कार्यक्रमः- माता जी की आरती प्रतिदिन
प्रातः 7:00 बजे एवं सायं 06:00 बजे
कार्यक्रमः- दिनांकः 22.09.2025 दिन सोमवार सायं 4 बजे से
श्री गणेश शोभायात्रा माता की मूर्ति, कलश स्थापना व पूजन

सभी सरकारी नौकरियों के लिए
मान्य NIELIT द्वारा मान्यता प्राप्त
कम्प्यूटर कोर्स करें
CCC, 'O'LEVEL रजिस्ट्रेशन अभी चालू हैं.....
ADCA, DCA, TALLY 9.0, DTP
ENGLISH SPEAKING COURSE
ANALYZER INSTITUTE
गोखले अस्पताल के सामने, टनकपुर रोड, पीलीभीत 9219692747, 8445762141

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
शकुन्तला हॉस्पिटल मेन रोड, बिलसंडा
डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता
वरिष्ठ फिजिशियन
डॉ. मनमीत गुप्ता
जनरल फिजीशियन
डॉ. अमिता गुप्ता
बांझपन रोग विशेषज्ञ

SUKHBIR SINGH
Branch Manager
AIM OVERSEAS
Add: Opp. Honda Agency
Assam Road, Puranpur (U.P.)
Mob.: +91-7902077774
9411874979
Head Office: Kashipur, Branch Office: Rudrapur
Sitarganj,Puranpur & Bareilly

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
गुरजीत सिंह
भाजपा कार्यकर्ता
ग्राम -भरा पचपेड़ा
तहसील -अमरिया
जनपद -पीलीभीत

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
सुलिन्दर सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-हरदासपुर
विकासखंड- अमरिया
जनपद -पीलीभीत

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
प्राथमिक विद्यालय टाह पौटा
विकास खण्ड मरौरी जनपद पीलीभीत
डॉ. विभव सक्सेना (प्रधानाध्यापक)
श्रीमती अंजना शुक्ला (सहायक अध्यापिका)
श्रीमती प्रगति धामी (सहायक अध्यापिका)
श्रीमती प्राज्ञी अग्रवाल (सहायक अध्यापिका)
श्रीमती ममता देवी (शिक्षा मित्र)

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
उच्च प्राथमिक विद्यालय टाह पौटा
विकास खण्ड मरौरी जनपद पीलीभीत
अजय कुमार
इंचार्ज प्रधानाध्यापक
श्रीमती आशा (सहायक अध्यापिका)
श्रीमती मीनाक्षी दुबे (सहायक अध्यापिका)
श्रीमती वन्दना द्विवेदी (सहायक अध्यापिका)
श्री गौरव गुप्ता (सहायक अध्यापक)
श्री रविन्द्र कुमार (सहायक अध्यापक)
श्री योगेश पाण्डेय (शारीरिक प्रशिक्षक अध्यापक)
श्री मुनीश सैनी (शारीरिक प्रशिक्षक अध्यापक)
श्रीमती प्रगति जैसवार (शारीरिक प्रशिक्षक अध्यापिका)
श्री जितेन्द्र गुप्ता (एफ.सी.)

आज ही नवरात्रि के लिए बुक करें
7% GST छूट का फायदा उठाएं
सभी ट्रैक्टर रेंज पर ₹18 000.- ₹80 000. तक की GST बचत
डबल बचत GST+ऑफर
SONALIKA
DI 60 TP
DI 734
DI 55 III
DI 35
DI 65
जे.टी.सी. परिवार
Mob.: 9721527050

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
लीलावती हॉस्पिटल
एवं मैटरनिटी सेन्टर
पंकज शाक्य (मैनेजिंग डायरेक्टर)
हमारी सुविधाएं :
1. ओपीडी, आईपीडी की सुविधा। 2. प्राइवेट रूम की सुविधा।
3. समस्त प्रकार की बीमारियों का इलाज। 4. नार्मल डिलेवरी,
हर तरह के ऑपरेशन की सुविधा। 5. समस्त प्रकार की ब्लड टेस्ट की सुविधा।
6. 24 घंटे इमरजेंसी मेडिकल सुविधा। 7. समस्त दवाओं पर विशेष डिस्काउंट।
मो. 7983854197,8273455048
24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
उसावाँ रोड, बाला जी गेट, निकट मण्डी समिति, बदायूँ

आप सभी को शारदीय नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं
YS कम्युनिकेशन
मोबाइल्स व मोबाइल्स
एसेसरीज के लिए सम्पर्क करें।
पताः- गांधी ग्राउंड बदायूं मो. 82736 62781

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
The
MODERN MEN
FASHION WEAR
the_modernmen
8171188483
Add- Police Line Chauraha, Budaun

राजकीय कॉलेज के पास छात्रा से छेड़छाड़

संवाददाता, जलालाबाद

- पुलिस पर आरोपियों से साठगांठ के गंभीर आरोप

अमृत विचार: नगर के एक मोहल्ले की रहने वाली छात्रा शाहजहांपुर के एक सरकारी संस्थान में दो वर्षीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

16 सितंबर की सुबह लगभग 9 बजे रोडवेज बस स्टैंड पैदल जा रही थी। इसी दौरान राजकीय महाविद्यालय जलालाबाद के पास पीछे से आए दो युवकों ने उससे छेड़छाड़ की। छात्रा के रोने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी भाग निकले। पीड़िता ने कॉलेज पहुंचकर अपने अध्यापकों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद छात्रा के पिता ने कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर दी। आरोप है कि कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार तोमर ने तहरीर बदलने का दबाव बनाया, न मानने पर उन्हें अपमानित भी किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पकड़ा, लेकिन पिता का आरोप है कि पुलिस ने आरोपी पक्ष से साठगांठ कर आरोपी का चालान शांति भंग में कर दिया। शाम तक मामला उप जिला मजिस्ट्रेट तक पहुंचा, जहां अधिवक्ताओं की मौजूदगी में आरोपियों को 14 दिनों तक रोज सुबह 11 बजे हाजिरी देने की शर्त पर जमानत मिल गई।

इस बीच सीआरपीसी की धारा 161 के तहत बयान दर्ज करते समय जांच अधिकारी महिला सब इंस्पेक्टर काजल पर भी पीड़िता को मानसिक रूप से परेशान करने और जेल भेजने की धमकी देने का आरोप लगाया। है।

> पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को पकड़ कर चलान किया गया था। -राजीव कुमार सिंह, कोतवाल जलालाबाद

ज्वाला जी जागरण सेवा समिति का जागरण 26 को

पुवायां, अमृत विचार : मां ज्वाला जी जागरण सेवा समिति के तत्वाधान में दुर्गा जागरण 26 को होगा। जिसके लिए माता की पावन ज्योति नगर पहुंच चुकी है।

भव्य दुर्गा जागरण के लिए मां ज्वाला जी से तमाम भक्त माता की पावन ज्योति लेकर पुवायां पहुंचे, साथ ही बाला जी और बाबा खाटू श्याम की ज्योति लेकर भी भक्त तुलाराम बाबा स्थान पहुंचे। जहां से समिति अध्यक्ष धीरज शर्मा राजा के साथ तमाम भक्त बाजे गाजे के साथ माता की ज्योति को लेकर नगर भ्रमण करते हुए सूरज मैरिज लॉन पहुंची और जागरण स्थल पर पूजा अर्चना के बाद उनकी स्थापना की गई। समिति अध्यक्ष ने बताया कि सोमवार को जागरण स्थल पर कलश स्थापना के साथ प्रतिदिन सुबह और शाम 8 बजे माता की आरती की जाएगी।

डंडे से पीटकर पत्नी की हत्या

शराब के नशे में रात में पत्नी से हुआ था विवाद, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धनकपुर गांव में पति-पत्नी में विवाद हो गया। पत्नी जान बचाकर बेटे के घर जा रही थी। घर के बाहर पति ने उसे घेर लिया और सिर में डंडा मारकर हत्या कर दी। महिला का शव सुबह घर से कुछ दूरी पर धान के खेत में मिला। मृतका के भाई ने बहनोई पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दी है। फॉरेंसिक टीम ने जांच करके नमूना लिया। आरोपी पति को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव धनकपुर निवासी कल्याण (70) ने गांव के बाहर खेत पर मकान बना रखा है। वह पत्नी शांति देवी (65) के साथ वहीं रहता था। गांव में बने मकान में उसका पुत्र व परिवार के अन्य लोग रहते हैं। शनिवार की रात कल्याण और शांति देवी बेटे के घर से खाना खाकर अपने मकान में सोने गए। शराब के नशे में कल्याण का रात में पत्नी से विवाद हो गया। महिला पति से बचने के लिए बेटे के घर जा रही थी। बताते हैं कल्याण ने घर से कुछ दूरी पर धान के खेत के पास उसे घेर लिया और सिर में डंडा मार दिया। शांति देवी बेहोश होकर गिर गई और आरोपी पति भाग गया।

रविवार सुबह 9 बजे ग्रामीण खेत पर जा रहे थे, तभी उन्होंने शांति देवी का शव देखा। उसके सिर से खून बह रहा था। सूचना पर परिवार वाले और पुलिस मौके पर पहुंच गए। मृतका के सिर और अन्य स्थानों पर चोट के निशान मिले। सीओ ज्योति यादव और प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने परिजनों से जानकारी ली। मृतका के भाई वेदराम ने आरोप लगाया कि पति-पत्नी के बीच कहासुनी होने पर कल्याण ने उसकी बहन के सिर में लाठी मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी कल्याण को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। फॉरेंसिक टीम ने मौके से नमूने इकट्ठा किए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिवार में मचा कोहराम

मृतका शांति देवी के नौ बेटे और एक बेटी हैं। बेटों की शादी हो चुकी है और बेटे अन्य जिलों में काम करते हैं। बेटी की भी शादी हो चुकी है। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। सीओ तिलहर ज्योति यादव ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद में महिला की मौत हुई। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की और नमूने लिए। तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गंगा-रामगंगा का बढ़ता जलस्तर ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ीं

संवाददाता, मिर्जापुर/परौर

- हाईवे पर पानी भरने से ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित

अमृत विचार: गंगा और रामगंगा नदियों का लगातार बढ़ता जलस्तर मिर्जापुर क्षेत्र के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। जलालाबाद–शमशाबाद स्टेट हाईवे पर गंगा का पानी चढ़ने से लोगों की आवाजाही पर संकट गहरा गया है। चौरा गांव के पास हाईवे पर करीब एक फीट पानी बह रहा है, जिससे वाहनों का आवागमन कभी भी बंद हो सकता है। वहीं नगला बसोला मार्ग पर भी पानी भरने से ग्रामीणों की रोजमर्रा की आवाजाही प्रभावित हो गई है।

लगातार बढ़ते जलस्तर ने तटवर्ती गांवों के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी धान और गन्ने की बची हुई फसलें डूबने लगी हैं। किसानों का कहना है कि इस बार की बाढ़ ने उनकी कमर तोड़ दी है। कई बार जलस्तर घटा, लेकिन फिर से बढ़ोतरी ने उम्मीदों को तोड़ दिया। आज़ादनगर निवासी लईक, ईशाक, नाज़िम और साबिर ने बताया कि गांव में बाढ़ का पानी घुस आया है। रास्ते जलमग्न हो चुके हैं, जिससे बाहर आना-जाना बेहद कठिन हो गया है। ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर मजदूर तक प्रभावित हैं। हाईवे पर खतरे के बीच लोग जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर हैं। वाहन चालक भी तेज बहाव के पानी में फंसने से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग तलाशने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पानी का स्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो हाईवे का संपर्क पूरी तरह कट सकता है।

सड़क हादसों में महिला समेत दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

दुर्गेश।

रामकुमारी।

- दवा लेकर अस्पताल से लौटते समय महिला को बस ने मारी टक्कर
- ड्यूटी से लौटते समय युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से गई जान

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, इससे उनके परिवार में कोहराम मच गया। जलालाबाद में क्षेत्र में महिला की रोडवेज बस और रोजा थाना क्षेत्र में व्यक्ति की अज्ञात वाहन से टकराकर मौत हुई है।

लखीमपुर जिले के मोहम्मदी थाना क्षेत्र के गांव महमदपुर ताजपुर निवासी दुर्गेश कुमार(40) केन्द्रीय विद्यालय -2 में हाउस कीपिंग के पद पर कार्यरत थे। शनिवार की शाम ड्यूटी करने के बाद वह बाइक से वापस घर जा रहे थे। मोहम्मदी रोड पर भावलखेड़ा गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गए। राहगीरों ने रोजा थाना को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और घायल को मेडिकल कॉलेज भेज दिया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया। पुलिस को मृतक के पास मिले मोबाइल से नंबर निकालकर परिवार वालों को सूचना दी। परिवार वाले शनिवार रात मेडिकल कॉलेज पहुंचे। परिजनों ने बताया दुर्गेश की पत्नी गुड्डी देवी, दो बेटे अजय, विजय और बेटी संगीता है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर जलालाबाद थाना क्षेत्र के नगरिया बुजुर्ग निवासी राम कुमारी (60) पत्नी रोहन सिंह शनिवार की शाम दवा लेने याकूबपुर जा रही थी। शाहजहांपुर-जलालाबाद रोड पर रोडवेज बस ने महिला को टक्कर मार दी, जिससे महिला गंभीर रुप से घायल हो गई। चालक बस लेकर भाग गया। सूचना मिलने पर परिवार वाले पहुंच गए। परिवार वाले घायल महिला को सीएचसी पर भेज दिया। डाक्टर ने घायल महिला को मेडिकल कालेज भेज दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। परिवार वाले उसका शव लेकर गांव चले गए। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि थाना पर कोई सूचना नहीं है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 22 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म की कोशिश

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र की एक युवती ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया शनिवार दोपहर 12 बजे उसकी मां घर पर नहीं थी। उसके पिता दिल्ली में काम करते है। वह घर में नहाने की तैयारी कर रही थी। पड़ोसी शान मकान की छत के रास्ते घर में घुस आया और उससे दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। युवती ने शोर मचाया तो आरोपी घर के दरवाजे की कुंडी खोलकर भाग गया। पीड़िता ने मां को घटना की सारी बात बतायी। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल, रेफर

खुटार, अमृत विचार : पीलीभीत के कस्बा बिलसंडा के गांव पिपरा गदना निवासी नरवीर (26) रविवार को रिश्तेदारी लखीमपुर खीरी के कस्बा भीरा बाइक से जा रहे थे। खुटार-मैलानी रोड पर रपटा पुल के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से चला गया। राहगीरों ने इसकी सूचना एंबुलेंस को देकर घायल को खुटार सीएचसी भिजवाया।

युवती का किया अपहरण, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया 15 सितंबर को उसकी 24 वर्षीय पुत्री बिना बताए कहीं चली गई थी। वह पुत्री को तलाश कर रही थी। उसे पता चला कि गांव का शिवम उसकी पुत्री को अगवा करके ले गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रुपये वापस मांगने पर पति ने की मारपीट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अल्हागंज थाना के मोहल्ला ब्रहमनान निवासी मनोरमा ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि उसके पिता ने उसके खाते में जमीन बेचकर दो लाख रुपये डाले थे। उसने पिता को रुपये वापस कर दिए। उसका आरोप है कि पति जितेंद्र रुपये के चक्कर में उसे मारता पीटता है और बदचलन कहता है। पति ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

18 साल में भी पूरी नहीं हुई राजकीय कॉलेज की मांग

जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से ठंडे बस्ते में गई योजना

प्रदीप सिंह, कलान

- वर्ष 2007 में शासन से आया था प्रस्ताव, लेकिन जमीन चयन की प्रक्रिया अधूरी
- उच्च शिक्षा के लिए शाहजहांपुर फर्रुखाबाद व बरेली जाने को मजबूर हैं विद्यार्थी

अमृत विचार : क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना की मांग 18 साल बाद भी अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। शासन स्तर पर 2007 में जमीन तलाशने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन अब तक मामला ठंडे बस्ते में पड़ा है। नतीजा यह है कि कलान तहसील क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद, बरेली जैसे शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है, वहीं अनेक बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2007 में शासन ने जिला अधिकारी को कलान क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय के लिए जमीन चयन का प्रस्ताव मांगा था। तत्कालीन डीएम ने एसडीएम को जमीन का चयन कर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए भी थे। राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने प्रारंभिक स्तर पर कार्रवाई शुरू की लेकिन कुछ समय बाद पूरा मामला ठंडा पड़ गया। तब से लेकर अब तक इस दिशा में प्रशासनिक स्तर पर कोई पहल नहीं हुई। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बदलती सरकारों और जनप्रतिनिधियों ने इस गंभीर मुद्दे को कभी प्राथमिकता नहीं दी। चुनाव के समय यह मसला जरूर उठता रहा, लेकिन चुनाव बीतते ही नेता इसे भूल जाते हैं। क्षेत्रीय

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना से मिलकर मांग करेंगे, उम्मीद है जल्द मंजूरी मिल जाएगी। -रमाकांत मिश्रा

प्रदेश सरकार को तुरंत संज्ञान लेकर राजकीय महाविद्यालय का निर्माण कराना चाहिए, तभी शिक्षा की समस्या दूर होगी। -डॉ. मोहित मिश्रा

के निवासी विवेक पाठक ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय की स्थापना क्षेत्र में होनी चाहिए जिससे छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहें। नीतेश ने कहा शिक्षा के मसले पर विधायक व सांसद गंभीर नहीं हैं। लापरवाही के कारण महाविद्यालय का निर्माण नहीं हो पा रहा है, क्षेत्र के युवा पिछड़ रहे हैं।

मंदिर निर्माण व संस्था पंजीकरण पर विचार-विमर्श

शाहजहांपुर, अमृत विचार: विश्वकर्मा समाज के प्रबुद्ध जनों की एक बैठक कुमार मशीनरी स्टोर पुवायां में मेवाराम शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें पुवायां में निर्माणाधीन विश्वकर्मा मंदिर का कार्य पूर्ण कराने व संस्था का पंजीकरण कराए जाने के विषय पर विचार-विमर्श हुआ।

जिला मुख्यालय से बैठक में पहुंचे विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता नरेश पांचाल ने कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था के सफल संचालन के लिए संस्था का पंजीकरण आवश्यक है। संस्था का पंजीकरण कराने के लिए शंभू दयाल शर्मा व सर्वेश शर्मा को अधिकृत किया गया। इस अवसर पर रामनरेश शर्मा, हरीश चंद्र शर्मा, कमलेश शर्मा, महेश शर्मा, रामप्रताप शर्मा, जगदेश्वर शर्मा, श्रीपाल शर्मा, विनोद शर्मा, सुरेंद्र शर्मा व संत कुमार विश्वकर्मा सहित अनेक बंधु उपस्थित रहे। संस्था के पंजीकरण के लिए सभी सदस्यों ने स्वेच्छा से अपना अंशदान भी जमा किया।

शिविर में नाक-कान गले की हुई जांच

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शिविर में डॉक्टर मरीज की जांच करते हुए। ● अमृत विचार

- वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल ने नगर पालिका तिलहर में लगाया शिविर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल, बंथरा की ओर से नगरपालिका तिलहर में नाक, कान एवं गला रोग चिकित्सा शिविर का लगा। इस शिविर में कुल 184 मरीजों ने पंजीकरण कराया।

शिविर में 85 मरीजों की निःशुल्क ब्लड शुगर जांच और 69 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच की गई। 118 मरीजों को मुफ्त दवाइयां दी गईं। साथ ही, एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों पर छूट के कूपन भी प्रदान किए गए। स्वास्थ्य टीम एवं पीआरओ ने उपस्थित लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए जागरूक किया और परिवार स्वास्थ्य कार्ड के लाभों की जानकारी दी। यह कार्ड अस्पताल द्वारा 200 रुपये में बनाया जाता है जो 1 वर्ष के लिए मान्य होता है। कार्ड धारकों को ओपीडी का पर्चा निःशुल्क मिलेगा, दवाइयों और जांचों पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त छूट मिलेगी तथा भर्ती होने पर भर्ती फाइल मुफ्त होगी। सामान्य ऑपरेशन में 25 प्रतिशत और खून की आवश्यकता होने पर 10 फीसदी की छूट भी मिलेगी। अस्पताल में मरीजों के लिए मुफ्त भर्ती, मुफ्त पलंग, मुफ्त नर्सिंग केयर एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध है। ऑपरेशन, सस्ती दवाइयां, आईसीयू, वेंटिलेटर, डायलिसिस, एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड जैसी सुविधाएं 24 घंटे सस्ते दरों पर उपलब्ध हैं। शिविर में वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल के नाक, कान एवं गला रोग विभाग की विशेषज्ञ डॉ. दीप्ति चौहान की चिकित्सकीय टीम, मेडिकल सोशल वर्कर जितेंद्र गंगवार और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।

रंजिशन युवक से की मारपीट घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अल्हागंज थाना के मोहल्ला पीरगंज निवासी अनूप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि शनिवार की शाम अपने घर से बाजार सब्जी लेने के लिए आया था। रोडवेज बस अड्डे के सामने आरोपी अभिषेक, रितेश निवासी ब्रहमनान ने उसे घेर लिया और पीटकर घायल कर दिया। उसके कान में गुम चोटे आयी है। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जाता है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

अग्रसेन जयंती पर होगा विशाल कवि सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 25 सितंबर को अटल ऑडिटोरियम में देश के प्रसिद्ध कवि करेंगे मंच साझा
- अनिल, मोनिका, अर्जुन और डॉ. आदित्य सहित कई प्रसिद्ध कवि शामिल होंगे

अमृत विचार: श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के उपलक्ष्य में 25 सितंबर को अग्रसेन समाज द्वारा अटल ऑडिटोरियम में विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध कवि अनिल, मोनिका, अर्जुन और डॉ. आदित्य अपनी कविता और विचारों से उपस्थित जनमानस को मंत्रमुग्ध करेंगे।

अग्रसेन भवन, केरूगंज में आयोजित प्रेसवार्ता में कार्यक्रम सहयोगी अशोक अग्रवाल ने कवि सम्मेलन की रूपरेखा मीडिया कर्मियों को साझा की। उन्होंने बताया कि कवि सम्मेलन के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम से पूर्व 24 सितंबर को अटल ऑडिटोरियम में अग्रवाल समाज द्वारा एक अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी और सम्मानित अतिथि कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेंगे।

पैसेंजर ट्रेनों का संचालन आज से

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित ओवरब्रिज पर गर्डर डालने को लेकर आठ पैसेंजर ट्रेनों का संचालन रोजा से किया गया था। प्लेटफार्म चार व पांच गर्डर रख जाने से सोमवार से पैसेंजर ट्रेनों का संचालन यहां से होगा।

शनिवार को प्लेटफार्म चार और पांच पर गर्डर रखने के लिए डाउन व अप लाइन की शाहजहांपुर-सीतापुर पैसेंजर, शाहजहांपुर-बालामऊ पैसेंजर, शाहजहांपुर-लखनऊ पैसेंजर और शाहजहांपुर-गोंडा पैसेंजर का संचालन शनिवार से रोजा रेलवे स्टेशन से किया जा रहा था। प्लेटफार्म चार व पांच पर गर्डर रखने का कार्य पूरा हो गया। रेल अधिकारियों ने बताया पैसेंजर ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

निःशुल्क स्वास्थ्य मेले में 608 मरीज लाभान्वित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ मरीजों की जांच करते हुए।

- वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल का शिविर
- मोतियाबिंद, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर सहित विभिन्न जांचों की मुफ्त सेवा
- 10 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन निशुल्क, 532 मरीजों को मुफ्त दवाइयां वितरित

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा द्वारा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान 2025 के अंतर्गत ग्राम डांडिया बाजार, निगोही क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 608 मरीजों ने पंजीकरण कराया।

शिविर में 10 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया, जिनका ऑपरेशन निशुल्क अस्पताल में किया जाएगा। इसके अलावा 225 मरीजों की ब्लड शुगर जांच और लगभग 105 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच निःशुल्क हुई। 532 मरीजों को मुफ्त दवाइयां वितरित की गई, साथ ही एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों पर छूट के कूपन भी प्रदान किए गए।

स्वास्थ्य टीम और पीआरओ ने उपस्थित लोगों को नियमित जांच कराने और परिवार स्वास्थ्य कार्ड के लाभों के बारे में जानकारी दी। यह कार्ड 200 रुपये में बनाया जाता है और 1 वर्ष के लिए मान्य होता है। स्वास्थ्य शिविर में समाज सेवक राहुल यादव, राजीव यादव एडवोकेट सहित अन्य लोगों का विशेष योगदान रहा। शिविर में वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल के सामान्य रोग विभाग, नेत्र रोग विभाग, हड्डी रोग विभाग, दंत रोग, महिला एवं प्रसूति रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक पाटिल, डॉ. स्वप्निल, डॉ. प्रिया मिश्रा, डॉ. दीक्षित, डॉ. बिंदु तथा पीआरओ अतुल कुमार गंगवार और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।

बंदरों के हमले में छत से गिरे वृद्ध की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: औधापुर गांव में बुजुर्ग छत पर सफाई कर रहा था। बंदरों ने उसके ऊपर हमला कर दिया और नीचे गिरने से उसकी मौत हो गई। कांट थाना क्षेत्र के गांव औधापुर निवासी 50 वर्षीय आसाराम शनिवार दोपहर छत पर सफाई कर रहा था। अचानक बंदरों ने उस पर हमला कर दिया। वह डर के कारण भागे और मकान की छत से दरवाजे के खड़ंजे पर गिरकर घायल हो गए। परिवार वालों ने उसे भर्ती कराया। रविवार को उनकी मौत हो गई।

नदी में चौथे दिन मिला महिला का शव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- घर वालों ने कपड़े से की पहचान कुछ अंग मगरमच्छ खा गए थे

अमृत विचार: पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास गर्रा नदी में कूदी महिला का शव चौथे दिन रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र में गुवारी गांव के पास कंकाल मिला है। उसका सिर, एक हाथ, एक पैर गायब था। घर वालों ने कपड़ों से शिनाख्त की है।

18 सितंबर की सुबह 5:30 बजे मंदिर की सीढ़ियों के पास से एक महिला ने गर्रा नदी में छलांग लगा दी थी। उसने अपनी चप्पले, दुपट्टा और पानी बोतल सीढ़ियों पर रख दिया था। एसडीआरएफ टीम और गोताखोरों ने महिला की तलाश की थी, लेकिन उसका पता नहीं चला था। चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला साउथ सिटी निवासी 55 वर्षीय मीना दीक्षित गायब थी। आशंका व्यक्त की जा रही थी कि नदी में कूदी महिला मीना दीक्षित हो सकती है। रविवार की दोपहर बाद चार बजे रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव गुवारी के लोगों ने गर्रा नदी में एक शव उतराता हुआ देखा। गांव के नरसिंह ने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता मौके पर पहुंचे और नदी से शव को बाहर निकलवाया, जो कंकाल था। जिसका सिर, एक हाथ, एक पैर नहीं था। कुछ मांस लगा हुआ था। कंकाल के पास कुर्ते का अगला हिस्सा देखने में लेडीज प्रतीत हो रहा था। कुर्ते का रंग क्रीम कलर, जिस पर काले धब्बे बने हुए है। साथ ही काले रंग की पैजामी छोटा सा टुकड़ा मिला है। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह को सूचना दी।

श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में बच्चों ने दिखाई कला और भाषण में प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता
शाहजहांपुर

- चित्रकला प्रतियोगिता में अनिरुद्ध, वाणी और देव ने हासिल किया प्रथम स्थान
- भाषण और अंताक्षरी प्रतियोगिताओं में बच्चों ने मनमोहक प्रदर्शन किया

अमृत विचार: श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह समिति में रविवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। सबसे पहले चित्रकला प्रतियोगिता हुई, जिसमें तीन वर्गों में 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निर्मल अग्रवाल रहीं, जबकि निर्णायक मंडल में मधु, अंजलि, साधना, पुनीता, अर्चना और रोहित गोयल शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन दिव्यांशी और वर्णिका ने किया।

चित्रकला में प्रथम ग्रुप में अनिरुद्ध गर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मानक अग्रवाल द्वितीय और शगुन अग्रवाल तृतीय स्थान पर रही। द्वितीय ग्रुप में वाणी गोयल प्रथम, साध्या अग्रवाल द्वितीय और आरना अग्रवाल तृतीय स्थान पर रही। तृतीय ग्रुप में देव अग्रवाल ने प्रथम, आरोही अग्रवाल द्वितीय और आराध्या अग्रवाल तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसके पश्चात धारा प्रवाह भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अग्र समाज के बालक और बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। बच्चों को एक विषय पर 2 मिनट का भाषण देना था। इस प्रतियोगिता का संचालन सुशांत और कुशल गोयल ने किया, जबकि निर्णायक मंडल में प्रज्ञांशु गर्ग, निर्भय अग्रवाल, विनोद और प्रतुल गर्ग शामिल रहे। अंत में बाल प्रतियोगियों के लिए अंताक्षरी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने हिंदी फिल्मी गीतों पर मनोरंजक प्रतिस्पर्धा की। इसका संचालन अंकुर, सुनील और सोनल गोयल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन के चित्र पर अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, अमित गर्ग और अरविंद कुमार अग्रवाल ने माल्यार्पण कर किया और दीप प्रज्ज्वलित किए। कार्यक्रम में डॉक्टर संजीता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, प्राची अग्रवाल, समिति के सचिव रवि अग्रवाल और संयोजक दिव्यम गर्ग ने अहम योगदान दिया। मुकुंद अग्रवाल, जया गोयल, ज्योति अग्रवाल और रुचि अग्रवाल ने पूरे कार्यक्रम में अतुलनीय सहयोग किया।

समारोह में समाज के भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे और बच्चों की प्रतिभा का आनंद लिया।

शारदीय नवरात्र आज से

शारदीय नवरात्र सोमवार 22 सितंबर से शुरू हो रहे हैं और 1 अक्टूबर को खत्म होंगे। इस बार सोमवार को माता का आगमन हाथी पर होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हाथी पर माता का सवार होकर आना बेहद शुभ संकेत होता है। शारदीय नवरात्र का समापन 1 अक्टूबर बुधवार को होगा। बुधवार के दिन जब भी माता प्रस्थान करती हैं तो उनकी सवारी हाथी ही होती है। इसे भी शुभ संकेतक माना जाता है। तृतीया तिथि बढ़ जाने के कारण इस बार 9 नहीं 10 दिन के होंगे नवरात्र। विजयादशमी का पर्व 2 अक्टूबर को होगा।

घटस्थापना मुहूर्त - सुबह 5:58 बजे से 7:52 बजे तक घटस्थापना अभिजीत मुहूर्त - दोपहर 11:37 बजे से 12:25 बजे तक।

प्रथम शैलपुत्री

नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। शैलपुत्री हिमालय की पुत्री हैं। इसी वजह से मां के इस स्वरूप को शैलपुत्री कहा जाता है। इनकी आराधना से हम सभी मनोवांछित फल प्राप्त कर सकते हैं। मां शैलपुत्री को प्रसन्न करने के लिए बीज मंत्र जपना चाहिए। इसके प्रभाव से माता जल्दी ही प्रसन्न होती हैं। देवी शैलपुत्री की पूजा से चंद्र दोष समाप्त होता है।

बीज मंत्र..... ह्रीं शिवायै नमः।

घास काटने गए युवक पर बाघ ने किया हमला

सुबह करीब 9 बजे बाघ और युवक के बीच संघर्ष, नाक, कान, हाथ और सिर में पंजे मारकर किया लहूलुहान

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: खुटार के गांव रायपुर पटियात में रविवार सुबह करीब 9 बजे झाबर किनारे स्थित जिंद बाबा स्थान के समीप गन्ने के खेत में घास काटने गए श्याम पाल उर्फ रामू (45) और बाघ के बीच खूनी संघर्ष हो गया। कुछ देर तक दोनों में एक दूसरे को बचाने का दौर चला। लेकिन बाघ के जानलेवा हमले से श्यामपाल लहूलुहान हो गए। जब लगा बाघ उसे मार डालेगा तो शोर मचाया। बाघ ने उसे खेत के बीच में ले जाने की कोशिश करता रहा। तभी गांव रायपुर पटियात निवासी खुशीराम, राजेश कुमार अन्य किसान दौड़कर मौके पर पहुंचे और बाघ को लाठी-डंडों से ललकारा तो गन्ने के खेत में वापस चला गया। बाघ के हमले से श्यामपाल की नाक, कान, हाथ और सिर के साथ ही अन्य स्थानों पर पंजे लगे हुए हैं। जिससे घायल हो गए। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। तो यह सुनकर होश उड़ गए और मौके पर पहुंचे। परिजनों ने एंबुलेंस से घायल को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है। गांव रायपुर पटियात निवासी रेशमा देवी ने बताया उनके पति श्याम पाल सुबह नाश्ता करने के बाद जानवरों के लिए घास काटने घर से खेतों की ओर निकले थे। खुटार के रहने वाले किसन्ने के गन्ने के खेत में उनके पति घास काट रहे थे। तभी बाघ ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। उधर, ग्रामीणों ने इसकी जानकारी वन विभाग अधिकारियों को दी तो पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना मिलते ही रेंजर मनोज श्रीवास्तव टीम के साथ खुटार अस्पताल पहुंचे। वहां घायल से घटना की जानकारी जुटाई। बाद में वनकर्मियों की टीम वापस लौट गई।

घटना स्थल पर मौजूद खुटार रेंजर मनोज श्रीवास्तव व ग्रामीण। ● अमृत विचार

बाघ के हमले से घायल श्याम पाल।

- शोरगुल के बाद खेतों में काम कर रहे किसानों ने बाघ को ललकारा तो बच सकी जान
- परिजनों ने अस्पताल में कराया इलाज, रेंजर ने की पूछताछ

बाघ ने आवारा पशु को मार डाला: ग्रामीणों ने बताया शनिवार रात को बाघ ने खेतों की तरफ घूम रहे छुट्टा पशु को भी निवाला बना डाला। खेत में गोबर, खून के छींटे मिले हैं।

जबकि अवशेष नहीं मिले हैं। बाघ पशु को गन्ने के खेत में घसीट ले गया और मार डाला। जबकि रविवार सुबह 9 बजे फिर से बाघ ने घास काटने गए किसान पर हमला कर घायल कर दिया। इससे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। लेकिन वन विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। जिस पर लोगों ने नाराजगी जाहिर की है।

> सूचना पर खुटार रेंजर व टीम को मौके पर भेजा गया था। जांच कराई गई है। पगचिह्न ट्रैस कराए जाएंगे। अभी लोकेशन नही मिली है। यदि बाघ गन्ने में है। तो जंगल की तरफ खदेड़ा जाएगा। **-डॉ. सुशील कुमार,** एसडीओ वन विभाग पुवायां

पंद्रह मिनट रुकने के बाद रेंजर वनकर्मियों के साथ लौटे

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : गांव रायपुर पटियात निवासी श्यामलाल को बाघ ने हमला कर घायल कर दिया। सूचना पर रेंजर मनोज श्रीवास्तव वनकर्मियों के साथ घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे। जहां भारी संख्या में भीड़ जुट गई। जांच के कुछ ही मिनट बाद रेंजर टीम के साथ लौट गए। इससे लोगों ने वन विभाग के खिलाफ आक्रोश फैल गया और लापरवाही के चलते नाराजगी जाहिर की।

ग्रामीणों ने कहा कि बाघ ने एक युवक को घायल कर दिया। लगता है इस बात का असर वन विभाग के अधिकारियों पर नहीं पड़ा है और न किसी तरह की चिंता। रेंजर मनोज श्रीवास्तव करीब 15 मिनट शायद ही रुके हो। उतने ही समय में केवल एक ही जगह पर खड़े होकर इधर-उधर ताक झांक करने का सिलसिला जारी रखा। जबकि गांव के लोगों से घटना से संबंधित पूछताछ करने की जहमत तक नहीं उठाई। इसके अलावा रेंजर ने बाघ की लोकेशन, कांबिंग, पगमार्क ट्रेस करने के साथ ही लोगों से अपील करने की जरूरत नहीं समझी। इन 15 मिनटों में जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर दी गई और वापस लौट गए। इसके अलावा वन अधिकारियों ने गांव में बाघ की लोकेशन लेने के लिए टीम को भी नहीं लगाया। लोगों का मानना है बाघ आसपास गन्ने के खेतों में छिपा हो सकता है। जो किसी भी समय हमला कर जानलेवा साबित हो सकता है।

- ग्रामीण बोले- कांबिंग, पगमार्क और लोकेशन ट्रेस करने की नहीं समझी जरूरत, कई गांवों में दहशत

बाघ के युवक पर हमला करने के बाद रायपुर पटियात, कुंभिया माफी, गेंहुआ, रसवां कलां, सेहजनिया, मुकुंदापुर आदि गांवों में दहशत का माहौल बना हुआ है। जिससे लोग खेतों की ओर जाने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने बाघ को जंगल की तरफ खदेड़ने की मांग की है। लोगों ने बताया कि वन विभाग इस मामले में खानापूर्ति कर रहा है। बाघ को पकड़ने के लिए न कोई इंतजाम है और न ही कोई टीम लगाई गई है। केवल जांच के नाम पर दिखावा कर रहे हैं। गांव के लोगों ने बाघ को पकड़ने या फिर जंगल की तरफ खदेड़ने की मांग की है। जिससे लोग सुरक्षित हो सके और खेतों में काम करने में कोई परेशानी न हो।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 1045 किसानों को वितरित किए चेक

शाहजहांपुर कलेक्ट्रेट सभागार में किसानों को चेक वितरित करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने तहसील सदर क्षेत्र के 27 गांवों के कुल 1045 किसानों को कृषि निवेश अनुदान योजना के अंतर्गत 34 लाख रुपये की धनराशि वितरित की।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए प्रत्येक पात्र कृषक को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी जरूरतमंद किसान को राहत पाने में कठिनाई न हो। मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ हर परिस्थिति में खड़ी है। हर तरह के नुकसान की भरपाई के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे। ताकि सिकसी भी किसान परिवार को किसी प्रकार की समस्या न जुझना पड़े। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार, उपजिलाधिकारी सदर संजय पांडे, राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और लाभार्थी किसान बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

- तहसील सदर के 27 गांवों के किसानों को कृषि निवेश अनुदान से सहायता
- मंत्री ने पारदर्शी ढंग से हर पात्र कृषक तक राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

न्यूज ब्रीफ

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

खुटार, अमृत विचार : गांव नवाजपुर निवासी रवि कुमार (33) की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार शाम करीब 4 बजे रवि कुमार बेहोशी की हालत में घर में पड़ा था। परिजनों के देखने के बाद उसे निजी वाहन से गांव रामपुर कलां में स्थित निजी चिकित्सक के यहां ले गए। वहां डॉक्टर ने बाहर ले जाने की सलाह दी। बाद में परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने रवि कुमार को मृत घोषित कर दिया। जिससे घर में कोहराम मच गया।

नवभारत साक्षरों ने दी परीक्षा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को जिलेभर में नवसाक्षरों की साक्षरता परीक्षा कराई गई। यह परीक्षा 396 परिषदीय विद्यालयों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई, जिसमें कुल 2000 परीक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा केंद्रों पर प्रधानाचार्य, इंचार्ज प्रधानाचार्य और सहायक अध्यापक केंद्र व्यवस्थापक के रूप में उपस्थित रहे और उनकी निगरानी में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

धार्मिक आयोजनों से मिलती है मन को शांति

संवाददाता, सिंधौली

- वित्त मंत्री ने कथा समापन अवसर पर व्यक्त किए विचार

अमृत विचार: वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से मन को शांति और समाज को खुशहाली मिलती है। वित्त मंत्री यह विचार नगला शाहजहां स्थित ब्लॉक प्रमुख मछला सिंह के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के समापन दिवस पर व्यक्त कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आस्थावान व्यक्ति का जीवन हमेशा निष्कंटक होता है। उन्होंने भगवत गीता के श्लोक पढ़कर भी अपने उदगार व्यक्त किए। कथा का समापन रविवार को भंडारे के आयोजन के साथ हुआ, जिसमें वित्त मंत्री ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने अपने पति मुनेश्वर सिंह सहित वित्त मंत्री को भगवान श्री राम की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया और मनोज सिंह ने पटका पहनाकर सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री सुरेंद्रनाथ वाल्मीकि, फिरोज यादव, मंडल अध्यक्ष सुभाष श्रीवास्तव, ब्लॉक प्रमुख श्री दत्त शुक्ला, भानु प्रताप सिंह, रज्जन मिश्रा, मनोज कुमार सिंह, सुधीर सिंह, फिरोज सिंह यादव, प्रधान राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

गांव की तस्वीर बदलने का लिया संकल्प

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कहते हैं अनुभव इंसान की सोच बदल देता है और नई राह दिखाता है। यही हुआ मंडल के टॉपर ग्राम प्रधान अनिल गुप्ता के साथ।

तेलंगाना की शैक्षणिक यात्रा से लौटने के बाद उन्होंने अपने गांव की तस्वीर बदलने का संकल्प लिया है। प्रधान अनिल गुप्ता ने वहां देखा गांव किस तरह अपनी आय, सख्त नियम, पर्यावरण संरक्षण और अनुशासन के बल पर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। तेलंगाना की पंचायतें टैक्स व्यवस्था से लेकर सफाई तक हर स्तर पर मजबूत हैं। यदि कोई गंदगी फैलाता है तो तुरंत 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। वहीं टैक्स न देने पर पंचायत के सभी काम रोक दिए जाते हैं। प्रधान ने बताया वहां के गांवों में हजारों पौधे लगाए गए हैं।

गुरुद्वारा में बाबा सुखदेव सिंह की 42वीं बरसी मनाई

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: खुटार नगर के तिकुनियां चौराहा पर स्थित कारसेवा के गुरुद्वारे में संत बाबा सुखदेव सिंह की 42वीं बरसी रविवार को मनाई गई। यहां बड़ी संख्या में पहुंची संगत ने गुरुद्वारा में गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका। दूर दराज से आये रागी जत्थे और कथा वाचकों ने शबद-कीर्तन कर संगत को निहाल किया। कई दिनों से संत बाबा सुखदेव सिंह की बरसी पर समागम के चलते अखंड पाठ की लड़िया चल रही थी। रविवार को संत बाबा सुखदेव सिंह महाराज की रविवार सुबह से ही संगत गुरुद्वारे में बड़ी संख्या में पहुंचने लगी। दरबार हाल में रागी जत्था सतपाल सिंह मोहनपुर, विक्रम सिंह अनमोल यूपी, सुखचैन, कथा वाचक सिंह साहिब परविन्दर पाल सिंह सचखंड श्री दरबार साहिब अमृतसर पंजाब वाले आदि ने शबद कीर्तन द्वारा संगत को निहाल करते रहे। उन्होंने कहा संत बाबा सुखदेव सिंह ने अपना जीवन मानव कल्याण के साथ सभी धर्म के लोगों की सेवा में लगाया। मांस-मदिरा से लोगों को मुक्त कर मानव सेवा के लिए प्रेरित किया। गुरुद्वारा में संगत के लिए लंगर की व्यवस्था की गई थी। बड़े हॉल में महिला एवं पुरुष कारसेवकों ने संगत को लंगर का प्रसाद छकाया। इस मौके पर गुरुद्वारा के मुख्य सेवादार संत बाबा अमरीक सिंह, व कार्य सेवादार रविन्दर सिंह काले गुरसेवक सिंह, गोल्डी, राजेंद्र सिंह पप्पू, जगवंत सिंह, हरमीत सिंह बिल्लू, कुलदीप सिंह सिद्धू, सुखदेव सिंह, मुख्तयार सिंह, मनदीप सिंह, जवाहर सिंह लवी, बॉवी आदि सेवा में शामिल होकर सेवा का पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बरेली, दिल्ली, पंजाब आदि स्थानों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे। जोड़ा घर की सेवा, साइकिल स्टैंड, लंगर, सबील, चाय आदि के अलग-अलग स्टाल लगाकर सेवा में पवनदीप सिंह, मनप्रीत सिंह, जैसलीन, हीरा सिंह, हरकीरत सिंह, दीपक सिंह, हरजीत सिंह ने सेवा की है।

शबद-कीर्तन करते रागी जत्थे। ● अमृत विचार

- गुरुद्वारा के बाहर लगे मेले में बच्चों ने झूला-झूले और की खरीदारी
- सेवादार आने वाले लोगों की सेवा करने में जुटे रहे

वित्त मंत्री खन्ना ने मैराथन को दिखाई हरी झंडी

- सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत हुई मैराथन दौड़ प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सांसद अरुण सागर और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने ओसीएफ स्थित स्वर्ण जयंती स्टेडियम में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाई।

इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों और भाजपा नेताओं की उपस्थिति रही। सांसद और मंत्री ने प्रथम विजेता को 21,000 रुपये, द्वितीय को 11,000 रुपये और तृतीय को 5,100 रुपये देकर सम्मानित किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि स्वस्थ रहकर जीवन को मजबूत बनाया जा सकता है। सांसद अरुण सागर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसमें ब्लड डोनेट कैंप लगाकर जरूरतमंदों को जीवन सुरक्षित करने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि सेवा के माध्यम से राजनीति करनी चाहिए, जिससे यह स्वयं में आशीर्वाद और सफलता का कारण बने। उन्होंने आगे कहा कि मैराथन दौड़ का आयोजन देश के युवाओं को स्वस्थ बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया। स्वस्थ व्यक्ति ही देश को मजबूत बना सकता है। सांसद ने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के इलाज की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

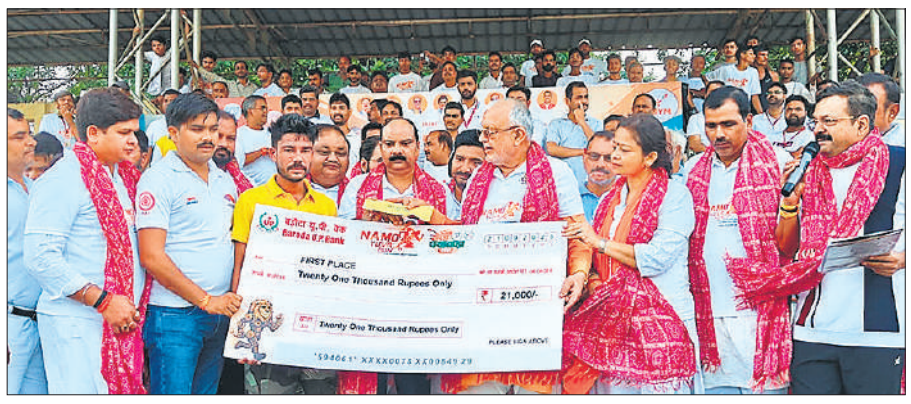

विजेताओं को मेडल व प्रतीकात्मक चेक देते जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अनुराग को मेरठ में राज्यपाल से मिला गोल्ड मेडल

खुटार, अमृत विचार: गांव इटौआ निवासी अनुराग पटेल ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि मेरठ से बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी की उपाधि प्राप्त की।

जिसमें ओवरऑल प्रथम श्रेणी प्राप्त करने पर रविवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित 18वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल/आनंदीबेन पटेल ने अनुराग पटेल को चांसलर गोल्ड मेडल एवं वाइस चांसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। अनुराग पटेल कृषक परिवार से हैं। इनके बाबा धनीराम वर्मा, दादी शकुंतला देवी, इटौआ ग्राम पंचायत से पूर्व प्रधान रहे हैं।

मिशन शक्ति महिलाओं को सशक्त बनाने का जन आंदोलन : सुरेश कुमार खन्ना

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मिशन शक्ति 5-0 के तहत पुलिस लाइन से विशेष महिला सुरक्षा दल की बाइक रैली निकाली गई। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि मिशन शक्ति महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और अधिकार दिलाने का जन आंदोलन है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बाइक रैली पूरे जिले में जागरूकता और विश्वास का संदेश लेकर जाएगी। यह बाइक रैली महिला सुरक्षा के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाएगी, त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह नारी गरिमा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में सामाजिक परिवर्तन का आंदोलन है। यह ऐतिहासिक बाइक रैली मिशन शक्ति के संदेश को हर घर, हर गली और हर दिल तक पहुंचाने का कार्य करेगी। एसपी राजेश द्विवेदी ने कहा कि इस दल का गठन विशेष रूप से महिला सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए किया गया है। यह दल बाजारों, विद्यालयों, कालेज, भीड़-भाड़ इलाकों में सक्रिय रहेगा। रैली के दौरान महिलाओं को हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी पंपलेट वितरण के द्वारा दी गयी। पूर्व में वित्त मंत्री को गार्ड आफ आनर दिया गया।

बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। ● अमृत विचार

जहरीला पदार्थ खाने से युवती की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता, बंडा

- भाइयों के विवाद में पहले बेटियों ने फिर दादी ने खाया था जहर

अमृत विचार: दो भाइयों में मामूली विवाद के बाद दोनों की बेटियों ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे दोनों की मौत हो गई, जबकि उनकी मां की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

बंडा के गांव सैदापुर में 10 सितंबर को दो भाइयों, गुड्डू और मनोज में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा कि पहले गुड्डू की पुत्री रोली (19) ने कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। उसके बाद मनोज की बेटी श्वेता (18) ने भी कीटनाशक दवा पी ली। विवाद फिर भी नहीं थमा तो गुड्डू और मनोज की मां शकुना देवी ने भी वही कीटनाशक दवा पी ली। निजी अस्पतालों में इलाज कराने के बाद 13 सितंबर को गुड्डू पुत्री रोली को घर वापस ले आया। घर आने के बाद उसकी अचानक तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। वहीं 21 सितंबर, रविवार को मनोज की पुत्री श्वेता ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनकी मां शकुना देवी का इलाज अभी भी चल रहा है। रोली और श्वेता की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया है। दोनों परिवार के लोग एक-दूसरे का मुंह देखकर बिलख-बिलख कर रो रहे हैं।

ई-रिक्शा की वजह से सड़क पर लग रहा जाम

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार: नगर में ई रिक्शा चालकों की भरमार और कई नाबालिग रिक्शा चालकों के चलाने के ढंग से नगर के तमाम दुकानदार व अन्य राहगीरों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जिनके आगे प्रशासन भी लाचार नजर आ रहा है।

नगर के तमाम चौराहों पर पूरे दिन ऐसे नजारे देखने को मिल जाते हैं, जहां ई रिक्शा चालक सवारियों के लिए पूरे दिन चौराहों पर इधर उधर रिक्शा घुमाते दिखते हैं। लगे का सबसे व्यस्त चौराहा राजीव चौक राहगीरों से कम ई-रिक्शा से अधिक भरा रहता है। कई बार इनके चलाने के ढंग से चौराहों पर जाम लगने के साथ साथ दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। जिनमें लोगों की जान पर बन आती है, इस सब के बावजूद प्रशासन इस ओर कोई कार्रवाई करना उचित नहीं समझते। समाजसेवियों समेत अन्य तमाम लोगों ने पालिका व प्रशासन से इनके लिए भी कोई गाइडलाइन बनाए जाने की मांग की है।

--- क्षेत्र में नहीं है कोई चार्जिंग सेंटर

नगर व देहात क्षेत्र में ई रिक्शा लगभग रोज ही आ रहे हैं, जिनकी संख्या वर्तमान में हजारों की संख्या में होगी। इनके लिए क्षेत्र में कोई चार्जिंग सेंटर नहीं है, जिसके चलते तमाम ई रिक्शा चालक घरेलू कनेक्शन से ही अपने रिक्शे को चार्ज करते हैं, इसके अलावा कईयों ने तो इनके लिए कनेक्शन से भी अलग व्यवस्था कर रखी है। जिससे विद्युत विभाग को भी लाखों के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

कही भी रोककर भरने लगते है सवारियां

मेरी दुकान मोहम्मदी रोड पर है और मुझे दिन में कई बार काम से राजीव चौक पार कर जाना पड़ता है। नगर में ई- रिक्शा चालकों के लिए कोई नियम नहीं हैं, इनका कोई स्टैंड नहीं है। सड़क पर कहीं भी रोककर सवारियां भरना इनकी आदत है। **रोहित शर्मा**

अधिकतर रिक्शा चालक गांव क्षेत से आते हैं, जिन्हें नियम की जानकारी नहीं है। तमाम नाबालिग और अनट्रेंड चालक हैं, इनके पास लाइसेंस और अनुभव की कमी है। जो कहीं भी रोककर दुर्घटना का कारण बनते हैं। आरटीओ और प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। **करमजीत सिंह**

> समय समय पर अभियान चलाकर चेकिंग व एफआईआर भी कराई जाती है। जल्द ही ई रिक्शा चालकों के कनेक्शन चेककर उन्हें कमर्शियल में बदलने का काम किया जाएगा।
> **जगदीश सिंह**, एसडीओ

> गश्त के दौरान कई बार इन पर कार्रवाई की जाती है साथ ही समझाया भी जाता है। अभियान चलाकर चेकिंग कराई जाएगी। **रविकरन सिंह**, इंस्पेक्टर

डिग्री कॉलेज में चौकीदार से दबंगों ने की मारपीट

संवाददाता, मिर्जापुर

- न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

अमृत विचार: श्री शिवमंगल सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज मिर्जापुर में चौकीदार और उसके पुत्र के साथ दबंगों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पृथ्वी राज (53) ने बताया कि 15 जुलाई की रात लगभग 11:30 बजे उन्होंने और उनके पुत्र अजीत कुमार ने कॉलेज की उत्तरी निर्माणाधीन दीवार के पास सरिया और सीमेंट चोरी करते हुए सूरजपाल सिंह यादव, उनके पुत्र आशीष यादव, पत्नी सुधा देवी और उनकी बेटी को पकड़ लिया।

चोरी रोकने पर आरोपी परिवार ने धमकियां दीं और पीड़ित को जातिसूचक गालियां दी। एक महिला ने शिकायत करने पर झूठे बलात्कार के मुकदमे में फंसा देने की धमकी दी। इसके साथ ही आरोपियों ने पीड़ित और उनके पुत्र पर लात-घूंसों से हमला किया और टार्च छीन ली। शोर मचाने पर झब्बू लाल मौके पर आए और कुछ हद तक पीड़ित को बचाया। पीड़ित ने 17 जुलाई को थाना मिर्जापुर में लिखित शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर को पत्र भेजा, तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंततः पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 22 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने अफीम के साथ पकड़े दो आरोपी

बदायूं, अमृत विचार : दातागंज पुलिस ने 400 ग्राम अफीम के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जेल भेजा गया है। पुलिस रविवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस गंगा एक्सप्रेस वे पुल पर गांव दुधारी वाले कच्चे मार्ग पर पहुंची। यहां दातागंज क्षेत्र के गांव बिहारीपुर छेमराम निवासी रामचरण और राकेश को पकड़ा। उनके पास से अफीम बरामद हुई। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की।

कमेटी अध्यक्ष ने फीता काट शुरू कराया मेला

कादरचौक, अमृत विचार : कस्बे में रामलीला आरंभ हो गई। रामलीला को विधि विधान से पूजन के बाद आरंभ किया। रामलीला मंचन से पूर्व मेला परिसर में मेला कमेटी अध्यक्ष उमेश गुप्ता, दिनेश चंद्र गुप्ता, अश्विनी कुमार गुप्ता, राजेश गुप्ता ने हवन पूजन के साथ रामलीला का आरंभ कराया। इसके बाद शाम को फीता काट कर मेला शुरू कराया। इसमें केपी यादव, सतीश चंद्र गुप्ता, श्याम सुंदर उपाध्याय आदि उपस्थित रहे। मेला में कॉस्मेटिक की दुकानों के साथ ही झूले आदि लगे हुए हैं। जिसका लोग आनंद उठा रहे हैं।

गोली मारने की धमकी पति समेत 4 पर रिपोर्ट

बदायूं, अमृत विचार : थाना वजीरगंज क्षेत्र के कस्बा के वार्ड दो के मोहल्ला गौटिया निवासी विपनेश ने तहरीर देकर बताया कि पति पिंटू, सास सिमरा व जिठानी गंगोत्री घरेलू बातें को लेकर आए दिन उनके साथ मारपीट करती हैं। बीते शनिवार रात लगभग साढ़े 9 बजे ससुरालियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। शोर सुनकर ग्रामीण आए और बीच बचाव कराया। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी। पिंटू का मामा अलापुर थाना क्षेत्र के गांव भसराला निवासी वीरपाल गांव में ही रुके थे। वीरपाल ने 50 हजार रुपये न दिलाने पर विपनेश के भाई गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी। पुलिस ने महिला के पति, सास, जिठानी और वीरपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है।

नलकूप से केवल पर चोरी ने किया हाथ साफ

मुजरिया, अमृत विचार : थाना मुजरिया क्षेत्र के गांव कोल्हाई स्थित निजी नलकूप को चोरों ने निशाना बनाया। नलकूप से स्टार्टर से मोटर तक जाने वाली केबिल काटकर चोरी कर ली। नलकूप के मालिक नेत्रपाल सिंह सैलानी ने ने बताया कि वह जब खेत पर पहुंचे तो चोरी की जानकारी हुई। कहा कि यह चोरी पुरानी रंजिश के चलते जानबूझकर की गई है।

गंगा घाटों पर उमड़ा जनसैलाब लगाई आस्था की डुबकी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- श्रद्धालुओं ने पितरों का तर्पण किया, विधि-विधान से पूजा पाठ कराया

अमृत विचार : अमावस्या पर रविवार को कछला गंगा घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ा। इससे मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस की कोई व्यवस्था न होने के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पितृ अमावस्या के चलते गंगा के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पितरों का तर्पण किया। कछला गंगा घाट पर श्रद्धालुओं के स्नान करने का सिलसिला भोर से शुरू हो गया था। इसके बाद घाट पर हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पितृ अमावस्या पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पिंड दान कर गंगा मैया के जयकारे लगाए और विधि-विधान से पूजा पाठ कराया। भारी मात्रा में कछला गंगा घाट पहुंचे श्रद्धालुओं के चलते बरेली मथुरा हाईवे पर भीषण जाम की स्थिति बन गई। हाईवे पर जाम लगने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हाईवे पर इतना भारी जाम था कि लोगों को पैदल चलने के लिए भी जगह नहीं मिल सकी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस की ओर से कोई इंतजाम नहीं किए गए थे। जब श्रद्धालुओं का सैलाब गंगा पुल पर पहुंचा तो भीषण जाम लग गया। वहां पर मौजूद पुलिस बल के द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुला।

पहले नवरात्र पर मां शैलपुत्री की होगी पूजा-अर्चना, श्रद्धालुओं ने मंदिरों और पंडालों को झालरों से सजाया

शारदीय नवरात्र : आज घर-घर विराजेंगी मां, गूंजेंगे जयकारे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शारदीय नवरात्र का नौ दिवसीय पर्व सोमवार से घटस्थापना के साथ ही शुरू हो जाएगा। माता के भक्त नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना करेंगे। इस दिन लोग माता की चौकी, अखंड ज्योति व देवी प्रतिमा भी स्थापित करते हैं।

वहीं नवरात्र को लेकर शहर भर के मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। कई संगठनों की ओर से जहां धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। वहीं, प्रतिदिन देवी मंदिर में सुबह-शाम पूजा अर्चना के साथ आरती की जाएगी। रविवार को नवरात्रि की पूजन सामग्री के लिए शहर के मुख्य बाजारों से लेकर छोटे बाजारों में रौनक देखने को मिली। श्रद्धालु मां आदिशक्ति की आराधना के लिए मूर्तियों को लेकर घर पहुंचे। शक्ति आराधना का पर्व शारदीय नवरात्रि पर देवी दुर्गा की पूजा और साधना की जाती है। इसके अलावा देवी के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा होती है। हिंदू धर्म में देवी दुर्गा जो माता पार्वती का ही स्वरूप हैं, उन्हें महाशक्ति के रूप में पूजा जाता है। ज्योतिषाचार्य पवन कुमार मिश्रा ने बताया कि नवरात्र में घट स्थापना का विशेष महत्व होता है। इस साल 22 सितंबर को कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त है। वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 22 सितंबर से हो रही है। इसी तिथि से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इस दिन नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना होगी। जिसके दो शुभ 2 मुहूर्त बन रहे हैं।

ठेले से नारियल खरीदती महिलाएं। ● अमृत विचार

- बाजार में पूजन सामग्री की श्रद्धालु कर रहे खरीदारी

घट स्थापना मुहूर्त

सुबह 06 बजकर 09 मिनट से 08 बजकर 06 मिनट तक

घट स्थापना अभिजीत मुहूर्त

सुबह 11 बजकर 49 मिनट से दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक

हाथी पर सवार होकर आ रही मां जगदंबा

हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार मां का आगमन हाथी पर हो रहा है और मुर्गे पर प्रस्थान करेंगी। ज्योतिषाचार्य पवन कुमार मिश्रा ने बताया देवी भागवत के श्लोक शशि सूर्य गजा रुढ़ा के अनुसार माता का आगमन हाथी पर होगा, जो सुखदायक होता है। ऐसे में माता हमें अन्न धन से भरने का आशीर्वाद देती हैं। शारदीय नवरात्रि इस वर्ष पूरे नौ दिनों के होंगे। मां दुर्गा के भक्त इन नौ दिनों में उपवास रखते हुए मां शक्ति की साधना करते हैं। आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक माता की विशेष पूजा करने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है।

शहर में धूमधाम से निकाली शिव बरात पर की पुष्प वर्षा

बिरुआबाड़ी मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा का रामलीला में समापन, सुंदर झांकियों ने सभी का मन मोहा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : श्री रामलीला कमेटी की ओर से रविवार को शहर में शिव बरात हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। बरात में शामिल शिव के बरातियों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मस्ती में नाचते गाते बराती शहर की सड़कों पर निकले। बरातियों का जगह-जगह स्वागत किया गया। साथ ही पुष्प वर्षा की। बारात में शामिल सुंदर झांकियां सभी का मन मोह रहीं थीं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारी संख्या में पुलिस फोर्स बारात के साथ चल रहा था।

शहर के बिरुआवाड़ी मंदिर से शिव बरात का आरंभ हुआ। बारात में शामिल बैंड बाजों ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। सुन्दर झांकियों ने लोगों को आकर्षित किया। शिव बारात में विभिन्न देवी देवताओं की झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। सबसे आगे श्री गणेश की झांकी चल रही थी। इनके पीछे भगवान भोलेनाथ सवार थे। श्री राम, लक्ष्मण और सीता के अलावा हनुमान, माता का अखाड़ा, शिव तांडव आदि के डोले लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। इसके अलावा काली का अखाड़ा लोगों को आकृषित कर रहा था। शिव बरात पर लोगों ने फूलों की वर्षा की। शिव बारात बिरुआवाड़ी मंदिर से शुरू हुई, जो कि काली सड़क, मालवीय बाजार, नेहरु चौक, गोपी चौक व लावेला चौक होते हुए गांधी ग्राउंड में आकर विसर्जित हुई। शिव बरात को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों और घरों की छतों पर जमा रहे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए नगर मजिस्ट्रेट के साथ भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही।

बरात में भगवान शिव और माता पावर्ती की झांकी। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में कला का प्रदर्शन करते कलाकार। ● अमृत विचार

- शिव बरात देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों और घरों की छतों पर जमे रहे
- सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स को किया तैनात

शोभायात्रा में शामिल भगवान शिव की प्रमुख झांकी। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में शामिल काली का अखाड़ा। ● अमृत विचार

आज से शुरू हो जाएगा रामलीला का मंचन

सोमवार से राम जन्म के साथ ही रामलीला का मंचन शुरू हो जाएगा। इसका समापन पांच अक्टूबर को भगवान राम के राजतिलक के बाद होगा। शोभायात्रा में मेला कमेटी अध्यक्ष अरविंद कांत, रवि कुमार, रविनन्दन गुप्ता, अमर वैश्य, राजी वैश्य, मुनीष अग्रवाल, पंकज वैश्य, अनिल कुमार का सहयोग रहा। शोभायात्रा के बाद रामलीला मंच पर नारद मोह लीला का मंचन हुआ।

सनातन संस्कृति में बहुत ऊंचा है माता पिता का स्थान

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव गुधनी में स्थित प्रज्ञा यज्ञ मंदिर में आर्य समाज का साप्ताहिक सत्संग रविवार को हुआ। वैदिक विद्वान आचार्य संजीव रूप ने यज्ञ कराया। अथर्ववेद के मंत्रों से यज्ञ कराते हुए उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में माता पिता, बुजुर्गों, गुरुओं का बहुत ऊंचा स्थान है। जीवित माता और बुजुर्गो के प्रति आदर व उनकी प्रसन्नता ही सच्चा श्राद्ध व तर्पण है।

मृत्यु के बाद जीवात्मा अपने कर्मों के अनुसार जन्म ले लेती है। उसका नियामक परमेश्वर है। इसलिए मृतक हुए व्यक्ति की कोई जरूरत हम पूरी नहीं कर सकते। जहां जीव जन्म लेता वहीं उसके माता पिता उसकी जरूरतें पूर्ण करते हैं। हमें अपने जीवित माता पिता, बुजुर्गो, गुरुओं अतिथियों का सम्मान करना चाहिए। मृत्यु के पश्चात किये जाने वाला श्राद्ध व तर्पण झूठा है व्यर्थ है। आज वृद्धाश्रम बनते जा रहे हैं। बुजुर्ग एकाकी जीवन जीने को मजबूर हैं। ये पाप है और गलत है। डॉ सत्यम आर्य ने सुन्दर भजन सुनाते हुए कहा कि जीवन नदी की तरह होना चाहिए। गतिशील शीतल विनम्र उदार परोपकारी। इस मौके पर बद्री प्रसाद आर्य, राकेश आर्य, कमलेश रानी, गुड्डो देवी, सोनवती, कौशकी रानी, उर्वशी आदि मौजूद रहे।

भक्तों ने निकाली मां दुर्गा की शोभायात्रा

बिल्सी, अमृत विचार: सिद्धपीठ श्री बालाजी धाम की ओर से रविवार को नवरात्र से पूर्व कस्बे में मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ शोभायात्रा निकाली। नगर के व्यापारियों ने जगह-जगह स्वागत किया।

बालाजी धाम पर सबसे पहले विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराए गए। इसके बाद नगर के थाना मोड़ से माता रानी की शोभायात्रा को शुरू किया गया। शोभायात्रा जैन मार्केट, पालिका बाजार, कटरा बाजार, अटल चौक, सर्राफा बाजार, बाजाजी चौक होते हुए बालाजी धाम पर पंहुची। इसके बाद मां दुर्गा की प्रतिमा को धूमधाम से स्थापित किया। नवरात्र के दौरान दरबार में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराए जाएंगे। नवरात्र के समापन के बाद प्रतिमा का कछला घाट पर जाकर विसर्जन किया जाएगा। इस मौके पर महंत मटरू मल शर्मा महाराज, मुकेश गुप्ता, दीपक माहेश्वरी, राहुल कुमार, संदीप माहेश्वरी, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

शोभायात्रा में शामिल लोग।

मंदिरों के आसपास मीट की दुकानें नहीं खुलने की मांग

- विहिप और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

उझानी, अमृत विचार : आज से नवरात्रि शुरू हो रहे हैं। देवी मंदिरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए पहुंचेंगे। मंदिर के आस पास खुली मीट की दुकानों की वजह से उन्हें असुविधा होती है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने धार्मिक स्थलों के आस पास मीट की दुकानों और अंडे के ठेले न लगाने की मांग करते हुए कोतवाली पुलिस को ज्ञापन सौंपा।

विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों का कहना है कि नवरात्रि में हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं, लेकिन मंदिरों के आस पा शराब, मीट की दुकानें खुली रहती हैं। साथ ही उनके आस पास अंडे के ठेले लगते हैं।

इसके कारण यहां आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा होती है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि नवरात्रि के दौरान मंदिरों के आस शराब और मीट की दुकानें न खुले। इस मौके पर अंकित राणा, शिवम शर्मा, राहुल, गगनदीप, नमन सैनी, गोविंद शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विधायक खेल स्पर्धा में पहले दिन खेला फुटबॉल

संवाददाता, दातागंज

अमृत विचार : जिले में सांसद और विधायक खेल स्पर्धाएं होगी। इसकी शुरुआत दातागंज में विधायक खेल स्पर्धा संतोष कुमारी मेमोरियल इंटर कॉलेज गनगोला में प्रारंभ हुई। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद मिथलेश कठेरिया, दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह व ब्लॉक प्रमुख कुंवर अतेंद्र विक्रम सिंह ने हरी झंडी दिखाकर खेल स्पर्धाओं को शुरू कराया।

पहले दिन फुटबॉल मैच खेला गया। इस दौरान राज्यसभा सांसद ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य का मूल आधार है। सांसद विधायक खेल स्पर्धा युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी। क्षेत्रीय विधायक ने बताया कि खेल स्पर्धा में एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट सहित पारंपरिक व मोहल्ला खेल जैसे खो-खो, नींबू दौड़, बोरी दौड़ और रस्साकशी को भी शामिल किया गया है। चार वर्गों में प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और स्कूली बच्चों को भी प्रतिभाग का अवसर मिलेगा। योग को भी प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। उपजिलाधिकारी दातागंज धर्मेंद्र कुमार सिंह, सीओ केके तिवारी, प्रभारी निरीक्षक गौरव बिश्नोई, हेमचंद गौतम, विजय कुमार सिंह, चेयरमैन पति अनूप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हरी झंडी दिखाकर खेल स्पर्धा शुरू कराते दातागंज विधायक और राज्यसभा सांसद।

- राज्यसभा सांसद मिथलेश कठेरिया और विधायक राजीव कुमार सिंह ने शुरू कराई स्पर्धाएं

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल

एन.एच. 30, बंथरा शाहजहांपुर 7521001988, 7521001989

SWASTH NARI SASHAKT PARIVAR ABHIYAAN

17th September to 2nd October 2025

Prime Minister Narendra Modi

निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर

बाह्य रोगी विभाग

प्रधानमंत्री द्वारा आरंभित ''स्वस्थ्य नारी-सशक्त परिवार अभियान'' जिसका उद्घाटन 17 सितम्बर को वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा शाहजहांपुर में किया गया। यह अभियान 17 सितम्बर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित जाँचे महिलाओं के लिए निःशुल्क की जायेंगी...

- CBC (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- Blood Sugar (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- Urine (Albumin, Sugar, Microscopy) (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- डिजिटल एक्स-रे रूपये 100/- मात्र

विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार किया जायेगा।

समस्या

मंदिर जाने वाली सड़क किनारे फैली गंदगी, नगर पालिका के खिलाफ लोगों में रोष

नवरात्र पर भी नहीं कराई शहर की सफाई, लोग परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शारदीय नवरात्र का सोमवार को पहला उपवास है, लेकिन शहर में इस पावन दिवस पर कहीं भी सफाई नहीं है। जगह-जगह सड़कों पर कूड़े के ढेर लगे हैं। हर जगह गंदगी दिखाई दे रही है। इसी मार्ग से महिलाएं मंदिरों में पूजा अर्चना करने को जाएंगी। नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता पर लोगों में रोष है। नौ दिन तक रहने वाले नवरात्र पर्व पर विशेष सफाई व्यवस्था कराई जाती है, लेकिन यहां पर नवरात्र के पहले दिन ही गंदगी देखने को मिलेगी।

जिन इलाकों में मंदिर हैं वहां पर कहीं भी सड़कों पर सफाई नहीं कराई गई है। नगर पालिका प्रशासन रूटीन की सफाई करा रही है। इससे रविवार को पूरे शहर में गंदगी के ढेर लगे रहे। रविवार दोपहर को शहर के बीच बदायूं क्लब के निकट कूड़ा सड़क किनारे फैला रहा। कूड़े के चलते राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस रोड से सुबह से शाम तक रात तक लाखों लोग आते जाते हैं फिर भी सफाई नहीं की जाती है। प्राइवेट बस स्टेंड पर कूड़ा कचरा फैला मिला। यहां से जिले भर को बसें जाती हैं। दूर दराज के यात्री बसों से आते जाते हैं, लेकिन गंदगी के चलते लोगों को इधर आने में दिक्कत होती है। उधर, इंदिरा चौक से रेलवे स्टेशन को जाने वाली सड़क पर कूड़े के जगह जगह ढेर लगे रहते हैं। रविवार को भी कूड़ा नहीं उठाया गया, जबकि इस क्षेत्र में मंदिरों की संख्या अधिक है। हजारों लोग सड़क से गुजरते हैं जिन्हे गंदगी का सामना करना पड़ता है। मोहल्ला जवाहरपुरी में गंदगी का साम्राज्य है। जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं, लेकिन सफाई नहीं की जाती है। नौ दिनों तक चलने वाले विशेष पर्व के मद्दे नजर हर जगह सफाई होनी चाहिए नगर पालिका प्रशासन ने नवरात्रि पर्व पर कहीं सफाई नहीं कराई है। शहर के मोहल्ला शहवाजपुर, से गुजरने वाले लोगों को गंदगी से आना जाना पड़ता है। नई सराय नई बस्ती में गंदगी की स्थिति यह है कि दूसरे मोहल्ले के लोग इधर से गुजरते भी नहीं है। हालांकि यह पूरा मोहल्ला अल्पसंख्यक समुदाय का है फिर भी नाली नालों की गंदगी सड़कों पर बहती है।

इंदिरा चौक से रेलवे स्टेशन रोड पर पड़ा कूड़ा। ● अमृत विचार

जवाहरपुरी स्थित रोजा पास फैला कूड़ा।

- बदायूं क्लब के पास, प्राइवेट बस स्टेंड और इंदिरा चौक से पास नहीं हुई सफाई

पुजारी बोले- नवरात्र पर मंदिरों के निकट होनी चाहिए सफाई

चौरासी घंटा वाले मंदिर के पुजारी सुधीर मिश्रा ने कहा कि शारदीय नवरात्रि के समय मंदिरों के आस पास विशेष सफाई होनी चाहिए। दिन में दोनों समय सफाई की जाए। इससे मंदिरों में आने वाली महिला श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। बिरुआबाड़ी मंदिर के निकट मंदिर की प्रबंध कमेटी स्वयं सफाई कराती है।

ब्रीफ न्यूज

विहिप के अभ्यास वर्ग का हुआ समापन

संवाददाता, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग का प्रांतीय अभ्यास वर्ग शहर स्थित राजमहल गार्डन में चल रहा था। इसका समापन रविवार को हो गया। समापन कार्यक्रम में कोलकाता के पश्चिम बंगाल से आए विहिप के केंद्रीय अधिकारी सपन दा मुखर्जी ने मार्गदर्शित किया। प्रांतीय सेवा पालक राकेश त्यागी ने विश्व हिंदू परिषद के पूरे राष्ट्र में संगठन के द्वारा चल रहे सेवा कार्यों को विस्तार से बताया कि किस तरह से संगठन समाज में सेवा के कार्यों को कर सकते हैं। कार्यक्रम में रवि, विकास सोमवंशी, नीरज रस्तोगी, उज्जवल गुप्ता ने भी अपने विचार प्रकट किए। इस मौके पर नीरज कोचर, देवकीनंदन शर्मा, ऋषि वर्मा, शुभम रस्तोगी, हरिओम पाठक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

उसावां- उसहैत पुलिस ने की पेट्रोलिंग

उसहैत, अमृत विचार : नवरात्र की पूर्व संध्या पर उसावा, उसहैत कादरचौक पुलिस ने अपने अपने क्षेत्र मे पेट्रोलिंग कर कानून व्यवस्था को दुरूस्त किया। लोगों से आवाहन किया कि शांति सद्भाव के साथ त्योहार मनाएं। रविवार को थाना उसावा इंचार्ज वीरपाल सिंह तोमर ने पुलिसकर्मियों के साथ अपने नगर क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया। थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने श्री कालसेन बाबा मंदिर अस्तल मंदिर, पक्का पुल हनुमान मंदिर होते हुए मुराबान जाटवान चौराहे तक पेट्रोलिंग की। अपराधियों पर लगाम लगाने को कड़ा संदेश दिया। कादर चौक क्राइम इंस्पेक्टर ओरेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ पेट्रोलिंग की गई। उन्होंने मंदिरों की साफ सफाई व्यवस्था को देखा, पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों की चेकिंग की। उन्हें हेलमेट लगाने को कहा। लोगों से कहा कि प्रेम के साथ नवरात्रि के दिनों मे माँ के विभिन्न रूपों की पूजा करें।

दहेज प्रताड़ना में जेल में बंद आरोपी की मौत

बदायूं, अमृत विचार : दहेज प्रताड़ना के मामले में जेल में बंद जिला गाजियाबाद निवासी आरोपी की मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया। गाजियाबाद निवासी नदीम की शादी 14 मार्च 2021 को सहसवान निवासी सिम्मो के साथ हुई थी। उनके परिवार में विवाद होने की वजह से सिम्मो अपने मायके जाकर रहने लगी थीं। ससुरालीजनों से दहेज वापस करने की मांग की। लेकिन ससुरालीजन उन्हें वापस आने की बात कहते रहे। जिसके बाद सिम्मो ने नदीम, ससुर व सास पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। नदीम के परिजनों के अनुसार तबीयत खराब होने की वजह से नदीम कई तारीखों तक कोर्ट नहीं पहुंचे। तो कोर्ट से वारंट जारी हुआ। 20 अगस्त को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा था। शनिवार को जेल में नदीम की तबीयत खराब हो गई। जेल प्रशासन उन्हें जिला अस्पताल ले गया। यहां से राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हालत में सुधार होने पर वापस जेल भेजा गया, रात में नदीम ने दम तोड़ दिया।

बाइक रैली निकालकर महिला पुलिसकर्मियों ने किया जागरूक

मिशन शक्ति 5.0 : पुलिस चलाएगी 21 अक्टूबर तक विशेष अभियान, करेगी जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शहर में निकली बाइक रैली में शामिल महिला पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

रैली को हरी झंडी दिखाते एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।

अमृत विचार : महिला सशक्तिकरण के संबंध में लखनऊ के लोक भवन सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वाबलंबन को लेकर मिशन शक्ति 5.0 शुरू किया। कार्यक्रम रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में दिखाया गया। जागरुकता के लिए पुलिस विभाग की ओर से महिला पुलिसकर्मियों की बाइक रैली निकाली गई। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह और एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी ने हरी झंडी दिखाकर रैली रवाना की।

बाइक रैली पुलिस परेड ग्राउंड से शुरू हुई और शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। महिला सुरक्षा व जागरुकता का संदेश दिया। सरकारी योजनाओं और नीतियों के बारे में बताया गया। रैली के दौरान टोल फ्री नंबर वूमेन पॉवर लाइन के 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस सहायता नंबर 112 और चाइल्डलाइन के नंबर 1098 के बारे में अवगत कराया। कहा कि यह नंबर संकट में फंसी महिलाओं और बच्चों को तुरंत सहायता देगी। इसके अलावा वर्तमान में चल रहे साइबर अपराधों से बचाव और सावधानी से अवगत कराया। यह प्रयास महिलाओं को डिजिटल दुनिया में सुरक्षा रहने के लिए सशक्त बनाने के लिया किया गया है। मिशन शक्ति का यह चरण पुलिस की महिला सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है। जिसका लक्ष्य महिलाओं को सुरक्षित और सशक्त वातावरण देना है।

कहा कि एसएसपी के निर्देश पर विशेष महिला सुरक्षा दल का गठन किया गया है। जो महिला सुरक्षा व त्वरित सहायता के लिए है। यह दल बाजारों, विद्यालयों, कॉलेज और भीड़भाड़ वाले इलाके और त्यौहार के अवसर पर सक्रिय रहेगा। कार्यक्रम के दौरान सीओ सिटी रजनीश कुमार

जागरुकता रैली के बाद प्रमाण पत्रों के साथ मौजूद महिला पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

उपाध्याय, सीओ उझानी व लाइन डॉ. देवेंद्र कुमार, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह, महिला थाने के प्रभारी निरीक्षक आदि का योगदान रहा। महिला पुलिसकर्मियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। एसएसपी ने कहा कि मिशन शक्ति के 5.0 चरण में टीम अपने-अपने क्षेत्र के पंचायत घरों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबर और सरकार की योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक करेंगी।

कहासुनी के बाद परिवार के लोगों में मारपीट, छह घायल

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव सिरतोल में कहासुनी के बाद परिवार के सदस्यों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट में छह लोग घायल हो गए। इस दौरान चीख पुकार मच गई। लोगों की भीड़ जमा हो गई। आनन फानन में उन्हें पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के लिए बिल्सी सरकारी अस्पताल भेजा है। यहां घायलों का उपचार किया जा रहा है। साथ ही पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

गांव सिरतोल निवासी ओमप्रकाश पुत्र कृष्णपाल ने बताया कि उन्होंने ट्यूबवैल का पानी अपने परिवार के ही लोगों से ले लिया। इस बात पर ताऊ नाराज हो गए। इसके बाद ताऊ के परिजनों ने शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे कहासुनी के बाद मारपीट करना शुरू कर दी। मारपीट में लाल सिंह, गंगा सिंह, अनीता व अन्य दो लोग घायल हो गए। दूसरे पक्ष से नीतू और एक अन्य व्यक्ति के चोट लगी है। दोनों पक्षों ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। एसआई राममेहर सिंह ने बताया उक्त मामले में दोनों पक्षों की ओर से शिकायती पत्र प्राप्त हुए है। जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। साथ ही घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

शिक्षकों के अभाव में कैसे निखरें खेल प्रतिभाएं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 41 स्कूलों के सापेक्ष केवल माध्यमिक स्कूलों में तीन ही खेल शिक्षक
- जिले में संचालित राजकीय इंटर कॉलेजों में खेल शिक्षकों का है टोटा

अमृत विचार : जिले में संचालित राजकीय इंटर कॉलेजों में शिक्षकों का अभाव है। इस कारण विद्यार्थियों को अपने अंदर की खेल प्रतिभा को निखारने का मौका नहीं मिल रहा है। इन स्कूलों में खेल शिक्षकों के पद तो हैं, लेकिन लंबे समय भर्ती न होने के कारण पद रिक्त पड़े हैं। जिले के 41 राजकीय इंटर कॉलेजों में महज तीन शिक्षक ही कार्यरत हैं। अन्य खाली पड़े हैं।

जिले में 308 माध्यमिक के स्कूल संचालित हैं। इनमें 41 राजकीय, 41 सहायता प्राप्त और 226 वित्त विहीन स्कूल संचालित हैं। हर साल माध्यमिक विद्यालयों की वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन गिने चुने स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों के विद्यार्थी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा को दिखाने से वंचित रह जाते हैं। इस कारण खेल शिक्षकों का अभाव है। जिले में संचालित 82 राजकीय और सहायता प्राप्त प्राप्त स्कूलों को मिलाकर कुल छह खेल शिक्षक ही कार्यरत हैं। इनमें तीन राजकीय शामिल हैं। खेल शिक्षक राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, नसीरपुर टप्पा हाईस्कूल और सैदपुर इंटर कॉलेज में खेल शिक्षक हैं। वहीं सहायता प्राप्त की बात करें तो श्री कृष्णा इंटर कॉलेज, केदारनाथ महिला इंटर कॉलेज और मदन लाल इंटर कॉलेज में खेल शिक्षक तैनात हैं। जिले में संचालित राजकीय और सहायता प्राप्त स्कूलों के पास खेल की ग्रांट के अलावा खेल मैदान में भी हैं, लेकिन शिक्षक न होने की वजह से छात्र-छात्राओं के भीतर खेल की प्रतिभा में निखार नहीं आ पा रहा है। खिलाड़ियों में भी उत्साह की कमी होती जा रही है। यही कारण है कि हर साल होने वाले वार्षिक खेल उत्सव में गिने चुने स्कूलों के विद्यार्थी ही बाजी मारते हैं।

> राजकीय स्कूलों में खेल शिक्षकों की कमी है। खेल शिक्षकों की नियुक्ति शासन स्तर से होनी है। खेल शिक्षकों की नियुक्त को पत्राचार किया जाएगा।
> – **लालजी यादव,** डीआईओएस

वित्त विहीन स्कूलों में भी खेल शिक्षकों का टोटा

जिले में 226 वित्त विहीन माध्यमिक स्कूल संचालित हैं। गिने चुने स्कूलों को छोड़ दिया जाए तो किसी भी स्कूल में खेल शिक्षक कार्यरत नहीं है। यहां तक कई स्कूल तो ऐसे हैं उनके पास खेल का पर्याप्त मैदान तक नहीं है, जबकि मान्यता की शर्त में करीब दो बीघा का मैदान होना अनिवार्य है, लेकिन स्कूल संचालक इस शर्त को कागजों तक पूरा करते हुए दिखते हैं। धरातल पर स्थिति शून्य है।

अखिलेश का सीएम का सपना नहीं होगा पूरा

संवाददाता, दातागंज

रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते विधायक राजीव कुमार।

- भाजपा के रक्तदान शिविर में बोले राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार कठेरिया

अमृत विचार : प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के उपलक्ष में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया। रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

रक्तदान शिविर का आरंभ राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार कठेरिया और विधायक राजीव कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। सांसद ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में देश व प्रदेश का चौतरफा विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री 2047 तक प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने प्रदेश को बीमारू राज्य से निकाल कर विकास की ओर अग्रसर किया है। प्रदेश में सेवा सुशासन एवं कानून का राज है। उन्होंने कहा कि विपक्ष भाजपा के बढ़ते प्रभाव से बौखला गया है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर वोट चोरी का आरोप लगा रहा है। चुनाव आयोग ने डबल मतदाताओं को चिन्हित कर वोट काटे हैं। अतिक्रमण हटाने से जनता खुशहाल जीवन जी रही है। अखिलेश यादव का मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा नहीं होगा।

विधायक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश के विकास में मोदी एवं योगी का योगदान है। प्रदेश विकसित राज्य के रूप में उभर रहा है। जल्द ही खेलकूद के लिए स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति दिलाई जाएगी। रक्तदान शिविर में 9 लोगों का रजिस्ट्रेशन कराया गया। इसमें सात कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। विपिन कुमार गुप्ता, अजय शाक्य, धर्मवीर, फिरदोश, सुरेन्द्र सिंह, राजेश पाल, काली चरण आदि ने रक्तदान किया। सांसद एवं विधायक ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। ब्लाक प्रमुख अतेंद्र विक्रम सिंह, नगर पालिका परिषद चेयरमैन नैना गुप्ता के पति अनूप गुप्ता, विजय कुमार सिंह, अंशुलसागर, हेमचंद्र गौतम, नोडल अधिकारी डॉ. विनेश कुमार, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रिदेश भसीन, तरुण चौहान, राहुल शर्मा, श्रीपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

तमंचा तानकर रुपये लूटने का आरोप

बदायूं, अमृत विचार : गंगागढ़ निवासी दिव्यांग रामप्रकाश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शनिवार रात लगभग डेढ़ बजे कुछ बदमाश उनके घर में घुस आए। उनके चेहरे पर कपड़ा बंधा था और हाथों में तमंचे थे। आरोप लाया कि बदमाशों ने उनके सीने पर तमंचा सटा दिया। वह डर गए और चुप रहे। बदमाश उनके घर में सामान तलाशने लगी। बदमाशों ने उनके घर पर रखे 70 हजार रुपये लूट लिए। पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है।

पत्नी से कहासुनी के बाद युवक ने दी जान

बिल्सी, अमृत विचार : गांव उलैया निवासी रविंद्र (26) पुत्र रामपाल सिंह शनिवार की सुबह अपनी पत्नी प्रीति को बुलाने के लिए उझानी थाना क्षेत्र के गांव मानकपुर को गए थे। यहां किसी बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई थी। रविंद्र नाराज होकर वहां से निकल आए और रास्ते में विषाख्त पदार्थ खा लिया। जब वह घर पहुंचे तो हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिवार के लोगों उन्हें इलाज के लिए राजकीय मेडीकल कॉलेज के लिए ले गए। जहां हालत में कुछ सुधार होने के बाद परिजन घर ले गए। रविवार की सुबह रविंद्र ने फिर से कुछ विषाख्त पदार्थ खा लिया। जिसके बाद उनकी मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर उपनिरीक्षक सोमवीर सिंह गांव पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

सांप ने डसा, झाड़फूंक के चक्कर में मौत

संवाददाता, ओरछी

मृतक सतीश।

युवक की मौत पर गमगीन खड़े परिजन। ● अमृत विचार

- घर पर सोने के लिए नहीं थी चारपाई, जमीन पर परिवार के साथ सो रहा था युवक

अमृत विचार : घर में जमीन पर सोते समय एक युवक को सांप ने डस लिया। परिजन युवक को बैगी के पास झाड़फूंक के लिए ले गए। इस चक्कर में युवक ने दम तोड़ दिया। यह देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव ओरछी निवासी सतीश पुत्र किशन लाल मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते थे। उनके पास सोने के लिए चारपाई तक नहीं थी। वह परिवार के साथ जमीन पर ही सोते थे। शनिवार रात अपनी पत्नी व बच्चों के साथ खाना खाया था। इसके बाद वह परिवार के साथ कच्ची झोपड़ी में दरी बिछाकर जमीन पर सो गए। रात में किसी समय सांप ने सतीश को डस लिया। सतीश को बेचैनी होने लगी। वह उठे और परिजनों को बताया। रविवार सुबह परिजन उनके देशी उपचार और झाड़फूंक कराने में लग गए। वह जगह-जगह घूमते रहे। इसी बीच सतीश ने दम तोड़ दिया। परिजनों में चीत्कार मच गया। मौत के बाद उनकी पत्नी व बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि सतीश के पास बिल्कुल जमीन नहीं थी। उनके घर के पास तालाब है। वहीं से सांप आया होगा। कहा कि परिजन झाड़फूंक की बजाय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाते तो हो सकता है कि सतीश की जान नहीं जाती।

मोहम्मदपुर बिहार में लिंक रोड का निर्माण शुरू

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

लिंक रोड निर्माण कार्य का फीता काटकर शुभारंभ करते राजेश कुमार सक्सेना।

अमृत विचार : बिनावर क्षेत्र में मोहम्मदपुर बिहार पर लोक निर्माण विभाग ने लिंक रोड बनाया है। इसका आरंभ भाकियू टिकैत के मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना ने फीता काटकर किया।

भाकियू टिकैत ने बताया कि यह लिंक रोड बनवाने के लिए मई में कलेक्ट्रेट और अपने क्षेत्र में आंदोलन किया था। इसके बाद लोक निर्माण ने यह लिंक रोड स्वीकृत कर दिया। कहा कि लिंक रोड बन जाने से इस क्षेत्र के दर्जन भर गांवों को लाभ होगा। भाकियू टिकैत के मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष ठाकुर अजय पाल सिंह, सदर तहसील अध्यक्ष अर्जुन सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष सलारपुर पप्पू सैफी, आरिफ गाजी, बृजपाल प्रजापति समेत दर्जनों कार्यकर्ता गांव पहुंचे। राजेश कुमार सक्सेना ने बताया कि 23 सितंबर को बरेली में होने वाली महापंचायत में शामिल होने महापंचायत के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ. राकेश टिकैत आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान की समस्या आंदोलन से ही हल होगी। किसानों को अपने हक और अधिकार के लिए आंदोलन करना होगा। सहकारी समितियों पर खाद नहीं है। किसान परेशान है। सोमवार को जिला कृषि अधिकारी से बात की जाएगी।

समस्या | पार्क में बैठने वाले मरीजों, तीमारदारों व अन्य लोगों को हो रही परेशानी

मुख्य गेट पर मिट्टी डालकर भूला अस्पताल प्रशासन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जिला अस्पताल में मुख्य गेट पर पड़ी मिट्टी। ● अमृत विचार

- सफाई कर्मचारियों ने नहीं माना जिला अस्पताल प्रशासन का निर्देश

अमृत विचार : जिला अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के चलते मरीजों व आम लोगों को मिट्टी से होकर गुजरना पड़ रहा है। 17 सितंबर को प्रदर्शनी लगाने के लिए मिट्टी डाली गई थी। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद भी मिट्टी नहीं हटाई गई है जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल के पार्क में प्रदर्शनी लगाने के लिए मुख्य गेट पर जिला अस्पताल प्रशासन ने मिट्टी डाल कर भव्य गेट बनाया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी मिट्टी नहीं हटाई गई। मुख्य गेट पर पड़ी मिट्टी अब लोगों को परेशानी का कारण बनती जा रही है। जिला अस्पताल आने वाले मरीजों व अन्य लोगों को मिट्टी से होकर गुजरना पड़ता है जिससे मिट्टी उड़ती है और कपड़े खराब होते हैं। पार्क के अंदर बैठने वाले लोगों को मिट्टी से आना जाना पड़ता है। मिट्टी पड़ी होने से वाहनों के निकलने से मिट्टी उड़ती है जिससे यहां पर बैठने वाले मरीजों तीमारदारों व अन्य लोगों को परेशानी होती है।

जिला अस्पताल प्रशासन की ओर से बताया गया कि मिट्टी हटाने को सफाई कर्मचारियों से कहा गया है। जल्द ही मिट्टी को हटा दिया जाएगा। मिट्टी के कारण पार्किंग के लोगों को भी परेशानी हो रही है। उधर, राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल को जाने वाले मरीजों और अस्पताल के स्टाफ को भी इसी मिट्टी से होकर गुजरना पड़ता है। होम्योपैथिक अस्पताल को जाने वाले कर्मचारियों को मिट्टी से बुजरना पड़ रहा है।

अस्पताल परिसर में फैली गंदगी

जिला अस्पताल परिसर में कई जगह पर कूड़ा पड़ा रहता है जिससे मरीजों को परेशानी होती है। मेडिकल वार्ड के निकट पानी का ओवरहेड टैंक है इसके पास बड़ी बड़ी घास और कूड़ा करकट जमा है। इधर से मेडिकल वार्ड के मरीज और तीमारदार आते जाते हैं लेकिन गंदगी के चलते रात को लोग इधर आने से डरते हैं।

होम्योपैथिक डाक्टर प्रमोद व्यास ने कहा कि जिला अस्पताल के सीएमएस को जल्द से जल्द मिट्टी हटवानी चाहिए।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

Indian's Academy
Nigohi Shahjahanpur
REQUIRED
Female Teachers
NC to VIII
Fluent in English
Conveyance Available
Salary 6000 to 10000
Interview School Working days
send your resume
9628425505

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 22 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

वापस नहीं किया ट्रैक्टर तीन पर रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव बुधवाई निवासी शिव कुमार ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि गांव पड़ौआ निवासी इंद्रेश, गांव चिकन नगरिया निवासी प्रदीप, मंडी समिति के पास रहने वाले कमल ने उनसे कहा कि नया ट्रैक्टर 30 हजार रुपये प्रति महीना पर हाईवे पर मिट्टी डालने के लिए लगाया जाएगा। उनकी बातों में आकर शिव कुमार ने एजेंसी पर एक लाख रुपये नगद देकर नया ट्रैक्टर खरीद लिया और उनकी तीनों के कहे अनुसार काम पर लगा दिया। एक महीना बीतने के बाद उन लोगों ने रुपये नहीं दिए और टालमटोल करते रहे। बाद में कहा कि उन्होंने ट्रैक्टर कटवा दिया है। अबर ट्रैक्टर नहीं मिलेगा। उन्हें झूठे मामले में फंसाकर जेल भिजवा देंगे। एसएसपी के निर्देश पर सिविल लाइन पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सीओ व प्रभारी निरीक्षक को किया सम्मानित

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में वाहन चोरी और गोकशी के मामले सामने आए थे। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। पुलिस ने गोकशों और वाहनों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। जिसके चलते नगर के संभ्रांत लोगों ने सीओ सहसवान कर्मवीर सिंह और प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र बहादुर सिंह को पटका पहनाकर सम्मानित किया। अबडर शर्मा, आदर्श सक्सेना, गौतम असावा, राहुल वर्मा, प्रपंच जौहरी, अतुल क्षत्रिय, पुत्तन आजाद, सचिन शर्मा, दीपक माहेश्वरी मौजूद रहे।

पकौड़ी विक्रेता की हत्या में तीन आरोपी गिरफ्तार

संभल,अमृत विचार : थाना असमोली क्षेत्र के गांव गुनसानी निवासी मोनू श्रीवास्तव के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सीओ कुलदीप सिंह ने बताया कि मोनू गांव में पकौड़ी का ठेला लगाता था। आरोपी शोभित की कुछ दिन पहले मोनू से कहासुनी हो गई थी। इसी रंजिश में शोभित ने अपने साथियों अर्पित व बॉबी को मोनू के गले में पड़ी चेन का लालच देकर हत्या की योजना बनाई। 15 सितंबर की रात अर्पित ने फोन कर मोनू को बुलाया। इसके बाद तीनों ने गांव खाबरी भोला जाने वाले रास्ते पर मोनू की हत्या कर बंद पड़े ईंट-भट्टे की चिमनी में शव डाल दिया। पहले दिन ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। फरार तीसरे आरोपी को भी पकड़ लिया गया है।

30 माह बाद भी नहीं बन सकी पानी की टंकी

ब्लॉक जगत के झंडपुर गांव में पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण, घटते जलस्तर से पैदा हो रही समस्या

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जल जीवन मिशन के तहत गांव-गांव जल पहुंचाने के संकल्प को जल निगम ही ठेंगा दिखा रहा है। एक गांव में 30 महीने से निर्माण कार्य चल रहा है फिर भी अभी तक काम पूरा नहीं हो सका है। ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल का संकट बढ़ता जा रहा है। हैंडपंप और सबमर्सिबल काम नहीं कर रहे हैं। लगातार घटते जलस्तर के चलते पानी की समस्या पैदा हो गई है। जल निगम की लापरवाही से ग्रामीणों में भारी रोष है।

ब्लॉक जगत की ग्राम पंचायत सूरजपुर झंडपुर में जल जीवन मिशन के तहत 2023 अप्रैल में गांव की सड़कों खोद कर पाइप लाइन डाली गई थी। करीब दो महीने तक झंडपुर में पाइप लाइन डालने का काम चला था। इसके बाद कार्य बंद कर दिया गया। जल निगम के ठेकेदार ने अपना सारा सामान समेट लिया। गांवों की सड़कों की मरम्मत भी नहीं कराई गई। ग्रामीणों ने खुद ही सड़कों को ठीक किया। इसके बाद एक साल तक काम बंद रहा। 2024 जनवरी में ग्राम समाज की जमीन को चिन्हित कर बाउंड्री वाल तैयार करा दी गई। इसके अंदर ओवरहेड टैंक बनना था, लेकिन बाउंड्रीवाल बनाने के बाद काम रोक दिया गया। जल निगम के अधिकारियों ने कुछ माह बाद फिर काम शुरू करा दिया। पिछले आठ माह से ओवरहेड टैंक बनाया जा रहा है। अभी तक ओवरहेड टैंक का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। आरोप है कि जल निगम के ठेकेदार की लापरवाही के चलते काम पूरा नहीं हो रहा है। धीमी गति से हो रहे निर्माण कार्य से गांव के लोगों को भी दिक्कत हो रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार के कर्मचारी कार्य नहीं करते हैं। दो तीन मजदूर लगा दिए है, जो कछुआ गति से काम कर रहे हैं। जल निगम ने टयूवबैल का बोरिंग करने के बाद पानी की सप्लाई शुरू कर पाइप लाइन चेक की। दो दिन तक पाइप लाइन चेक की गई जिसमें कुछ स्थानों पर पाइप लीकेज मिली। इसको भी 10 दिन तक काम करने के बाद ठीक किया गया। अब पाइप लाइन ठीक है मगर पानी की सप्लाई नहीं की जा रही है। करीब 1500 मीटर की दूरी पर दूसरा गांव है वहां तक पाइप लाइन डाली गई है। इसी ओवरहेड टैंक से वहां तक पानी की सप्लाई दी जाएगी। गांव सूरजपुर के ग्रामीणों ने बताया कि 30 महीने से पानी की टंकी बनाई जा रही है, लेकिन अभी तक पानी देखने को नहीं मिला है। अब गांव के हैंडपंप से पानी नहीं मिल रहा है। जलस्तर नीचे उतरने से पानी नहीं मिल रहा है। ग्रामीण जल निगम के पानी के इंतजार में बैठे हैं।

दोनों गांवों में लगे हैं एक हजार से अधिक सबमर्सिबल

ग्राम झंडपुर और सूरजपुर दोनों गांव की आबादी करीब 1800 है। इन गांवों में 22 इंडिया मार्का हैंडपंप हैं, जबकि 11 हैंडपंप निजी हैं जो ग्रामीणों के घरों में लगे हैं। इसके अलावा दोनो गांवों में एक हजार से अधिक घरों में सबमर्सिबल लगे हैं। सबमर्सिबल से आने वाले पानी की बर्बादी रोकने को कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। इससे बड़े स्तर पर पानी की बर्बादी हो रही है। यदि जल जीवन मिशन ने पानी की सप्लाई शुरू कर दी तो 50 प्रतिशत पानी की बर्बादी कम होगी। पानी की बचत होने से जलस्तर में सुधार आएगा।

गांव झंडपुर में निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक। ● अमृत विचार

नुक्कड़ नाटक में रक्तदान के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में सेवा पखवाड़ा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत रविवार को नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ। नाटक को नर्सिंग छात्रों ने प्रस्तुत किया। इसका उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जनमानस में जागरुकता उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम के चौथे दिन आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। इस शिविर में कुल 394 लाभार्थियों ने भाग लिया। स्त्री एवं प्रसूति विभाग ने 50 महिलाओं की एनीमिया जांच, प्रसव पूर्व देखभाल, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच एवं परिवार नियोजन परामर्श दिया गया। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार, उप-प्राचार्य डॉ. नेहा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रितुज अग्रवाल सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

चौथे दिन हुआ सामुदायिक सेवा विस्तार : फोटो 21 वीडीएन 159- मंच पर मौजूद डाक्टर व अन्य अधिकारी।

मंच पर मौजूद डाक्टर।

बदायूं, अमृत विचार : राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के चौथे दिन रविवार को दवाओं के दुष्प्रभावों पर निगरानी रखने और उन्हें सपोर्ट करने के महत्व को समझाने के उद्देश्य से एक सामुदायिक सेवा विस्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमबीबीएस 2023 बैच के छात्रों के बीच एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता छात्रों को दवाओं के सुरक्षित उपयोग, उनके संभावित दुष्प्रभावों और फार्माकोविजिलेंस की प्रक्रिया को समझने और उस पर विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित की थी। डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. लालेन्द्र यादव, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रुबीना, डॉ. नुदरत उपस्थित रहे।

पत्नी के उकसाने पर की आत्महत्या, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● पत्नी और ससुरालीजनों के मारपीट करने पर युवक ने फंदा लगाकर दी थी जान

अमृत विचार : पत्नी और ससुरालीजन के मारपीट से तंग आकर एक युवक ने 16 सितंबर को फंदा लगाकर जान दे दी थी। मृतक की मां की तहरीर पर बेटे की पत्नी समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

शहर के मोहल्ला सम्राट अशोक नगर निवासी धन देवी पत्नी राम स्वरूप ने बताया कि बेटे योगेश मौर्य की शादी उझानी कोतवाली क्षेत्र के कस्बा कछला निवासी ममता पुत्री महेश के साथ हुई थी। आरोप है कि पुत्रवधु ममता आए दिन उनके बेटे के साथ लड़ाई करने लगी। परिवार सलामत रखने के लिए बेटा सबकुछ सहता रहा, लेकिन पुत्रवधु की आदत में सुधार नहीं आया। योगेश मौर्य के ससुर महेश, साला नीरज व राकेश उनके साथ बात-बात पर गाली-गलौज और मारपीट करने लगे। आरोप है कि तकरीबन छह महीने पहले ममता घर में रखे जेवर, कपड़े आदि लेकर किसी की शादी का बहाना बनाकर घर से चली गई। 15 सितंबर दोपहर 12 बजे योगेश मौर्य पत्नी को बुलाने गए तो पत्नी व उसके परिजनों ने मारपीट की। दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी दी। इस वजह से योगेश डिप्रेशन में आ गया और फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने ममता, महेश, नीरज और राकेश के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

स्कूल में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का किया आयोजन

बिल्सी, अमृत विचार : बाबा इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस संगोष्ठी में कक्षा-पीजी से 12 तक के विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित हुए। शिक्षकों ने अभिभावकों से छात्र-छात्राओं की प्रगति, प्रदर्शन रिपोर्ट आपस में साझा की और अभिभावकों को घर पर बच्चों के सीखने में समर्थन देने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय एवं विद्यालय निर्देशिका साधना वार्ष्णेय ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसा समर्थनकारी और समावेशी शिक्षा वातावरण बनाना है जो हमारे छात्रों को सफल होने में मदद करे। प्रधानाचार्या रूपा माहेश्वरी ने कहा कि अभिभावक और शिक्षक यदि एक-दूसरे के सहयोगी बनकर कार्य करें तो बच्चों की शिक्षा और अनुशासन दोनों ही मजबूत बन सकते हैं।

नहीं मिली दूषित पानी से निजात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उझानी नगर पालिका का दूषित पानी रोकने के लिए नरुउ हाईवे पर ग्राम वासियों व कांग्रेसियों का क्रमिक अनशन रविवार को 92वें दिन भी जारी रहा। अनशनकारी उन खेतों पर पहुंचे जहां नाले के पानी से जलकुंभी है। किसानों ने बताया कि लाखों का नुकसान हो रहा है। अब लड़ाई आर पार की होगी।

किसानों ने कहा कि पिछले 20 सालों से उनके खेतों को जलाशय बना दिया गया है। इससे खेतों में फसलें नहीं हो रहीं हैं। उझानी नगर पालिका का पानी आ रहा है। किसान परेशान हैं। अब सरकार को मुआवजा देना होगा। इसकी लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से लड़ी जाएगी। क्रमिक अनशन पर योगेंद्र सिंह सोलंकी, कमल प्रताप सोलंकी, रामेंद्र सोलंकी, हेम सिंह जाटव और छोटेलाल जाटव बैठे। डॉ. राम रतन पटेल, वीरेश तोमर, इगलास हुसैन, सर्वेश पटेल, मुजाहिद रजा और लोकेश गौड़ ने क्रमिक अनशन कारियों को जूस पिलाकर क्रमिक अनशन समाप्त कराया। कांग्रेसी वक्ताओं ने कहा 22 सितंबर को संघर्ष समिति पुनः तय करेगी कि आगे आंदोलन का क्या रूप होना चाहिए।

नरुउ हाईवे किनारे क्रमिक अनशन पर बैठे ग्रामीण और कांग्रेस पदाधिकारी।

● 92 दिन से हाईवे किनारे क्रमिक अनशन पर बैठ रहे ग्रामीण और कांग्रेस पदाधिकारी

धरना स्थल पर तेजेन्द्र पाल कश्यप, शैलेंद्र कुमार सिंह, नेपाल सिंह सोलंकी, राम सिंह, आकाश कुमार, राजाराम, अशोक सोलंकी, गौरीशंकर जाटव, सतीश जाटव, शैलेंद्र कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, भगवान सिंह, प्रमोद, राजाराम, विनोद कुमार सिंह, धर्मजीत ,धर्मपाल छोटेलाल, सुखराम, राजाराम हरि बाबू ,श्याम सुंदर आदि लोग मौजूद रहे।

पौधे जलाए, आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : कादरचौक थाना क्षेत्र के गांव भुड़िया निवासी राजपाल पुत्र गुलफान सिंह ने बताया कि उनकी गांव में दो बीघा जमीन है। उनकी जमीन पर एक साल से यूकेलिप्टिस के 500 पौधे थे। आरोप है कि गांव निवासी जगपाल, सत्यवीर, नरवीर, ओमकार, उदयवीर, राजेंद्र, आराम सिंह, गौतम ने 12 मई को फावड़ा से पौधों को नष्ट कर दिया। खेत से लगभग 100 मीटर दूर पौधे जला दिए। राजपाल ने बताया कि उस समय उनकी बेटी की शादी थी जिसकी वजह से गांव से पूरा परिवार बाहर था। सूचना मिलने पर वह पौधे देखने के लिए खेत पर गए। यहां पौधों की राख पड़ी थी। कुछ अवशेष पड़े थे। उन्होंने जगपाल व अन्य लोगों से विरोध किया तो उन्होंने लात-घूसे और लाठी-डंडों से मारपीट की। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शिविर लगाकर बनाए आयुष्मान कार्ड

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ममता सेवी संस्था ने रविवार को शिविर लगाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आयुष्मान कार्ड निशुल्क बना कर लाभार्थियों को दिए।

प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिन के मौके पर संस्था ने निशुल्क शिविर लगाया। कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षक डॉ. सुरेश चंद्र नौगरैया ने किया। उन्होंने कहा राष्ट्रीय योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना आवश्यक है। अध्यक्ष डॉ. ममता नौगरैया ने बताया संस्था के अंतर्गत सुकन्या योजना समृद्धि योजना नाम से लोगों के अकाउंट खुलवाए गए। इसमें संस्था के माध्यम से बच्चों के अकाउंट में धन आना शुरू हो गया है। उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा मिश्रा ने कहा संस्था कैंप लगाकर जनता को योजनाओं का लाभ देने की कोशिश कर रहे हैं। दीप्ति गुप्ता ने बताया कि कैंप में सुकन्या योजना, सुमंगला राष्ट्रीय योजना पर के लाभार्थियों के कार्ड बनाए। कार्यक्रम का संचालन दीप्ति गुप्ता ने किया। इस मौके पर प्रीती, अनीता, वर्षा, उपासना, वेद कन्या, कनक, काजल, कुणाल, राहुल, सतीश, शहजाद हुसैन जितेन्द्र, रियाज आदि उपस्थिति रहे।

शिविर में मौजूद संस्था के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

जेठ ने गर्भवती महिला से की मारपीट, रिपोर्ट

बदायूं, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव लखनपुर निवासी सरस्वती पत्नी छोटू ने तहरीर देकर बताया कि वह छह महीने की गर्भवती हैं।

13 सितंबर दोपहर तीन बजे उनके पति घर पर नहीं थे। आरोप है कि उनके जेठ वीरेंद्र शराब के नशे में महिला के कमरे में घुस गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट की। अगले दिन कमरा खाली करने को कहा। बताया कि वह कमरे में रहेंगे। महिला ने डर की वजह से कमरा खाली कर दिया। गर्भवती होने की वजह से महिला कमरे से बक्सा व सेफ नहीं हटा पाईं। आरोपी ने बक्सा और सेफ तोड़कर बेकार कर दिए। महिला की तहरीर पर पुलिस ने वीरेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

तीन सिपाही निलंबित एक को किया लाइनहाजिर

संवाददाता, म्याऊं/उसावां

● हेड सिपाही का खनन करने वालों से बातचीत का ऑडियो वायरल

● वजीरगंज के उपनिरीक्षक को पुलिस लाइन किया स्थानांतरित

अमृत विचार : खनन करने वाले लोगों से सिपाही के साठगांठ करने का ऑडियो वायरल होने पर एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने कार्रवाई की है। सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं दूसरे सिपाही को लाइनहाजिर किया गया है।

रविवार को खनन करने वाले लोगों से बात करने का सिपाही का ऑडियो वायरल हो गया। इसमें थाना उसावां के हेड कांस्टेबिल अशोक कुमार ने सिपाही चालक का जिक्र करते हुए खनन करने वालों से बात की। मामला एसएसपी तक पहुंचा। उन्होंने हेड कांस्टेबिल अशोक कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। वहीं सिपाही चालक राजेश कुमार को लाइनहाजिर किया गया है। सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय को मामले की जांच दी गई है। इसके अलावा थाना हजरतपुर में तैनात सिपाही मनीष राठी, डायल 112 में तैनात सिपाही शक्ति बंसल को अनुशासनहीनता करते हुए पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने पर दोनों को निलंबित किया गया है। इस मामले की जांच सीओ उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार करेंगे। वजीरगंज थाने पर तैनात उपनिरीक्षक रजत यादव को जनहित में पुलिस लाइन स्थानांतरित किया गया है।

पति को आपत्तिजनक हालत में देखने पर जानलेवा हमला

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली सिविल लाइन क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने एसएसपी को शिकायत पत्र देकर बताया कि 18 सितंबर सुबह 6 बजे वह अपने घर पर गईं। यहां पति सालिम किसी लड़की के साथ आपत्तिजनक हाल में था। महिला ने पति से उसके साथ इस प्रकार से होने का कारण पूछा। पति और उस लड़की ने महिला से गाली-गलौज करके मारपीट की। आरोप है कि पति, पति की प्रेमिका, सबीहा और शमीन बानो ने जान से मारने की नीयत से महिल पर मिट्टी का तेल डाल दिया। महिला की मां और बच्चों ने आकर बचाया। भगत सिंह चौकी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। एसएसपी के आदेश पर सालिम, उसकी प्रेमिका, सबीहा और शमीम बानो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

खेती किसानी | गन्ने के लाल पड़ने पर किसानों ने जताई पैदावार कम होने की आशंका

रेड रॉट बीमारी से गन्ने की फसल को हो रहा नुकसान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गन्ने की फसल को इस बार भी रेड रॉट बीमारी ने अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। इस बीमारी से गन्ना लाल पड़ने लगा है, जो कुछ ही दिनों में सूख जाएगा। इस बीमारी को लेकर गन्ना किसान परेशान हैं। आरोप है कई प्लॉटों में कीटनाशक का छिड़काव करने के बाद भी बीमारी कम नहीं हो रही है।

गन्ना किसानों को हर साल गन्ने की फसल को कीटों से बचाने की बड़ी चुनौती होती है। अगस्त से लेकर अक्टूबर तक गन्ने में हर साल रेड रॉट बीमारी लगती है। इस बीमारी से बचाने को गन्ना विभाग पहले गन्ना सर्वे करता है। इसके बाद गन्ना किसानों को कीटनाशक का छिड़काव करने का सुझाव दिया जाता है। इस बार भी गन्ने की फसल में अगस्त से ही रेड रॉट बीमारी शुरू हो गई है। इस बीमारी से पहले गन्ने का पत्ता पीला पड़ता है। इसके बाद गन्ने का पौधा लाल रंग का होने के बाद सूखने लगता है, जो अब सूख रहा है।

गन्ना किसानों का कहना है कि गन्ना सट्टा सर्वे के दौरान गन्ना विभाग को बीमारी के बारे में जानकारी दी गई थी। विभाग ने कीटनाशक का छिड़काव करने का सुझाव दिया था। बताया कि कीटनाशक का छिड़काव भी कर दिया है फिर भी कई प्लॉटों में गन्ने की बीमारी खत्म नहीं हो रही है। गन्ना लाल हो रहा है। गुलड़िया निवासी किसान सतीश ने बताया कि रेड रॉट बीमारी से किसानों की गन्ना उपज में कमी आ रही है। पिछले साल भी गन्ने में रेड रॉट बीमारी लगी थी। इससे गन्ना लाल हो गया था। गन्ने को लेकर जब गन्ना सेंटर पर पहुंचे तो गन्ना सेंटर इंचार्ज ने पूरा गन्ना लेने से इन्कार कर दिया। गन्ने को वापस लाना पड़ा। इससे भारी नुकसान हुआ। इसी तरह इस बार भी लाल रंग के गन्ने को लेकर किसान परेशान हैं। किसानों ने इस बार नई प्रजाति का गन्ना तैयार किया है जिससे बीमारी कम लगने की बात कही जा रही है, लेकिन रेड रॉट बीमारी फिर भी लग रही है। गन्ना सूख रहा है। गुलड़िया क्षेत्र में करीब पांच सौ एकड़ गन्ना इस बीमारी से प्रभावित हुआ है।

प्लॉट में तैयार हो रहा गन्ना।

शेखूपुर चीनी मिल से वापस किया था सूखा गन्ना

पिछले साल गन्ना पेराई सत्र के दौरान जो किसान गन्ना लेकर चीनी मिल पर पहुंचे थे। उनका गन्ना पहले चेक किया गया। इसके बाद उसकी तौल कराई गई। सूखा गन्ना लेकर पहुंचे किसानों के वाहनों को वापस कर दिया गया था। चीनी मिल से करीब 50 ट्रैक्टर ट्रालियों को लौटाया गया। चीनी मिल प्रशासन ने सूखा गन्ना खरीदने से साफ इनकार कर दिया था।

रेड रॉट बीमारी से बचाव के लिए लगातार छिड़काव करने का सुझाव दिया जा रहा है। कुछ प्लॉटों में रेड रॉट बीमारी लगने की शिकायत मिली है। गन्ना किसानों को कीटनाशक का छिड़काव ड्रोन से करने की सलाह दी जा रही है। विभाग के पास पांच ड्रोन हैं जो गन्ना किसानों को दिए जा रहे हैं। रेड रॉट बीमारी से गन्ना सूख जाता है उसमें कुछ भी नहीं रहता है इसलिए चीनी मिलें सूखा गन्ना लेने से मना कर देती हैं। लेकिन इस बार रेड रॉट बीमारी कम मात्रा में है।

– **अशर्फी लाल**, जिला गन्ना अधिकारी

बरेली ने मुरादाबाद को 2-0 से हराया

बरेली, अमृत विचार : आगरा में रविवार से जूनियर बालिका स्टेट फुटबाल चैंपियनशिप की शुरुआत हुई। इसमें बरेली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुरादाबाद को 2-0 से हराकर विजयी शुरुआत की। उद्घाटन मैच में बरेली और मुरादाबाद की टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। खेल के 23वें मिनट में बरेली की खिलाड़ी मानवी ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद हाफ टाइम तक बरेली 1-0 से आगे रही।

उदयपुर फाइल्स के निर्माता खोलेंगे संभल फाइल

निर्माता अमित जानी ने कहा, संभल दंगों के पीछे की हकीकत दिखाना जरूरी, जल्द शुरू होगी शूटिंग

कार्यालय संवाददाता, संभल

- कहा, कश्मीर व बंगाल की तरह लोगों को घरों से निकाल कर मारा गया
- नैमिषारण्य क्षेम नाथ मंदिर में कार्यक्रम में शामिल होने आए अमित जानी

अमृत विचारः उदयपुर फाइल्स फिल्म के निर्माता अमित जानी ने ऐलान किया है कि उनका अगला पड़ाव संभल होगा। उन्होंने कहा कि संभल के दंगों की फाइल खोली जाएगी। इसका सच दिखाना भी बेहद जरूरी है। इस दौरान श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम भी मौजूद रहे। मंदिर के महंत बाल योगी दीनानाथ ने स्वागत किया।

कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम व अमित जानी रविवार को संभल के नैमिषारण्य क्षेम नाथ तीर्थ मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अमित जानी ने कहा कि संभल की परतों को सामने लाया जाएगा। 1973, 1976 और 1978 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के पीछे की हकीकत दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोगों को किस तरह बिना वजह मारा गया, घरों से निकालकर जान ली गई। ठीक वैसे ही जैसे कश्मीर और बंगाल में हुआ। यह सिर्फ संभल की नहीं, बल्कि पूरे देश की समस्या है। अमित जानी ने कहा कि उदयपुर फाइल्स को पूरी दुनिया में सराहा गया है और अब यह जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होगी।

संभल का जिक्र करते हुए कहा कि जहां 15 प्रतिशत हिंदू आबादी है वहां भी जाएंगे, और जहां सिर्फ 2 प्रतिशत हिन्दू बचे हैं, वहा भी जाएंगे। डर कर घर बैठने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने दोहराया कि उदयपुर फाइल्स के बाद उनकी अगली तैयारी संभल को लेकर है और इस बार देश और दुनिया संभल की हकीकत देखेगी। साफ किया कि फिल्म की शूटिंग संभल में ही की जाएगी।

फिलहाल स्क्रिप्ट राइटिंग का काम चल रहा है और जल्द ही पोस्टर जारी किया जाएगा। उन्होंने कल्कि धाम के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई। कहा कि यहां भगवान का अवतार स्थल है, लेकिन डेमोग्राफी लगातार बदल रही है। ऐसे में सुरक्षा और फोर्स की तैनाती बेहद जरूरी है। अमित जानी ने कहा कि संभल में हिन्दू, भगवा और सनातन के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। कहा कि कल्कि धाम की नींव डाली जा रही है, लेकिन अगर दुश्मन नींव में बम रख दे तो? यह चिंता का विषय है।

नैमिषारण्य क्षेम नाथ तीर्थ मंदिर में आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ अमित जानी। • अमृत विचार

तैमूरी मानसिकता ने नहीं छोड़ी संभल का विनाश करने में कसर: प्रमोद कृष्णम

नैमिषारण्य तीर्थ क्षेम नाथ मंदिर में रविवार को आयोजित विचार गोष्ठी संभल का भविष्य, एक चिंतन में श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि संभल का अतीत उसके भविष्य का दर्पण है। संभल का धार्मिक महत्व अयोध्या और मथुरा जितना ही है, लेकिन तैमूरी मानसिकता ने यहां भी विनाश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आचार्य ने कहा कि जिस मानसिकता ने श्री राम मंदिर का विध्वंस किया, श्रीकृष्ण जन्मस्थान का अपमान किया, उसी मानसिकता ने संभल को भी नुकसान पहुंचाया। कल्कि धाम निर्माण पर रोक लगाना भी उसी सोच का हिस्सा था। 18 वर्ष के लंबे कानूनी संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल्कि धाम का शिलान्यास कर एक नए युग की शुरुआत की है। उन्होंने संभल को सनातन के ध्वज का केंद्र बताते हुए कहा कि आने वाला समय संभल का है और इसे उज्ज्वल बनाने के लिए तन-मन-धन से समर्पण की आवश्यकता है। पत्रकारों के सवाल में उन्होंने संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवादियों से रिश्तेदारी रखने वालों की बड़ी साजिश थी कि संभल को दंगों की आग में झोंका जाए, लेकिन प्रशासन ने समय रहते इसे विफल कर दिया। मंदिर के महंत बाल योगी आदित्यनाथ ने संभल में हुए दंगों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। गोष्ठी में भाजपा नेता राजेश सिंघल, विश्व हिन्दू परिषद के संगठन मंत्री गौरव, अजय शर्मा, यश चौहान सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पेंशन के लिए विधवा बनीं पत्नी और दो बेटियां

संवाददाता, आंवला (बरेली)

अमृत विचार : पति के जीवित रहते हुए विधवा पेंशन लेने के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन तहसील क्षेत्र में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। महिला ने ही पति को मृत दर्शाकर विधवा पेशन हासिल नहीं की, बल्कि उसकी दो बेटियों ने भी पिता को पति बनाकर और मृत दर्शाकर निराश्रित महिला पेंशन हासिल कर ली। शिकायत के बाद मामला खुला तो अधिकारी भी हक्के-बक्के रह गए। एसडीएम ने तत्काल प्रभाव से तीनों की निराश्रित महिला पेंशन रुकवाने के साथ ही अब तक ली गई पेंशन की रिकवरी के आदेश दिए हैं। साथ ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

आंवला के मोहल्ला गौसिया चौक निवासी हसीना पत्नी आसिफ ने 15 जुलाई को मुख्यमंत्री समेत विभिन्न अधिकारियों को शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि मोहल्ला अनुपुरा नई बस्ती की निवासी अन्नी बेगम पत्नी अच्छन खां और उसकी दो बेटियों सन्नो बी और स्वालीन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निराश्रित महिला पेंशन ले रही हैं। अच्छन खां जीवित हैं। इसके बावजूद उनकी विवाहित बेटी स्वालीन ने वर्ष 2022 में पिता को अपना पति और मृत दर्शाते हुए पेंशन का लाभ उठाना शुरू कर दिया। पत्नी अन्नी बेगम ने वर्ष 2023 में पति को मृत दर्शाकर निराश्रित महिला पेंशन लेना शुरू कर दी। यही नहीं अच्छन खां की अविवाहित पुत्री सन्नो ने भी वर्ष 2023 में पिता को मृत बताकर निराश्रित महिला पेंशन लेने लगी। एसडीएम आंवला को दस्तावेजों की जांच कराकर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे।

जीवित अच्छन खां को तीन बार मारा गया

आलमपुर जाफराबाद के गांव मजनूपुर में वर्ष 2019 में तैनात रहे ग्राम पंचायत अधिकारी ने गजब का खेल कर दिया। अच्छन खां नाम के जीवित व्यक्ति को एक ही माह में तीन अलग-अलग तिथियों में मृत घोषित कर उसके तीन मृत्यु प्रमाणपत्र जारी कर दिए। पहला प्रमाणपत्र 15 मार्च 2019 को जारी किया गया। इसमें मृत्यु की तारीख 10 मार्च 2019 बताई गई। दूसरा प्रमाणपत्र 27 मार्च 2019 को जारी हुआ। इसमें मृत्यु की तिथि 18 मार्च 2019 दर्शाई गई है। तीसरा मृत्यु प्रमाणपत्र 30 मार्च 2019 को जारी किया गया। इसमें मृत्यु तिथि 25 मार्च 2019 दर्शाई गयी है। यह तीनों प्रमाणपत्र एक ही ग्राम पंचायत अधिकारी के हस्ताक्षर और मुहर के साथ जारी किए गये हैं।

न्यायालय श्रीमान् ए.डी.एम. महोदय, बदायूं

वाद सं.- 1621 सन्- 2025

तेजेन्द्र पाल सिंह बनाम ग्राम सभा आदि

धारा- 30 उ.प्र. राजस्व संहिता ग्राम-शरह बरौलिया पर. बिसौली तहसील बिल्सी, बदायूं

सम्मन द्वारा गजट

1. गांव सभा शरह बरौलिया पर. बिसौली तहसील बिल्सी जिला बदायूं द्वारा प्रधान 2. सरकार उ.प्र. द्वारा श्रीमान जिलाधिकारी महोदय, बदायूं 3. अनारकली पत्नी तेजेन्द्र पाल सिंह 4. मीरा देवी पत्नी दीपक 5. शिवानी पुत्री अजयपाल 6. सोनम (नावालिग) पुत्री अजय पाल 7. श्रीमती ठाकुर देवी पत्नी स्व. अजयपाल नि.गण. ग्राम शरह बरौलिया पर. बिसौली तहसील बिल्सी जिला बदायूं 8. विकास पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 9. अंकुर पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 10. जीवेन्द्र पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 11. रविकुमार पुत्र शिवेन्द्र पाल सिंह 12. श्रीमती ममता पत्नी स्व. शिवेन्द्र पाल सिंह 13. बाल गोविन्द सिंह पुत्र देवराज 14. महेन्द्र पाल सिंह पुत्र देवराज 15. सुनील पुत्र जगदीश सरन 16. सुशील पुत्र जगदीश सरन 17. श्रीमती राजवती पत्नी जगदीश सरन 18. राजीव कुमार सिंह पुत्र सत्यभान सिंह 20. ऋषिदेव पुत्र श्रीराम 21. सहदेव पुत्र श्रीराम 22. चन्द्रभाग सिंह पुत्र चन्द्र सेन 23. विजय भानसिंह पुत्र चन्द्रसेन 24. श्रीमती सुखदेवी पत्नी चन्द्रसेन 25. तुरसीराम पुत्र कन्हीलाल 26. नेत्रपाल सिंह पुत्र लालता प्रसाद 27. ब्रजपाल सिंह पुत्र लालता प्रसाद 28. श्रीमती रामलली पत्नी स्व. लालता प्रसाद 29. सत्यभान सिंह पुत्र हेतराम 30. किशोरी लाल पुत्र धर्मदास 31. सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र धर्मदास 32. प्रतापसिंह पुत्र धर्मदास निवासीगण ग्राम शरह बरौलिया पर. बिसौली तह. बिल्सी जिला बदायूं 33. महावीर पुत्र रामजीमल 34. उपेन्द्र कुमार पुत्र देवेन्द्र कुमार सिंह 35. रिन्कू पुत्र देवेन्द्र कुमार सिंह 36. श्रीमती सीमावती पत्नी देवेन्द्र कुमार सिंह निवासीगण मलिन गौटिया तह. व जनपद बदायूं 37. श्रीमती ववीता व्यास पत्नी राजीव कुमार सिंह 38. वरूण कुमार सिंह पुत्र राजीव कुमार सिंह 39. निशान्त कुमार ना. आयु-16 वर्ष पुत्र राजीव कुमार सिंह। संरक्षिका माता सगी श्रीमती ववीता व्यास। निवासीगण ग्राम शरह बरौलिया पर. बिसौली तह. बिल्सी जिला बदायूं हाल निवासी पंच शील कॉलोनी चन्दोसी जिला सम्भल

रेल नीर एक रुपये हुआ सस्ता

बरेली, अमृत विचार : जीएसटी की नई दरें लागू होने से सोमवार से रेल नीर भी एक रुपये सस्ता मिलेगा। अब 1 लीटर क्षमता वाली पैकेज्ड बोतल 14 और 500 लीटर की बोतल 9 रुपये में मिलेगी।

तलाश गश्ती गुमशुदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गुमशदा (अपहता) शिवानी पुत्री स्व. रामस्वरूप नि. मालपुर ततेरा थाना जरीफनगर जनपद बदायूं उम्र करीब 21 वर्ष जो कहीं चली गई है काफी तलाश किया नहीं मिली है जिसका थाना जरीफनगर पर मु.स.अ. 10/25 धारा 87 बी.एन.स. पंजीकृत किया गया है जिस किसी को मिले सूचित करने का कष्ट करें। हुलिया:- रंग गोरा ल. करीब 5 फिट 3 इंच सफेद सूट व दुपट्टा तथा पैरों मे चप्पल पहनी है।

प्रभारी निरीक्षक थाना जरीफनगर बदायूं मो. 9454402953

उपनिरीक्षक यतेन्द्र कुमार मो. 9410032842

देश कट्टरपंथी विचारधाराओं और आतंकवाद से जूझ रहा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश कई कट्टरपंथी विचारधाराओं और आतंकवाद से जूझ रहा है। कहीं माओवादी झारखंड और छत्तीसगढ़ में उत्पाद मचाते हैं, तो कहीं मणिपुर और असम में बोडोलैंड की मांग करने वाले उग्रवादी हमला कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कुछ मुस्लिम संगठन और चंद व्यक्ति भी कट्टरपंथी विचारधारा को फैलाकर देश के माहौल को खराब करना चाहते हैं।

वहीं पंडित धीरेंद्र शास्त्री कट्टरपंथी विचारधारा वाली महिलाओं की फौज तैयार करके देश में अफरातफरी का माहौल तैयार करना चाहते हैं, इससे देश का कोई भला होने वाला नहीं, बल्कि नुकसान ही होगा। मौलाना ने कहा कि हर व्यक्ति को चाहे वो हिन्दू हो या मुसलमान, अपने धर्म पर सख्ती के साथ कायम रहना चाहिए।

कोई भी मजहब लोगों को आपस में लड़ना-झगड़ना नहीं सिखाता है और न ही धर्म इस बात की शिक्षा देता है।

रामलला, रामदरबार के दर्शन कर मन को मिला सुकून : नीरा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राममंदिर में रामलला और रामदरबार के साथ-साथ हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करने से जो सुकून प्राप्त हुआ वह अलौकिक और अद्वितीय है। इतना भव्य राममंदिर देख बहुत अच्छा लगा। मन को शांति मिली। ये बातें कौशांबी से रविवार को आये भक्त नीरा ह्रदेश और उनके पति ह्रदेश नारायण ने राममंदिर परिसर में कहीं। दोनों भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन से अयोध्या आए थे।

आगरा से विभिन्न धार्मिक स्थलों से होते हुए भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन रविवार सुबह अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन से लगभग 800 भक्त आए थे। जहाँ सभी ने सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी, राम मंदिर, गुप्तारघाट समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन किया। श्रद्धालु नीरा ह्रदेश और उनके पति ह्रदेश नारायण, पवन कुमार शर्मा, शकुंतला शर्मा, प्रभात गुप्ता, संध्या गुप्ता शामिल रहीं।

हनुमानगढ़ी में दर्शन करने पहुंचे भारत गौरव यात्रा ट्रेन से आए नीरा ह्रदेश, ह्रदेश नारायण व कौशांबी, दिल्ली, जयपुर से आए भक्तगण साथ में पुजारी सरोज दास। • अमृत विचार

भारतीय रेल और आईआरसीटीसी के द्वारा रामायण सर्किट धार्मिक यात्रा के तहत भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन 13 सितम्बर को आगरा से चली थी। इस 10 दिवशीय यात्रा में गया (बिहार) में दर्शन-पूजन करने के बाद कोलकत्ता गंगासागर, काली मंदिर के बाद झारखण्ड के बैजनाथ धाम, जगन्नाथपूरी, काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने और गंगा आरती में शामिल होने के बाद अंतिम धार्मिक स्थल अयोध्या पहुंची। जहां राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू घाट, नंदीग्राम भरत कुंड समेत अन्य मंदिर में दर्शन-पूजन किया। वहीं इस यात्रा में शामिल भक्तों ने सरकार की इस योजना का स्वागत किया। यात्रा में शामिल शकुंतला शर्मा ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। वहीं आईआरसीटीसी और भारतीय रेल की सुविधाओं पर आपत्ति जताई और कहा कि दोनों के बीच आपसी तालमेल सही न होने के कारण यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ट्रेन में एसी कोच और शयन कोच दो अलग-अलग श्रेणी के तहत यात्री सवार रहे। प्रभात गुप्ता ने भी बताया कि अयोध्या में दर्शन पूजन की अच्छी व्यवस्था रही है। ट्रेन की व्यवस्थाओं के लिए गाइडलाइन की आवश्यकता है। जिससे इस यात्रा में शामिल लोगों को अच्छी व्यवस्थाएं मिल सकें।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015, ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com, शाखाः प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली-243001

आरएलएम-ब्रजेश अवस्थी-9918301885, आरआरएम- हरिश चंद यादव, 7060411785 सीएलएम - शान्तनु प्रताप सिंह-9918837339, सीआरएम-दीपक कुमार शर्मा - 9359650607

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000000996 श्री फैजान खान और श्रीमती सहाना जी, दोनों: 60 बाग ब्रिगटन, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243005	14-06-2025 / 16-09-2025 सांकेतिक	₹ 709151/- दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा नंबर 97, स्वाले नगर, नवदिया, तहसील-सदर, जिला-बरेली, उ.प्र
2	UP/LKN/BRLY/A000000036 श्री जगदीश सरन भारती एवं श्रीमती बीना भारती, दोनों: मोहल्ला तिलक कॉलोनी अंशिक राजीव कॉलोनी पोस्ट सुभाषनगर शहरी, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001	14-06-2025 / 16-09-2025 सांकेतिक	₹ 209388 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा नंबर 754, ग्राम- नेकपुर, बरेली, उ.प्र
3	UP/LKN/BRLY/A000000974 श्री जयेंद्र कुमार और श्रीमती कलावती, दोनों: 11/242, महादेव पुरम पूर्व, रामलीला, बहेरी, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243201	10-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 5595633/- दिनांक 09.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा 411 का भाग, बहेरी खास, परगना चौमहेला, तहसील-बरेली, उ.प्र
4	UP/LKN/BRLY/A000000850 श्री राहुल पाल और श्रीमती कमला देवी, दोनों: मोह मेवात, मीरगंज, सेमीअर्बन, बरेली, यूपी-भारत-243504	14-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 1015232/- दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा नंबर 325 मुगरा परगना सिरौली, तहसील मीरगंज, जिला-बरेली, यूपी
5	UP/LKN/BRLY/A000001624 श्री राज कुमार एवं श्रीमती रीता जी, दोनों: अजीजगंज मुमुखासु आश्रम, शहरी, शाजहाँपुर, उप-भारत -242001	14-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 1523970/- दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	वाल्मिकी बस्ती रोड, आवासीय मकान नंबर 1758/13, अजीजगंज, प्राथमिक विद्यालय, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश -242001
6	UP/LKN/BRLY/A000001305 श्री शिवेंद्र प्रताप सिंह तोमर और श्रीमती मेघना नागपाल, दोनों: 144 उत्सव पार्ट 2 महानगर, बरेली, शहरी, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001	10-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 4483909 दिनांक 09.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	फ्लैट नंबर सी-1, तीसरी मंजिल, छावनी असरफ खान, न्यू शक्ति नगर, तहसील और जिला-बरेली
7	UP/LKN/BRLY/A000001178 श्री श्योराज सिंह यादव और श्रीमती साधना, दोनों: शिव मंदिर, नेकपुर गली नंबर 05 सिविल लाइन्स, शहरी बदायूँ, यूपी, भारत – 243601	14-06-2025 / 17-09-2025 सांकेतिक	₹ 658571 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	नेकपुर अंदर चुंगी नगर पालिका शहर तहसील एवं जिला बदायूँ

दिनांक : 20-09-2025, स्थान : बरेली

प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स

193 ए सिविल लाइन्स, बरेली

पत्रांक: 1190/पत्रावली सं. बी-30998/बरेली **सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि संस्था दशमेश पब्लिक स्कूल समिति, ग्राम रूरिया सलेमपुर पो. आ. गुलाब टाण्डा तहसील पूरनपुर जिला पीलीभीत पत्रावली संख्या बी-30998 की प्रबन्धसमिति की सूची वर्ष 2025-26 पंजीकृत हेतु नोटरीशपथ पत्र के साथ प्रपत्र श्रीमती रूपवती कुशवाह द्वारा प्रबन्धक की हैसियत से प्रस्तुत किये गये हैं। वर्तमान में प्रस्तुत प्रबन्धकारिणी समिति की सूची वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित पदाधिकारी/सदस्य दर्शाये गये हैं:-

क्र.	नाम व पिता का नाम	पता	पद
1.	श्री राम निवास पुत्र श्री रामपाल	ग्राम धरमंगदपुर पो. टांडा गुलाबराय तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	अध्यक्ष
2.	श्री अजय सिंह पुत्र श्री लाल सिंह	ग्राम अमरैया कलां पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	उपाध्यक्ष
3.	श्रीमती रूपवती कुशवाहा पत्नी श्री सियाराम कुशवाहा	ग्राम अमरैया कलां पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	प्रबन्धक
4.	श्री भरत वीर	ग्राम सुआबोझ पो. पिपरिया दुलई तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	सचिव
5.	श्री दीपक शर्मा पुत्र श्री रामेश्वर दयाल शर्मा	ग्राम महेदखास पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	कोषाध्यक्ष
6.	श्री प्रेमपाल पुत्र श्री बुद्धसेन	ग्राम धरमंगदपुर पो. टांडा गुलाबराय तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	सदस्य
7.	श्री रामपाल पुत्र श्री रामलाल	ग्राम अमरैया कलां पो. व तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत	सदस्य

उक्त के सम्बन्ध में संस्था के किसी भी भूतपूर्व अथवा वर्तमान पदाधिकारी/सदस्यों को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति अभिलेखीय साक्ष्यों सहित सार्वजनिक सूचना प्रकाश के 15 दिनों के अन्दर अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है, यदि उक्त निर्धारित अवधि में किसी को कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तदोपरान्त आपत्ति के अभाव में अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी भूतपूर्व/वर्तमान सदस्यों की होगी। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सो.रजि.अधि. 1860 की धारा 4-क के "परन्तुक" के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली

ई-निविदा सूचना संख्या-03/अधी0अभि0/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री-क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राईस-बिड/फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक-24.09.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से दिनांक-30.09.2025 अपरान्ह 03.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। प्री-क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड/दिनांक-30.09.2025 को अपरान्ह 04.00 बजे अधीक्षण अभियन्ता, पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी एवं प्री-क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के प्राइस-बिड/फाइनेन्सियल बिड खोलने की तिथि कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर नोटिस बोर्ड/ई-पोर्टल पर सूचित किया जायेगा। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय प्राप्त की जायेगी।

लाट सं0	कार्यों का विवरण	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हरदोई शाखा नहर के किमी0 2.250 से किमी0 7.590 एवं किमी0 20.850 से किमी0 37.010 के मध्य बांये बैंक पर निर्मित सड़क को गड्ढामुक्त करने का कार्य।	हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर बरेली	60.35	1.21	01 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "बी" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी

UP – 237952 **दिनांक:** 19/09/2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधीक्षण अभियन्ता पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली

जम्मू के लिए 24 दिन बाद ट्रेनें शुरू, यात्रियों को राहत

बरेली, अमृत विचारः लंबे इंतजार के बाद आखिरकार जम्मू के लिए रेल सेवाएं आंशिक रूप से बहाल हो गई हैं। भूस्खलन और भारी बारिश के कारण पिछले 24 दिनों से ठप जम्मू रेल रूट अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा है। रविवार से हिमगिरि एक्सप्रेस समेत तीन प्रमुख ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू हो गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक लगातार भूस्खलन और ट्रैक पर मलबा गिरने से जम्मू रूट पर ट्रेनों का संचालन असंभव हो गया था। ट्रैक की सुरक्षा जांच के बाद अब धीरे-धीरे गाड़ियां चलाई जा रही हैं। यात्रियों की सबसे बड़ी आस्था स्थल माता वैष्णोदेवी के लिए जाने वाली ट्रेनों की राह अभी भी मुश्किल बनी हुई है। कटरा की ओर जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन की समस्या के कारण वहां सेवाएं फिलहाल बंद हैं। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि मौसम की स्थिति और ट्रैक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए धीरे-धीरे सभी ट्रेनों का संचालन सामान्य कर दिया जाएगा। यात्रा से पहले ट्रेन का समय और स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

विशेषज्ञों को सम्मानित किया, प्रतियोगिताएं भी हुईं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग की ओर से आयोजित कान्फ्रेंस का हुआ समापन

अमृत विचार : रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कांफ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। इस मौके पर विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया।

सुबह 10 बजे कई सत्रों में देश भर से आए वरिष्ठ विशेषज्ञों ने नाक, कान व गला रोग की आधुनिक विधियों के बारे में अनुभव साझा किए। कान्फ्रेंस के आयोजन सचिव डॉ. अभिनव श्रीवास्तव ने बताया कि मुंबई के विशेषज्ञ डॉ. अनिल डी क्रूज, बनारस से आए डॉ. असीम मिश्रा, डॉ. विवेकानंद, डॉ. हितेंद्र, डॉ सुनील, डॉ अक्षत मलिक, डॉ. शिखर, डॉ. रुचिका समेत अन्य ने अलग-अलग सत्रों में महत्वपूर्ण जानकारी दी। जूनियर कंसल्टेंट अवार्ड पेपर, पोस्टर कंपटीशन, क्विज आदि प्रतियोगिताएं भी हुईं।

बीआईयू की कुलपति डॉ.लता अग्रवाल ने आयोजन कमेटी को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की कान्फ्रेंस का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया।

इमीग्रेशन अधिकारी बताकर युवक से की साइबर ठगी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- परिचित की महिला को एयरपोर्ट पर विदेशी मुद्रा के साथ पकड़े जाने पर किया था फोन
- पहली बार में 45 हजार खाते में डलवार, शिकायत पर साइबर टीम ने होल्ड कराए रुपये

अमृत विचारः एक महिला ने खुद को इमीग्रेशन अधिकारी बताकर युवक से ठगी कर ली।युवक ने समय रहते साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद उसके रुपये होल्ड कर दिए गए। युवक ने रुपये वापस कराने के लिए थाना बारादरी में ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

डोहरा रोड निवासी जगतवीर सिंह ने बताया कि उसकी फेसबुक पर मेवल रोजी नाम की महिला जुड़ी हुई थी। उसने व्यवसाय के सिलसिले से भारत आने की सूचना के साथ मदद के लिए उसका मोबाइल नंबर मांगा था। महिला की बातों में आकर उन्होंने मोबाइल नंबर दे दिया। 18 अप्रैल को एक महिला ने फोन कर खुद को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा का इमीग्रेशन अधिकारी बताया। उसने कहा कि उसकी परिचित महिला मेवल रोजी सीमा से अधिक विदेशी मुद्रा का ड्राफ्ट लाई हैं। इन्हें छुड़ाने के लिए पहले रजिस्ट्रेशन और अन्य प्रकिया पूरी करने के लिए 45 हजार रुपये की जरूरत है। महिला ने मेवल रोजी से बात कराई तो वह रोकर मदद मांगने लगी। जिसके बाद उन्होंने अपनी बेटी शिखा के खाते से 45,500 रुपये महिला के बताए गए खाते में डाल दिए। उसके बाद मेवल रोजी और खुद को इमीग्रेशन अधिकारी बतानी वाली महिला ने क्लियरेंस सर्टिफिकेट देने के नाम पर एक लाख 10 हजार रुपये और डालने की बात कही गई। साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने खाते में डाले गए रुपये होल्ड कर दिए।

संगठन की मजबूती ही जीत की कुंजी

बरेली, अमृत विचार : पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप के कांधरपुर स्थित आवास पर रविवार को पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस दौरान उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही जीत की कुंजी है, इसलिए पदाधिकारी और कार्यकर्ता अभी से निष्ठा और समर्पण भाव से तैयारी में जुटे। बृजेश पाठक ने कहा कि मोदी-योगी के नेतृत्व में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की पहचान बदली है।

पूर्व सांसद के आवास पर हुए कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी-बहुजन समाज पार्टी की सरकार में खाली प्लाट पर कब्जा किया जाता था। गुंडे माफिया हावी रहते थे और हवा में बंदूकें लहराते थे। अब माफिया राज समाप्त हो गया है। कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहने और जनता के बीच भाजपा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को पहुंचाने पर जोर दिया।

अमृत विचार

सोमवार, 22 सितंबर 2025

जीवन एक आकांक्षा है। इसका लक्ष्य पूर्णता की प्राप्ति के लिए प्रयास करना है। यही आत्म-साक्षात्कार है। अपनी कमजोरियों या अपूर्णताओं के कारण आदर्श को कम नहीं करना चाहिए।

-महात्मा गांधी

अब ट्रंप का वीजा वार

अमेरिका ने एच-1बी वीजा शुल्क को सालाना एक लाख डॉलर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल पैदा कर दी है। इस वीजा पर काम करने वाले भारतीय पेशेवरों की संख्या सर्वाधिक है, इसलिए इस निर्णय का सीधा असर भारतीय समुदाय पर पड़ेगा। यह कदम न केवल भारतीय आईटी कंपनियों को प्रभावित करेगा, बल्कि अमेरिका और भारत के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों पर भी नई चुनौती खड़ी करेगा। एच-1बी वीजा भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए अमेरिका की अर्थव्यवस्था में योगदान का सबसे अहम माध्यम रहा है। हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और प्रबंधक हर वर्ष इस वीजा के जरिए अमेरिका पहुंचते हैं और वहां की कंपनियों के लिए अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराते हैं। भारतीय कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस और विप्रो अमेरिका में अपनी सेवाएं संचालित करती हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देती हैं। शुल्क वृद्धि से इन कंपनियों की लागत बढ़ेगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हो सकती है। परिणामस्वरूप वे या तो अमेरिकी बाजार से दूरी बना सकती हैं या अपने कर्मचारियों की संख्या घटा सकती हैं।

इस कदम से भारत की युवा पीढ़ी के सपनों पर भी गहरी चोट पहुंचेगी। अमेरिका लंबे समय से प्रतिभाशाली भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। महंगी फीस और कठिन वीजा प्रक्रिया के बावजूद वे अमेरिका जाते हैं, ताकि बेहतर अवसर पा सकें, लेकिन यदि वीजा शुल्क इतना अधिक होगा, तो यह अवसर केवल धनी वर्ग तक सीमित रह जाएगा। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह सपना टूटने जैसा होगा। इससे प्रतिभा पलायन की दिशा बदल सकती है और भारतीय युवाओं का ध्यान यूरोप, ऑस्ट्रेलिया या एशियाई देशों की ओर मुड़ सकता है। इस घोषणा का समय भी उल्लेखनीय है। आदेश 21 सितंबर 2025 से लागू होगा। कई भारतीय परिवार दिवाली की यात्रा पर थे। कई शादियां और पारिवारिक समारोह तय थे, जो अब प्रभावित होंगे। भारत सरकार ने सही कदम उठाते हुए इस विषय पर अमेरिका से उपयुक्त समाधान की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय पेशेवरों का योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इस नीति से दोनों देशों के रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि वे अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार सुरक्षित करना चाहते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि भारतीय पेशेवर अमेरिकी कंपनियों के लिए केवल सस्ती श्रमशक्ति नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार, शोध और प्रतिस्पर्धा में भी अहम भूमिका निभाते हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी जैसी बड़ी कंपनियों के नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग शामिल हैं। ऐसे में प्रतिभा को हतोत्साहित करना अमेरिका के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ होगा। भारत को भी इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। यदि अमेरिका में राह कठिन होती है, तो सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर भारतीय युवाओं के लिए अपने देश में ही उपयुक्त अवसर पैदा करें।

चुनाव सुधार व 'हम भारत के लोग'

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व बहुदलीय प्रणाली वाले देश भारत में चुनाव सुधार पर चर्चा-ए-खास जोरों पर है। जिस देश में विभिन्न जाति, धर्म व संप्रदाय के लोग रहते हों। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद का भाव रच-बस गया हो, वहां सभी को एका के सूत्र में पिरो पाना खासा दुरूह है। 'कोस-कोस पर बदले पानी-चार कोस पर बानी' वाले देश में प्रक्रियागत, पारदर्शी चुनाव करा लेना व आधिकारिक महत्ता पा लेना चुनाव आयोग के लिए 'पत्थर पर दूब उगाने' की ही भांति है। इधर, राष्ट्रीय दलों के अलावा क्षेत्रीय दलों के कुछ बड़े नेताओं के अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट भी केंद्रीय चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करते दिख रहा है।

दोनों संवैधानिक संस्थाओं के मध्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से आरोप-प्रत्यारोप व अहम का टकराव भी परिलक्षित हो रहा है। किंतु, दोनों संस्थाएं देश में चुनाव सुधार व सशक्त लोकतंत्र को सतत् प्रयत्नशील भी हैं, लेकिन देश के जागरूक नागरिक अपनी सुधारात्मक भूमिका से कब तक आंखे फेरे रहेंगे? राष्ट्रीय कर्तव्य बोध, जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व व योगदान से कब तक विमुख रहेंगे? मतदाता सूची में वास्तविक नाम डलवाने, फाल्स वोट देने वालों को चिन्हित करने, सिस्टम का साथ देने के अलावा भ्रामक/गलत गतिविधियों को रोकने को क्या उन्हें भी आगे नहीं आना चाहिए? आखिर हम 'सिस्टम' को कब तक और क्यों कोसते रहेंगे?

भारत में चुनाव आयोग (वर्ष 1950 में स्थापना) एक संवैधानिक संस्था है। इस स्वायत्तशासी संस्था का उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 में तार्किकता के साथ वर्णित है। राज्य विधानसभाओं, राज्यसभा व लोकसभा के लिए चुनाव कराने के अलावा मतदाता सूची तैयार करवाने को यह संस्था पूर्णरूपेण जिम्मेदार होती है। उक्त चुनावों के समय सभी प्रकार की शक्तियां इसमें निहित होती हैं। अर्थात केंद्र/राज्यों के सरकारी तंत्र इसके द्वारा ही संचालित होते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग सुव्यवस्था के लिए राज्यों के निर्वाचन आयोगों का भी 'वाच डाग' होता है, जिस देश में मतदाताओं की संख्या करीब 99.1 करोड़ (वर्तमान) हो। वहां संतुलन बनाए रखना व सभी को पूरी तरह संतुष्ट करना आसान तो नहीं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच पहला आम चुनाव कराया गया था। वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल आबादी करीब 36 करोड़ 11 लाख थी। इनमें से आयोग ने 17,32,12,343 मतदाताओं का पंजीकरण किया था। आज भारत की कुल जनसंख्या करीब 140 करोड़ अनुमानित है। वर्ष 2024 में 18वीं लोकसभा चुनाव में करीब 65 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया व विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 65.8 व महिलाओं का करीब 65.78 प्रतिशत था। आश्चर्य यह है कि चुनाव आयोग 65 करोड़ मतदाताओं को सहेजते हुए बिना राग-द्वेष के स्वतंत्र, निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कैसे करा लेता है? बावजूद इसके उस पर सवालिया निशान लगते ही रहते हैं। हमारे लिए यह अत्यंत विचारणीय है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 व 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम-1960, परिसीमन अधिनियम-2002 में चुनाव सुधार की बात तो है ही, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से चुनाव कराने की व्यवस्था दूर दृष्टि का परिणाम भी। जहां विधि आयोग की रिपोर्ट (2015) ने सुधार के अनेकानेक उपाय बता रखे हैं, वहीं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के आंकड़े देश की राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण की बानगी पेश करते हैं। उदाहरणार्थ, वर्ष 2024 में निर्वाचित सांसदों में से 46 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन सांसदों में से 31 प्रतिशत तो ऐसे हैं, जिन पर अपहरण, दुष्कर्म व हत्या के संगीन आरोप हैं। सुधार की कड़ी में चुनाव आयोग ने यूं तो पिछले दो माह में 808 पंजीकृत, किंतु गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपनी सूची से हटाकर सुधार के लिए सकारात्मक संदेश दिया है। इनमें से यूपी में 121, महाराष्ट्र में 44, तमिलनाडु में 42 व दिल्ली में 40 राजनीतिक दल प्रमुख हैं।

भारत में वर्ष 1967 में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ, जो आज बहुदलीय प्रणाली को अवलंब दे रही हैं। राष्ट्र भाव से ओतप्रोत स्पष्ट विचारधारा तो कुछ दलों के लिए 'दूर की कौड़ी'। ऐसे दल या तो सत्ता में भागीदारी चाहते हैं या सत्ता पर कब्जा। कुछ राजनीतिक दल धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति आदि के आधार पर बनाए जाते हैं, जो एक निश्चित समुदाय व वर्ग के हितों को बढ़ावा देते हैं या केंद्र में किसी राष्ट्रीय दल को समर्थन दे अपना हित साधते हैं। यूपी, उड़ीसा, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार व झारखंड के कुछ राजनीतिक दलों को उदाहरण के रूप में देखा/समझा जा सकता है। आयोग चुनावी प्रदर्शन के आधार पर ही राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय दलों के रूप में मान्यता प्रदान करता है। राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय दल की मान्यता के लिए वोट प्रतिशत व सीटों के मानक का निर्धारण करता है। राजनीतिक दलों के नेताओं को संसद या विधानसभाओं में जनता ही चुनकर भेजती है।

यह समीचीन है कि चुनाव सुधार को लेकर आयोग से मानवीय/तकनीकी चूक हुई हो, या हो रही हो! उक्त मुद्दों पर मौलिक अधिकारों की संरक्षक सुप्रीम कोर्ट हमारे साथ खड़ी हो, लेकिन हम भारत के लोगों को भी तो संदर्भित सुधारात्मक प्रक्रिया में रचनात्मक/सकारात्मक योगदान देना चाहिए। जान लें, सरकारी सिस्टम हमारी सुविधा के लिए ही है। इसके सशक्तिकरण में ही प्रजातंत्र और हमारा हित सुरक्षित है।

'कोस-कोस पर बदले पानी-चार कोस पर बानी' वाले देश में प्रक्रियागत, पारदर्शी चुनाव करा लेना और आधिकारिक महत्ता पा लेना चुनाव आयोग के लिए 'पत्थर पर दूब उगाने' की तरह है।

आमने

आरजेडी के युवराज तेजस्वी यादव के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई है। लगता है कि 1990 के दशक में जो जंगलराज था उसका संस्कार अभी भी तेजस्वी यादव से हटा नहीं है। वही संस्कार लिए तेजस्वी यादव के मंचों से गाली दी गई।

-गिरिराज सिंह
केंद्रीय मंत्री

सामने

बीजेपी के लोग जो वीडियो डाल रहे हैं, उसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वीब यादव के भाषण की आवाज नहीं है। वीडियो में ऑडियो को तोड़-मरोड़ कर बदनाम करने की साजिश रची गई है। ओरिजनल वीडियो मेरे फेसबुक पेज पर है, सुन सकते हैं।

-मुकेश रोशन
आरजेडी नेता

जैव विविधता बनाए रखने के लिए जरूरी है गैंडा

डॉ. जितेंद्र शुक्ला

वन्यजीव विशेषज्ञ

गैंडा विशेष रूप से एक सींग वाला एशियाई गैंडा, न केवल आकार में विशाल होता है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र में इसकी भूमिका भी अत्यंत विशाल और महत्त्वपूर्ण होती है। यह शाकाहारी जीव अपने प्राकृतिक आवास में जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाता है। भारत में मुख्य रूप से असम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में पाए जाने वाले गैंडे, अपने व्यवहार और आहार की प्रकृति के कारण पारिस्थितिक तंत्र के लिए एक 'कीस्टोन प्रजाति' माने जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि यदि गैंडा पारिस्थितिकी तंत्र से समाप्त हो जाए, तो उससे पूरे जैविक संतुलन पर गहरा असर पड़ सकता है। इसके संरक्षण को प्रोत्साहन देने के लिए 22 सितंबर को विश्व गैंडा दिवस मनाया जाता है।

गैंडे मुख्य रूप से घास, झाड़ियां, जल पौधे और पत्तियां खाते हैं। इनके इस आहार-व्यवहार के कारण घास के मैदानों का प्राकृतिक प्रबंधन होता है। जब गैंडा घास को आहार के रूप में लेता है, तो वह कुछ खास प्रकार की घासों को नियंत्रित करता है, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है। इससे अन्य शाकाहारी प्रजातियों जैसे हिरन, बारहसिंगा और नीलगाय को भी बेहतर भोजन और आवास मिल पाता है।

गैंडे के मल-मूत्र में बीज होते हैं, जो उनके भ्रमण के दौरान इधर-उधर फैलते हैं। इससे पौधों का प्राकृतिक प्रसार होता है और भूमि की उर्वरता में वृद्धि होती है। इस प्रकार गैंडा एक प्रकार से बीज फैलाने वाला और पर्यावरणीय संरचना को बनाए रखने वाला जीव भी बन जाता है।

गैंडों के कारण जंगलों और घास के मैदानों में खुले रास्ते और प्राकृतिक गलियां बनती हैं, जिससे छोटे जानवरों की आवाजाही आसान हो जाती है। उनके पैरों से बनी मिट्टी की पगडंडियां जल निकासी में मदद करती हैं, जिससे वर्षा के मौसम में दलदली क्षेत्रों में जल जमाव नहीं होता। यह जल प्रवाह पारिस्थितिकीय स्थिरता बनाए रखने में सहायक होता है। साथ ही, गैंडे द्वारा बनाए गए छोटे जल गड्ढे, पक्षियों और छोटे जीवों के लिए जल स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

गैंडे का अस्तित्व जैव विविधता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। जब कोई शीर्ष प्रजाति, जो खाद्य श्रृंखला में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है, पारिस्थितिकी तंत्र से गायब हो जाती है, तो उसके प्रभाव से अनेक अन्य प्रजातियों का जीवन भी खतरे में पड़ जाता है। उदाहरण के लिए, यदि गैंडे नहीं होंगे, तो घास की कुछ प्रजातियां अत्यधिक फैल जाएंगी, जिससे जैव विविधता घटेगी और छोटे जानवरों का आवास प्रभावित होगा। यह वनस्पतियों और जीवों के बीच प्राकृतिक प्रतिस्पर्धा के संतुलन को बिगाड़ सकता है। पारिस्थितिकी तंत्र में गैंडे की उपस्थिति जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक अप्रत्यक्ष रक्षा कवच भी है। उनके कारण घास के मैदान सुरक्षित रहते हैं, जिससे कार्बन अवशोषण की प्रक्रिया तेज होती है। इससे वैश्विक तापमान वृद्धि की दर को नियंत्रित करने में भी सहायता मिलती है।

वर्तमान समय में गैंडे की प्रजाति संकटग्रस्त स्थिति में है। अवैध शिकार, आवास का नाश, जलवायु परिवर्तन और मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण गैंडों की संख्या सीमित हो गई है। गैंडा के सींग की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारी मांग के कारण यह शिकारियों के निशाने पर रहता है। यदि गैंडों को संरक्षित नहीं किया गया, तो पारिस्थितिकीय असंतुलन की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, इसलिए गैंडों का संरक्षण न केवल एक प्रजाति को बचाने का कार्य है, बल्कि यह संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने का प्रयास भी है।

भारत सरकार और विभिन्न राज्यों ने गैंडों के संरक्षण के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जैसे गैंडा पुनर्वास कार्यक्रम, विशेष निगरानी क्षेत्र और वन्यजीव अपराध नियंत्रण प्रयास। उत्तर प्रदेश का दुधवा टाइगर रिजर्व इस दिशा में एक शानदार उदाहरण है, जहां गैंडों को फिर से बसाकर उनका सफल संरक्षण किया गया है। ऐसे प्रयास न केवल जैव विविधता की रक्षा करते हैं, बल्कि पारिस्थितिकीय चेतना को भी जन-जन तक पहुंचाते हैं।

दुधवा नेशनल पार्क, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में स्थित है और यह भारत के महत्वपूर्ण वन्यजीव अभयारण्यों में से एक माना जाता है। यहां की जैव विविधता, हरियाली और शांत वातावरण इसे विशेष बनाते हैं। भारत में एक सींग वाला गैंडा कभी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में व्यापक रूप से पाया जाता था। परंतु शिकार, प्राकृतिक आवास की कमी और मानव हस्तक्षेप के कारण इसकी संख्या तेजी से घटने लगी। 20वीं सदी के मध्य तक उत्तर भारत से यह लगभग विलुप्त हो चुका था। ऐसी स्थिति में एक स्थायी समाधान की आवश्यकता थी, ताकि इस अद्भुत जीव को फिर से प्राकृतिक परिवेश में बसाया जा सके।

दुधवा में गेंडे का पुनर्वास इसी सोच का परिणाम है। यह आवश्यक है कि हम गैंडों के महत्व को केवल एक आकर्षक जीव के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें पारिस्थितिकी तंत्र के एक अनिवार्य अंग के रूप में समझें। उनके संरक्षण में ही हमारे वनों, जलवायु, जैव विविधता और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित है।

अतीत में दुश्मन की तलवार से रक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाली ढाल गैंडे की खाल से बनाई जाती थी। युद्ध के मैदान में ढाल बना गैंडा आज स्वयं के अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

प्रसंगवश

नौदिवसीय अंतर्मन की यात्रा है नवरात्रि पर्व

शारदीय नवरात्रि आज 22 सितंबर से आरंभ हो रहे हैं। मां दुर्गा की उपासना का यह पर्व देश भर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। मातृशक्ति को समर्पित इस पर्व में जनजीवन में ऊर्जा की स्थापना होती है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा के द्वारा शक्ति की याचना की जाती है। समाज में फैले विकारों के उन्मूलन के लिए पवित्र विचारों की सृष्टि का निर्माण इस पर्व पर होता है। आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो जाएगा। माँ दुर्गा के एक एक स्वरूप की हर दिन पूजा अर्चना का विधान है। 'यं यं चिन्तयति कामं तं तं प्राप्नोति निश्चितम्' ऐसा श्लोक दुर्गा सप्तशती में आता है, जिसका अर्थ है कि मां की उपासना उनके भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी कर देती हैं। देवी भागवत में एक प्रसंग आता है, जिसमें मां भगवती भगवान श्रीकृष्ण के ऊपर आए संकट को टालती हैं।

रमा निवास तिवारी

लेखक

बात उस समय की है जब भगवान श्रीकृष्ण द्वारिकाधीश हुए। उनके राज्य में सतराजीत नाम का एक व्यक्ति था, जो सूर्य जी का उपासक था। सूर्य देव ने उसकी पूजा से प्रसन्न होकर उसे स्यामंतक नाम की मणि भेंट की, जो रोज स्वर्ण मुद्राओं को देने वाली थी। जब श्रीकृष्ण को इस बात की खबर लगी तो उन्होंने सतराजीत से वह मणि यह कहकर मांगी कि इस मणि की उसे क्या आवश्यकता है। यह मणि राजा के पास रहेगी तो राजकोष समृद्ध होगा, लेकिन सतराजीत ने भगवान श्रीकृष्ण को स्यामंतक मणि देने से इंकार कर दिया। कथा आती है कि उसी के बाद एक दिन अचानक सतराजीत का मृत शरीर जंगल में प्राप्त हुआ और स्यामंतक मणि का कोई अता-पता नही लग रहा था।

लोगों में यह बात फैल गई कि मणि को जबरन प्राप्त करने के लिए कृष्ण जी ने सतराजीत को मार दिया होगा और मणि स्वयं रख ली होगी। सच्चाई का पता लगाने के लिए श्रीकृष्ण जंगल की ओर प्रस्थान कर गए। कुछ दिन जब वापस नहीं लौटे, तो वसुदेव ने मां भगवती की विशेष पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण जंगल से सकुशल मां भवानी की कृपा से आ गए और मणि चोरी का लांछन भी उनके ऊपर से हट गया।

हम जीवों की कोई क्या कहे, मां की करुणा तो देवताओं का भी उद्धार करती रही हैं। महिषासुर और शुंभ निशुंभ जैसे दुर्दांत दैत्यों का विनाश करने वाली भगवती की कृपा उनके भक्तों के सभी आदिदैविक, आदिभौतिक और आदिदैविक कष्टों का निवारण कर देती हैं। मां की कृपा, करुणा अपरंपार है। नवरात्रि के पावन अवसर पर माता के चरणों में अपना सुख दुःख निवेदित करने को माता के भक्त तैयार हैं। गांव-गांव शहर-शहर माता की सुंदर झांकियों के पंडाल सजाए जा रहे हैं, जहां नवरात्रि भर मां की ममता भरी छांव में भजन कीर्तन और स्तवन का क्रम चलता रहेगा।

बालिकाओं को माता के रूपों में देखने की दृष्टि भी नवरात्रि के पर्व पर समाज को मिलती है। दुर्गा पूजा के बहाने ही सही नारी सम्मान की अवधारणा की एक लकीर भी स्वतः खिंचती दिखाई देती है। दुर्गा पूजा समाज को नारी शक्ति का एहसास भी कराती है। नवरात्रि पर्व केवल आध्यात्मिक अर्थों में ही सीमित नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक स्तर पर वह व्यक्ति-व्यक्ति के अंतर्मन की नौदिवसीय यात्रा है, जिसमें उसके जीवन की मलिनता का परिष्करण एक-एक दिन करके होती है और नौदिवसीय इस मानसिक विकारों के शोधन के उपरांत जब अंतस में सद्गुणों का प्रादुर्भाव हो जाता है, तो विजयादशमी के दिन अज्ञानता और अवगुणों का रावण मारा जाता है।

सोशल फोरम

यूरोप: सांस्कृतिक उत्सव है यहां फुटबाल का खेल

अभिजीत 'जनार्दन'

ब्लॉगर

यूरोप में फुटबॉल केवल एक खेल नहीं है। यह एक धर्म, एक संस्कृति और एक जीवन शैली है। यह एक ऐसा जुनून है जो उम्र, लिंग और सामाजिक सीमाओं को पार करता है, जो लोगों को एकजुट करता है और उन्हें भावनाओं के रोलरकोस्टर पर ले जाता है। यूरोप में फुटबॉल की दीवानगी को समझने के लिए हमें इसके ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को देखना होगा।

फुटबॉल की जड़ें यूरोप में गहरी हैं। 19वीं सदी में इंग्लैंड में आधुनिक फुटबॉल का जन्म हुआ और जल्द ही यह पूरे महाद्वीप में फैल गया। फीफा (Fdration Internationale de Football Association) की स्थापना 1904 में पेरिस में हुई और तब से यूरोप फुटबॉल का वैश्विक केंद्र बना हुआ है। यूईएफए चैंपियंस लीग, प्रीमियर लीग, ला लीगा और बुंडेसलीगा जैसे टूर्नामेंट और लीग ने फुटबॉल को एक वैश्विक विषय बना दिया है।

यूरोप में फुटबॉल केवल 90 मिनट का खेल नहीं है, यह एक सामाजिक घटना है जो समुदायों को एकजुट करती है। स्टेडियम में हजारों प्रशंसकों का एक साथ नारे लगाना, अपने क्लब के रंगों में सजना और हर गोल पर उन्मादपूर्ण उत्सव मनाना- यह सब फुटबॉल की दीवानगी का हिस्सा है।

क्लब- जैसे मैनचेस्टर यूनाइटेड, बार्सिलोना, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख न केवल खेल की संस्थाएं हैं, बल्कि स्थानीय और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक भी हैं। प्रशंसकों के बीच यह जुनून पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है। एक बच्चा अपने परिवार के साथ पहला मैच देखता है और उसका पसंदीदा क्लब उसके दिल में हमेशा के लिए बस जाता है। यह दीवानगी केवल स्टेडियम तक सीमित नहीं है। पब, कैफे और घरों में लोग टीवी स्क्रीन के सामने इकट्ठा होते हैंय हर पास, हर टैकल और हर गोल पर भावनाओं का ज्वार उमड़ता है। यूरोप में फुटबॉल एक विशाल उद्योग है। प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट अरबों डॉलर की कमाई करते हैं और खिलाड़ी जैसे लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और ब्रूनो फर्नांडीस वैश्विक सुपरस्टार हैं। प्रशंसक पसंदीदा खिलाड़ियों की जर्सी, स्कार्फ और अन्य मर्चेंडाइज खरीदने के लिए लाखों खर्च करते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

ऐसा तो कभी भी नहीं था हमारा पहाड़!

उत्तराखंड में 15 सितंबर को देहरादून और उसके बाद 18 सितंबर को गोपेश्वर चमोली में मानसूनी बारिश के कारण हुई जबरदस्त तबाही ने धराली और थराली के साथ ही कुमाऊं क्षेत्र में आई आपदा से मिले जख्मों को फिर से ताजा कर दिया है। 15 सितंबर की बारिश के बाद आपदा के कारण जहां दो दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई। कई लोग लापता और घायल हो गए। अभी यहां राहत और बचाव कार्य चल ही रहा है कि चमोली के गोपेश्वर में आपदा का पहाड़ टूट पड़ा। इसमें सात लोगों की मौत होने की खबर है और 45 घर तबाह हो चुके हैं।

पहाड़ों में लगातार हो रही इन आपदाओं ने एक बार फिर हमें सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दिन-प्रतिदिन विकराल होती और एक के बाद एक हो रही इन आपदाओं का मूल कारण क्या हैं? या यूं भी कह सकते हैं कि सब कुछ जानने-समझने के बाद भी समय रहते ठोस उपाय नहीं हुए और हालात अब एक तरह से बेकाबू हो चुके हैं। पहाड़ों में आपदाएं तो आती रही हैं, लेकिन उनका स्वरूप इतना विस्तृत क्षेत्र तक नहीं था और न ही वह इतनी विकराल थीं। आधुनिक विकास के नाम पर जहां-जहां भूखनन और वन माफिया पहुंचा वहां-वहां पीछे से आपदा भी पहुंच गई।

अरविंद जयतिलक

लेखक

गौर करें तो हमारे बचपन का पहाड़ आज की तरह कष्टकारी और जीवन लीलने वाला नहीं था। मेरा पहाड़ बहुत खूबसूरत, शांत और सुखदाई था, लेकिन न जाने किसकी नजर लग गई पहाड़ को! अब तो जिधर देखो उधर मौतों का, तबाही का खौफनाक मंजर नजर आता है। हां, बारिश तो तब भी होती थी, लगातार सात दिन तक मूसलाधार बारिश, जिसको हम सतझड़ कहते थे। मेरे गांव के चारों तरफ के गधेरे पानी से लबालब किसी गुस्सैल सांप की तरह सरसराते हुए निकल जाते और सामने की पहाड़ियों पर भी कुछ ऐसा ही नजारा होता, गधेरे ही गधेरे और पानी ही पानी।

पहाड़ी का नजारा ऐसा होता, मानो एक पहाड़ी से दर्जनों झरने फूट पड़े हों, लेकिन तब तो कभी ऐसी भीषण तबाही नहीं हुई। तब तो किसी का जीवन नहीं लीला और न ही किसी का घर जमींदोज हुआ, लेकिन आज पहाड़ को माफियाओं की नजर लग गई। खनन माफियाओं की नजर नदी-नालों तो वन माफियाओं की पेड़ों पर है। भू माफिया खेत खलिहानों और पहाड़ों को काट-काटकर बड़ी-बड़ी अट्टालिकाएं बनाकर प्रकृति से मिला सुख चैन लूटकर पैसा कमा रहे हैं। उन्हें किसी के मर जाने, मिट जाने की परवाह नहीं है और न किसी के तबाह हो जाने की। वे तो पैसों से अपना घर भरकर मौज काट रहे हैं और पहाड़ों का सीना चीरने के बाद प्रकृति के रौद्र रूप का शिकार स्थानीय लोग ही बनते हैं। कौन जाने उन स्थानीय लोगों का दर्द। मंदिरों को भी पर्यटक स्थल बनाकर देवी-देवताओं की शांति और एकांत में खलल डाला जा रहा है।

धन की चाह में माफिया, पहाड़ों की शांति, सुख, चैन, हरियाली और प्राकृतिक संपदा को नष्ट करने पर तुले हैं, लेकिन कोई भी उसे रोकने वाला नहीं है, क्योंकि बहती गंगा में सभी हाथ धो लेना चाहते हैं और भर लेना चाहते हैं नोटों से अपना घर। देश-विदेश के सैलानी शीतकालीन पर्यटन और साहसिक खेलों के लिए उत्तराखंड आते हैं। हमें पहाड़ के विकास के लिए विनाशकारी फैसलों से बचना होगा, क्योंकि उत्तराखंड के लिए राजस्व का एक बड़ा हिस्सा पर्यटन से ही आता है, लेकिन जब पहाड़ ही सुरक्षित नहीं होंगे तो सुखद पर्यटन की कल्पना बेमानी होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हाइड्रोजन बदलेगा परिवहन का भविष्य

दुनिया आज ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन के दबाव में घिरी हुई है। प्रदूषण, बढ़ता कार्बन उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता ने मानवता को वैकल्पिक और टिकाऊ ऊर्जा साधनों की ओर मोड़ दिया है। बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहनों ने परिवहन क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत की है, लेकिन अब हाइड्रोजन आधारित गाड़ियां-फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल या एफसीईवी-धीरे-धीरे इस क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं। इन वाहनों से न केवल परिवहन का स्वरूप बदल सकता है, बल्कि यह पूरी ऊर्जा व्यवस्था को भी नई दिशा दे सकते हैं। भारत भी इस दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ा रहा है और आने वाले वर्षों में वैश्विक परिदृश्य में अहम भूमिका निभा सकता है। भारत का परिवहन पारंपरिक ईंधन से स्वच्छ, टिकाऊ और बहु-ऊर्जा समाधानों की दिशा में बढ़ रहा है। भारत की सड़कों पर लंबे समय से पेट्रोल और डीज़ल वाहनों का राज रहा है। ये वाहन देश की गतिशीलता का आधार रहे हैं, लेकिन बढ़ते प्रदूषण और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता ने धीरे-धीरे चिंता बढ़ा दी। हाल ही में E20 पेट्रोल को लेकर सार्वजनिक और तकनीकी चर्चाएं तेज़ हो गईं।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

आम लोगों और विशेषज्ञों ने इसके इंजन संगतता, प्रदर्शन और दीर्घकालिक भरोसे को लेकर सवाल उठाए। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया कि केवल पारंपरिक ईंधन में बदलाव-चाहे वह E20 ही क्यों न हो-दीर्घकालीन समाधान नहीं दे सकता।

हाइड्रोजन वाहनों का संचालन सरल

हाइड्रोजन वाहनों का संचालन सरल दिखता है, लेकिन तकनीक बेहद दिलचस्प है। कार में एक विशेष टैंक में हाइड्रोजन गैस भरी जाती है। जब यह फ्यूल सेल में हवा से आने वाले ऑक्सीजन के संपर्क में आती है, तो रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और बिजली उत्पन्न होती है। यही बिजली मोटर को चलाती है। उप-उत्पाद केवल जल वाष्प है-कोई धुआं, कोई कार्बन नहीं। यही कारण है कि हाइड्रोजन वाहनों को भविष्य का वाहक कहा जाता है।

दुनिया का अधिकांश हाइड्रोजन प्राकृतिक गैस से तैयार होता है, जिसे ग्रे हाइड्रोजन कहा जाता है। इसमें भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है। अगर प्राकृतिक गैस से हाइड्रोजन बनाते समय कार्बन कैप्चर तकनीक का इस्तेमाल किया जाए तो यह ब्लू हाइड्रोजन कहलाता है। सबसे टिकाऊ विकल्प है ग्रीन हाइड्रोजन, जो सौर या पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा से इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया द्वारा बनता है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की "ग्लोबल हाइड्रोजन रिव्यू 2024" के अनुसार, 2023 में वैश्विक उत्पादन लगभग 97 मिलियन टन रहा, लेकिन ग्रीन हाइड्रोजन का हिस्सा अभी भी 1 प्रतिशत से भी कम है। यही कारण है कि लागत कम करना और बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

चुनौतीपूर्ण है भंडारण और परिवहन

भंडारण और परिवहन भी चुनौतीपूर्ण हैं। हाइड्रोजन हल्की और सक्रिय गैस है, जिसे उच्च दाब वाले टैंकों या अत्यधिक कम तापमान पर तरल रूप में रखना पड़ता है। इसलिए हाइड्रोजन स्टेशनों का निर्माण पेट्रोल पंप की तुलना में महंगा और जटिल है। 2024 तक दुनिया में लगभग 1,000 हाइड्रोजन स्टेशन सक्रिय या निर्माणाधीन थे। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और चीन प्रमुख केंद्र हैं, जबकि अमेरिका में कैलिफ़ोर्निया इसका केंद्र बना हुआ है।

हाइड्रोजन उत्पादन में भारत की स्थिति

भारत में स्थिति अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन गति पकड़ रही है। जनवरी 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया, बजट 19,744 करोड़ रुपये। इसका लक्ष्य 2030 तक भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग में अग्रणी बनाना है। इसी के अंतर्गत 2024 में परिवहन क्षेत्र में पांच पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए, जिनमें 37 वाहन और नौ हाइड्रोजन स्टेशन शामिल हैं। ये बसें और ट्रक देशभर के अलग-अलग मार्गों पर चलकर तकनीकी और आर्थिक संभावनाओं का परीक्षण करेंगे। इस पहल में टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, रिलायंस, अशोक लेलैंड और कई तेल कंपनियां शामिल हैं।

रेलवे में भी है बड़ी भूमिका

भारत का हाइड्रोजन सफ़र केवल सड़क परिवहन तक सीमित नहीं है। रेलवे ने भी इसमें बड़ा कदम उठाया है। भारतीय रेलवे ने 2025 में जींद-सोनीपत मार्ग पर देश का पहला हाइड्रोजन चालित कोच परीक्षण के दौर से सफलतापूर्वक गुजारा। यह 1,200 हॉर्सपावर इंजन वाला कोच 35 हाइड्रोजन-चालित ट्रेनों के "हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज" मिशन का हिस्सा बनेगा। प्रत्येक ट्रेन का निर्माण अनुमानित 80 करोड़ रुपये है और आधारभूत संरचना के लिए 70 करोड़ रुपये अतिरिक्त। रेलवे ने मौजूदा डीज़ल-इलेक्ट्रिक यूनिट को हाइड्रोजन फ्यूल सेल में बदलने के लिए 111.83 करोड़ रुपये का पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। यह पहल भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देती है जो रेल परिवहन को पूरी तरह हरित बनाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं।

कॉरपोरेट क्षेत्र में भी सक्रिय

कॉरपोरेट क्षेत्र भी इस दिशा में सक्रिय है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 2022 में मिराई कार का पायलट प्रोजेक्ट भारत में शुरू किया था। इसके बाद 2025 में टोयोटा और बेंगलुरु स्थित ओहिमयम इंटरनेशनल ने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन आधारित पावर सॉल्यूशंस विकसित करना है। इसका मतलब है कि भविष्य में हाइड्रोजन का उपयोग न केवल गाड़ियों में बल्कि डेटा सेंटर, दूरस्थ इलाक़ों और उद्योगों में भी बिजली आपूर्ति के लिए किया जा सकेगा। यह सहयोग 'मेक इन इंडिया' की भावना को मज़बूत करता है और दिखाता है कि भारत स्थानीय तकनीक और वैश्विक विशेषज्ञता को जोड़कर आत्मनिर्भर हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

पेट्रोल-डीजल की तुलना में कम प्रदूषण

हाइड्रोजन गाड़ियों के लाभ स्पष्ट हैं। पेट्रोल-डीज़ल के विपरीत, इनमें से कोई प्रदूषण नहीं निकलता। बैटरी गाड़ियों की तुलना में इन्हें चार्ज करने की बजाय हाइड्रोजन भरने में सिर्फ़ कुछ ही मिनट लगते हैं। इनकी रेंज भी लंबी होती है, जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा और भारी वाहनों के लिए आदर्श विकल्प साबित हो सकती हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ मानते हैं कि निजी कारों से कहीं अधिक हाइड्रोजन का उपयोग बसों, ट्रकों, ट्रेनों और जहाज़ों जैसे बड़े वाहनों में होगा।

चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। ग्रीन हाइड्रोजन अभी महंगी है, उत्पादन सीमित है और इन्फ्रास्ट्रक्चर अधूरा है। इसके अलावा बैटरी गाड़ियां पहले से ही बाज़ार में मज़बूत पकड़ बना चुकी हैं। इसलिए नीति और उद्योग जगत को मिलकर हाइड्रोजन तकनीक को किफ़ायती और व्यवहार्य बनाना होगा। हालांकि, भारतीय नीति निर्माता और उद्योगपति इस दिशा में जिस तरह पहल कर रहे हैं, उससे साफ है कि आने वाले दशक में भारत हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था का अहम केंद्र बन सकता है। आज जब दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तलाश में है, भारत ने हाइड्रोजन को अपनी प्राथमिकता में शामिल कर यह संदेश दिया है कि हम केवल उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि नवाचार और नेतृत्व करने वाले राष्ट्र भी बन सकते हैं। चाहे वह सड़कों पर दौड़ती बसें हों, माल ढोते ट्रक, रेल की पटरियों पर दौड़ती ट्रेनें या फिर उद्योगों के लिए ऊर्जा समाधान-हर जगह भारत हाइड्रोजन तकनीक को अपनाने की तैयारी कर रहा है। यह यात्रा अभी लंबी है, लेकिन दिशा स्पष्ट है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में आई तेजी

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। शहरों में निजी कारें, सार्वजनिक परिवहन की बसें, ऑटो-रिक्शा और बाइकें इलेक्ट्रिक होने लगी हैं। चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार और सब्सिडी नीतियों ने इसे प्रोत्साहित किया है। लेकिन इन वाहनों की कुछ सीमाएं भी हैं, जैसे लंबी दूरी की यात्रा, चार्जिंग समय और भारी वाहन जैसे ट्रक और बसों में बैटरी की भारी लागत। इन्हीं सबके बीच नीति निर्माताओं और उद्योग जगत ने भविष्य के परिवहन के लिए और अधिक स्वच्छ, टिकाऊ और शक्तिशाली विकल्प तलाशने की प्रक्रिया में हाइड्रोजन वाहनों के लिए खाका तैयार करना शुरू कर दिया। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक लंबी दूरी तय करने में सक्षम है, रिफ्यूलिंग पेट्रोल-डीज़ल जितनी तेज़ होती है और भारी वाहन चलाने में बैटरी की तुलना में अधिक कुशल है।

हाइड्रोजन की कहानी कोई आज की नहीं है। इसकी नींव लगभग दो सौ साल पहले रखी जा चुकी थी। उन्नीसवीं सदी के मध्य में ब्रिटिश वैज्ञानिक सर विलियम ग्रोव ने यह दिखाया कि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से बिजली उत्पन्न की जा सकती है। यही सिद्धांत आज की फ्यूल सेल तकनीक की बुनियाद है। 1966 में जनरल मोटर्स ने पहली बार "इलेक्ट्रोवैन" नामक फ्यूल सेल वैन बनाकर इतिहास रचा। यह प्रयोगात्मक वाहन था, लेकिन संभावनाओं का द्वार खोल गया।

1990 के दशक में कनाडा की बैलार्ड पावर सिस्टम्स और जापान की होंडा जैसी कंपनियों ने अनुसंधान को तेज़ किया और 2008 में होंडा ने सीमित स्तर पर एफसीएक्स क्लैरिटी कार बाज़ार में उतारी। असली बदलाव तब आया जब 2014 में टोयोटा ने "मिराई" कार को व्यावसायिक स्तर पर लॉन्च किया। इसके बाद ह्युंडई ने 2018 में नेक्सो पेश की और होंडा ने भी अपने प्रयोग आगे बढ़ाए। आज दुनियाभर में हज़ारों हाइड्रोजन कारें सड़कों पर दौड़ रही हैं।

समझें टायरों का मिजाज और अंदाज

कारों में लगे टायर अपने रंग-रूप में एक जैसे नजर आते हैं, लेकिन इनके भी अपने मिजाज और अंदाज होते हैं। आप कार में नया टायर डलवाने वाले हैं तो आपको अपनी जरूरत के हिसाब से ही टायर चुनना चाहिए। अहम बात यह है कि आपको समझना होगा कि आप कार कहां चला रहे हैं और वहां का मौसम कैसा है? जी हां, इलाकों के मौसम के मिजाज के हिसाब से ही टायर का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि आप लॉन्ग ड्राइव पर जाएं तो आपको कोई दिक्कत न हो। आइए आपको बताते हैं कि इनकी खास बात...-*फीचर डेस्क*

- **समर टायरः** इसे स्टैंडर्ड टायर भी कहते हैं। ये टायर गर्म इलाकों के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह सूखी और गीली दोनों तरह की सड़कों पर अच्छी पकड़ के साथ चलते हैं। इसमें खास तरह का नरम रबर यूज होता है। ठंडे मौसम में इनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहता।
- **विंटर टायरः** बर्फीले इलाकों में इस टायर की परफार्मेंस अच्छी रहती है। इसमें बड़ी संख्या में खांचे होते हैं। तापमान गिरने पर यह लचीले बने रहते हैं और अनुकूलित रहते हैं। इन टायरों का इस्तेमाल उन्हीं जगहों पर किया जाता है, जहां बर्फबारी होती है या फिर तापमान काफी नीचे चला जाता है।
- **ऑल सीजन टायरः** यह टायर सामान्य मौसम के लिए फिट होता है। हालांकि, ये सीजनल टायरों की तरह बहुत गर्मी या बहुत सर्दी के लिए अनुकूलित नहीं होते। इन्हे सामान्य स्थिति में ही उपयोग किया जा सकता है।
- **हाई परफॉरमेंस टायरः** यह ऐसे टायर होते हैं, जो तेज गति से चलने वाली कारों में यूज किया जाता है। यह बेहतर पकड़ और उच्च गति से निपटने में माहिर होते हैं। मूल रूप से यह स्पोर्ट्स कारों में ही यूज होते हैं। नार्मल कारों के लिए यह टायर नहीं हैं।
- **ऑल टेरेन टायरः** इसे एटी टायर भी कहते हैं। यह विभिन्न रास्तों के लिए बेहतरीन होते हैं। हाईवे, बजरी या कच्ची सड़कों पर यह बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- **ऑफरोडिंग टायरः** इसे मड टेरेन या एमटी टायर भी कहते हैं। यह कीचड़ और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर अच्छी परफॉर्मेंस देते हैं। इन टायरों को कठिन परिस्थितियों में अधिकतम घर्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- **रन-फ्लैट टायरः** पंक्चर होने या हवा निकल जाने के बाद भी इन टायरों को कुछ दूर तक चलाया जा सकता है। यह पंचर हालत में चलाए जाने पर भी सुरक्षित रहते हैं।
- **ट्यूबलेस टायरः** जैसा कि नाम से ही जाहिर है कि इन टायरों में ट्यूब नहीं होती। पंक्चर होने पर यह कम नुकसान पहुंचाते हैं।
- **टूरिंग टायरः** इन्हें बेहतर हैंडलिंग और स्मूथ राइड के लिए जाना जाता है। इनका यूज सेडान और मिनीवैन जैसी गाड़ियों में किया जाता है।

ऑटो टिप्स

बाइक को कैसे रखें फिट

नियमित सर्विस कराएं
- समय-समय पर अधिकृत सर्विस सेंटर या अच्छे मैकेनिक से सर्विस करवाएं।
- इंजन ऑयल समय पर बदलना सबसे जरूरी है।

इंजन ऑयल चेक करें
- हर 2000-2500 किमी पर इंजन ऑयल की स्थिति देखें।
- गंदा या कम ऑयल बाइक के इंजन को नुकसान पहुंचा सकता है।

टायर और हवा का दबाव
- टायर में हवा का दबाव हमेशा कंपनी की सलाह के अनुसार रखें।
- टायर की ग्रिप और घिसाव पर ध्यान दें।

ब्रेक की देखभाल
- ब्रेक ऑयल और ब्रेक शूज/पैड की जांच करें।
- समय पर बदलें ताकि सड़क पर फिसलन या हादसे से बचा जा सके।

बैटरी का ध्यान रखें
- समय-समय पर बैटरी का पानी (अगर नॉन-सील्ड बैटरी है) देखें।
- बाइक को लंबे समय तक स्टार्ट किए बिना खड़ा न रखें।

चेन की सफाई और ग्रीसिंग
- हर 500-700 किमी पर चेन को साफ करके ग्रीस या ल्यूब्रिकेंट लगाएं।
- इससे रगड़ कम होगी और चलाने में स्मूथनेस आएगी।

फ्यूल की क्वालिटी
- हमेशा अच्छी और भरोसेमंद पेट्रोल पंप से फ्यूल भरवाएं।
- गंदा फ्यूल कार्बोरेटर/इंजेक्टर को नुकसान पहुंचाता है।

सही तरीके से चलाएं
- अचानक एक्सेलेरेशन या ब्रेक लगाने से बचें।
- लंबी दूरी पर समान स्पीड में चलाना इंजन के लिए अच्छा है।

कवर करके रखें
- बाइक को धूप, बारिश और धूल से बचाने के लिए कवर का इस्तेमाल करें। इससे पेंट और प्लास्टिक पार्ट्स लंबे समय तक अच्छे रहते हैं।
- नियमित सफाई
- बाइक को साफ-सुथरा रखें।
- धूल और गंदगी बाइक की परफॉर्मेंस और लुक दोनों खराब करती है।

शानदार परफॉर्मेंस के साथ खास बनी टाटा हैरियर ईवी

टाटा हैरियर ईवी अपने बेहतर फीचर के साथ लोगों को काफी आकर्षित कर रही है। इसके चलते टाटा हैरियर की बुकिंग तीन माह से साढ़े तीन माह तक पहुंच चुकी है। वहीं नवरात्रि और दीपावली के दौरान यह बुकिंग छह माह तक पहुंच सकती है।

टाटा मोटर्स के सेल्स एग्ज्यूकेटिव समीर राय ने बताया कि टाटा हैरियर ईवी अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए लोगों के बीच खास बनी हुई है। उन्होंने बताया कि टाटा हैरियर 6.3 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है। इसके अलावा एडवांस लेवल-2 अडास, रिमोट से ऑपरेट होने वाला समन मोड, व्हीकल-टू-लोड व व्हीकल-टू-व्हीकल चार्जिंग सपोर्ट जैसे कई खास फीचर्स शामिल हैं।

टाटा हैरियर एक बार चार्जिंग होने के बाद साढ़े 600 किलोमीटर तक रन करती है। टाटा हैरियर ईवी में इको, सिटी, स्पोर्ट और बूस्ट जैसे 7 से 8 ड्राइविंग मोड हैं। इसके अलावा ऑटो पार्किंग की सुविधा भी मौजूद है। इसके अलावा 360 डिग्री कैमरा लगा हुआ है। बैटरी में अनलिमिटेड समय की गारंटी है। उन्होंने बताया कि सनरूफ वाइस के साथ खुलता ओर बंद होता है। सबसे खास बात यह है कि टाटा हैरियर की गाड़ी को अलग-अलक तरीके से ऑटो पार्क कर सकते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से टाटा हैरियर में फाइव स्टार की ग्रेडिंग है और कार में छह एयरबैग लगे हुए हैं। इसके अलावा, कोहरे में फॉगलैंप के माध्यम से गाड़ी को चलाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। उन्होंने बताया कि टाटा हैरियर की शुरूआती कीमत 21 लाख 75 हजार रुपये है।

भारत का ऑनलाइन घरेलू सेवा बाजार होगा 88 अरब रुपये

नई दिल्ली। भारत का ऑनलाइन घरेलू सेवा बाजार 18-22% की दर से बढ़कर वित्त वर्ष 2029-30 तक 85-88 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। इस बाजार को सुविधा, विश्वसनीयता और गति की बढ़ती शहरी मांग से समर्थन मिल रहा है। परामर्श फर्म रेडसीर ने कहा कि 'क्विक कॉमर्स' को व्यापक रूप से अपनाने के बाद, तत्काल घरेलू सेवा भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में अगले क्षेत्र के रूप में उभर रही है। समय की कमी से जूझ रहे शहरी उपभोक्ताओं के बीच यह लोकप्रिय हो रही है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार ,22 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1840, फ़ॉर्चून कि . 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2050, सूरज 1975, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1895, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2165, चक्र टिन 2375, ब्लू 2125, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2570

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 3200, बासमती- 9100, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 7300, साबुत चना दाल- 7000, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12200-14100, दाल उड़द- 9200, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7100, उड़द साबुत- 8400, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9200

जीएसटी 2.0 : वस्तुएं होंगी आज से सस्ती, कंपनियों को होगा लाभ

नवरात्र से त्योहारी सत्र शुरू, खपत में वृद्धि व बिक्री में उछाल की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

रोजमर्रा की जरूरतों का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने जीएसटी कटौती करते हुए कीमतें कम की है। ऐसे में सोमवार से साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी और तेल जैसी वस्तुएं सस्ती होंगी। आगामी त्योहारी सत्र, जो नवरात्रि के साथ शुरू होता है, के दौरान खपत में वृद्धि और बिक्री में उछाल की उम्मीद है।

एफएमसीजी कंपनियों ने जीएसटी 2.0 के लाभों को बिना किसी देरी के उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। इन कंपनियों ने 22 सितंबर से साबुन, शैम्पू, बेबी डायपर, मंजन, रेजर और आफ्टर-शेव लोशन सहित अपने उत्पादों की अधिकतम खुदरा मूल्य की संशोधित सूची जारी की है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को जीएसटी दर में कटौती का लाभ देना है। प्रॉक्टर एंड गैंबल, इमामी और एचयूएल जैसी कंपनियों ने नई मूल्य सूची जारी की हैं। इसके बारे में कंपनियों की वेबसाइट के माध्यम से उनके संबंधित वितरकों और उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है।

प्रॉक्टर एंड गैंबल ने अपने उत्पादों की एक संशोधित सूची जारी की है। इसमें उसने विक्स, हेड एंड शोल्डर्स, पैंटीन, पैम्पर्स (डायपर), जिलेट, ओल्ड स्पाइस और ओरल-बी आदि ब्रांड के उत्पादों की कीमतों में कमी की है। पीएंडजी इंडिया ने बच्चों के देखभाल से जुड़े उत्पादों के दाम भी कम किए हैं। इन उत्पादों में डायपर पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत और बेबी वाइप्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो जाएगा। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी जिलेट और ओल्ड स्पाइस की कीमतों में भी कमी करने जा रही है। इमामी बोरोप्लस एंटीसेप्टिक क्रीम, नवरत्न आयुर्वेदिक तेल और झंडू बाम आदि की कीमतें भी कम हो रही हैं।

एचयूएल ने भी घटाएगा उत्पादों की कीमत

एचयूएल ने भी जीएसटी सुधारों के बाद 22 सितंबर से डव शैम्पू, हॉर्लिक्स, किसान जैम, ब्रू कॉफी, लक्स और लाइफबॉय साबुन सहित अपने उपभोक्ता उत्पाद रेंज की कीमतों में कमी करने की घोषणा की है। जीएसटी परिषद ने इस महीने की शुरुआत में माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया है। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी।

होटल में 7,500 तक वाले कमरे होंगे 525 रुपये तक सस्ते

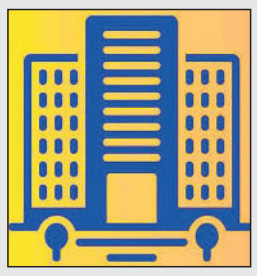

नई दिल्ली। नई जीएसटी दरें लागू होने के साथ होटल में 7,500 रुपये या उससे कम किराये वाले कमरे सोमवार से 525 रुपये तक सस्ते हो जाएंगे। आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गजों ने कहा कि होटल उद्योग के लिए, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बिना जीएसटी की दरों को 12 से घटाकर 5% करने से वृद्धि को समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे राजस्व में वृद्धि होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और होटल देश भर में मेहमानों को बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। इस समय 7,500 रुपये तक के दैनिक किराये वाले होटल के कमरों पर आईटीसी के साथ 12% कर लगता है। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, इस कटौती से कमरे का किराया 7% सस्ता होगा। इसी प्रकार यात्रियों को भोजन पर जीएसटी का लाभ भी मिलेगा। रेडिसन होटल समूह के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीओओ निखिल शर्मा ने बताया कि सरलीकृत कर संरचना होटल संचालकों और यात्रियों के लिए स्पष्टता लाएगी। रमाडा जैसे ब्रांड के मालिक, विन्धम होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के यूरेशिया बाजार के प्रबंध निदेशक राहुल मैकरियस ने कहा कि भारत का यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र मजबूती से बढ़ रहा है और जीएसटी सुधार बिल्कुल सही समय पर आया है।

टीवी के दाम 2,500 से 85,000 रुपये तक घटेंगे

जीएसटी कटौती के बाद टेलीविजन (टीवी) विनिर्माता कीमतों में 2,500 से 85,000 रुपये तक की कमी करने जा रहे हैं। टीवी विनिर्माताओं को सोमवार से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री की उम्मीद है। खपत को बढ़ाने के प्रयास में, जीएसटी परिषद ने 22 सितंबर (नवरात्रि के पहले दिन) से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती करने का फैसला किया था, जिससे टेलीविजन और एसी, वॉशिंग मशीन जैसे कई उत्पादों की कीमतें कम हो गई हैं। 32 इंच से अधिक स्क्रीन साइज वाले टीवी सेट पर मौजूदा शुल्क 28 से घटकर 18% होगा। टीवी विनिर्माताओं ने स्क्रीन साइज और खूबियों के आधार पर कीमतों में 2,500 रुपये से 85,000 रुपये के बीच कटौती की घोषणा की है, ताकि जीएसटी में 10% की कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। टीवी उद्योग, जिसने इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल से सितंबर) में लगभग स्थिर बिक्री दर्ज की है।

पतंजलि फूड्स ने घटाई उत्पादों की कीमत

पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने सोयाबीन बड़ी सहित विभिन्न उत्पादों की अधिकतम खुदरा कीमतों (एमआरपी) में कमी की है। पतंजलि फूड्स ने कहा गया कि संशोधित कीमतें खाद्य और गैर-खाद्य श्रेणियों की पूरी श्रृंखला पर लागू होंगी। पतंजलि फूड्स ने सोयाबीन बड़ी की कीमतें भी घटाई हैं। न्यूट्रेला चंक्स, मिनी चंक्स और ग्रैन्यूल्स (एक किलो पैक) सोमवार से 190 रुपये में बिकेंगे, जो 210 रुपये हैं। वहीं, 200 ग्राम पैक में 3 रुपये की छूट मिलेगी। बिस्कुट और कुकीज श्रेणी में दूध बिस्कुट (35 ग्राम) 4 .5, नूडल्स (50 ग्राम) 9 .35 रुपये में बेचे जाएंगे। दांतों और बालों के उत्पादों में दंत कांति 200 ग्राम 106 और केश कांति आंवला हेयर ऑयल (100 मिली) 42 रुपये में बिकेंगे। स्वास्थ्य एवं आरोग्य उत्पादों में आंवला जूस (एक लीटर) 140 रुपये, स्पेशल च्यवनप्राश के एक किग्रा पैक अब 337 रुपये होगी। डेयरी उत्पादों में गाय के घी (900 मिली) की कीमत 732 रुपये कर दी है।

किस पर जीएसटी दरों में कितनी आई कमी

नंबर	आइटम	पुरानी दर	नई दर
	भोजन और रसोई		
1	पनीर/छेना (पैक)	5%	0%
2	यूएचटी दूध (टेट्रा-पैक दूध)	5%	0%
3	पराठे और भारतीय रोटियां (सभी नाम)	18%	0%
4	खाखरा, पिज़्ज़ा ब्रेड	5%	0%
5	बटर/ घी/ डेयरी स्प्रेड	12%	5%
6	चीज/पनीर	12%	5%
7	सूखे मेवे	12%	5%
8	चॉकलेट, पेस्ट्री, केक, बिस्कुट, जैम	18%	5%
9	नमकीन/भुजिया/मिक्सचर/चबेना (पैक्ड)	12%	5%
10	पास्ता/स्पेगेटी/मैकरोनी/नूडल्स	12%	5%
11	कॉर्न फ्लेक्स और अन्य अनाज के फ्लेक्स	18%	5%
12	अचार, फल और सब्जी के रस, नारियल पानी (पैक)	12%	5%
13	परिष्कृत चीनी और चीनी क्यूब्स	12%	5%
14	कॉफी	18%	5%
15	करी पेस्ट, मेयोनेज़, सलाद ड्रेसिंग	12%	5%
16	सूप और शोरबा (तैयार/प्री-मिक्स)	18%	5%
17 .	खमीर और बेकिंग पाउडर	12%	5%
18 .	संरक्षित मछली/मांस (डिब्बाबंद/तैयार)	12%	5%
	पेय पदार्थ (गैर-मादक)		
19	20 लीटर पीने के पानी के जार	12%	5%
20	वनस्पति-आधारित दूध पेय	18%	5%
21	फल-गूदा/रस आधारित पेय (गैर-कार्बोनेटेड)	12%	5%
22	दूध युक्त पेय पदार्थ (दूध आधारित पेय)	12%	5%
	व्यक्तिगत देखभाल (दैनिक उपयोग)		
23	टॉयलेट साबुन, टूथपेस्ट, डेंटल फ़्लॉस, टूथब्रश	18%	5%
24	टूथ पाउडर, कंघी, हेयरपिन, कर्लर (गैर-विद्युत)	12%	5%
25	हेयर ऑयल और शैम्पू, टैल्कम/फेस पाउडर, शेविंग क्रीम/अफ़रशेव/लोगॉन	18%	5%
	घरेलू सामान		
26	दूध की बोतलें-निप्पल, बेबी नैपकिन-डायपर	12%	5%
27	सेफ्टी माचिस, मोमबत्तियां/हस्तनिर्मित मोमबत्तियां	12%	5%
28	रसोई के बर्तन	12%	5%
29	मिट्टी के तेल/लकड़ी के स्टोव (गैर-विद्युत)	12%	5%
30	सिलाई मशीनें और पुर्जे, रबर बैंड	12%	5%
	छात्र एवं शिक्षा		
31	व्यायाम/ग्राफ़/प्रयोगशाला नोटबुक	12%	0%
32	मिटाने वाले या इरेजर	5%	0%
33	पाठ्यपुस्तक/नोटबुक का कागज़ (बिना लेपित)	12%	0%
34	मानचित्र/एटलस/ग्लोब (प्रिंटेड)	12%	0%
35	पेंसिल, क्रेयॉन, पेस्टल, चारकोल, पेंसिल शार्पनर	12%	0%
36	जियोमेट्री/रंग बॉक्स, कागज़ के डिब्बे, कागज़ की ट्रे	12%	5%
	दवाएं और चिकित्सा उपकरण		
37	कई दुर्लभ बीमारियों और कैंसर की दवाएं	5–12%	0%
38	औषधियां (आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी)	12%	5%
39	मेडिकल ऑक्सीजन	12%	5%
40	डायग्नोसजीसी किट और डायग्नोसजीसी अभिकर्मक (रसायन), ग्लूकोमीटर और परीक्षण स्ट्रिप्स	12%	5%
41	थर्मामीटर (चिकित्सा)	18%	5%
42	चिकित्सा/शल्य उपकरण, रबर के दस्ताने	12%	5%

हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड ने पर्टुजुमैब दवा पर्जिया को किया लांच

- **एनजीन बायोसाइंसेज के साथ साझेदारी कर भारतीय मरीजों के लिए किफायती दवा बनाई**
- **देश की सबसे सस्ती पर्टुजुमैब को सेमी-एक्सक्लूसिव के तहत लांच किया गया**

बरेली, अमृत विचार। भारत की अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में शुमार हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड ने उन्नत कैंसर उपचारों तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक रणनीतिक कदम उठाया है। हेटेरो हेल्थकेयर ने एनजीन बायोसाइंसेज के साथ साझेदारी कर स्तन कैंसर रोगियों के लिए सबसे सस्ती पर्टुजुमैब दवा पर्जिया को लांच किया है। पर्टुजुमैब एक ऐसा उत्पाद है जो HER2-पॉजिटिव स्तन कैंसर के लिए लक्षित चिकित्सा है, जिसे एनजीन बायोसाइंसेज लिमिटेड के साथ एक अर्ध-अनन्य सहयोग के माध्यम से पेश किया गया है।

यह साझेदारी भारत भर में मरीजों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली ऑन्कोलॉजी थेरेपी को सुलभ और सस्ती बनाने के लिए हेटेरो हेल्थकेयर की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। हेटेरो हेल्थकेयर ने लागत बाधाओं को कम करने के साथ भारत में हजारों मरीजों को उन्नत उपचार विकल्पों तक पहुंच प्रदान करने और समग्र परिणामों में सुधार लाने का प्रयास किया है। हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एम. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि हेटेरो हेल्थकेयर में हमारा ध्यान हमेशा नवाचार और सामर्थ्य पर रहा है। एनजीन बायोसाइंसेज के सहयोग से पर्जिया का लॉन्च, भारतीय रोगियों की पहुंच में विश्वस्तरीय कैंसर उपचार लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनजीन बायोसाइंसेज के सीईओ डॉ. हिमांशु गाडगिल ने कहा कि हमें इस प्रभावशाली प्रयास में हेटेरो हेल्थकेयर के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। एनजीन में हमारा मिशन अत्याधुनिक तकनीकी प्लेटफार्म का लाभ उठाकर किफायती दामों पर उच्च-गुणवत्ता वाली बायोलॉजिक्स उपलब्ध कराना है। यह सहयोग भारत में कैंसर देखभाल में बदलाव लाने के हमारे साझा दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है।

राष्ट्रीय

किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा केंद्र

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले- राजनीति से प्रेरित लोग कर रहे त्रि-भाषा नीति का विरोध

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई में आईआईटी मद्रास के सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि केंद्र किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहा है। प्रधान ने उन लोगों को राजनीति से प्रेरित बताया जो यह दावा करते हैं कि केंद्र, राज्यों पर त्रि-भाषा नीति थोप रहा है।

उन्होंने कहा कि हम किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहे हैं। कक्षा पहली और दूसरी के लिए द्वि-भाषा का फॉर्मूला होगा। एक मातृभाषा होगी। यहां तमिल भाषा होगी। भारत सरकार की शर्त है कि आपको प्राथमिक विद्यालय में तमिल में पढ़ाना होगा। आप अपनी पसंद की कोई अन्य भाषा पढ़ा सकते हैं।

प्रधान 'थिंक इंडिया दक्षिणापथ शिखर सम्मेलन 2025' में शामिल होने के बाद आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी कामकोटि की मौजूदगी में पत्रकारों से बात कर रहे थे। त्रि-भाषा नीति के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि कक्षा छठी से दसवीं तक त्रि-भाषा फार्मूला लागू है। उन्होंने कहा कि एक भाषा मातृभाषा होगी। बाकी दो आपकी पसंद की होंगी। भारत सरकार किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपेगी।

उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में त्रि-भाषा नीति कैसे लागू की जा रही है, इस बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा कि हम उस राज्य में भी इसे लागू कर रहे हैं। भाजपा शासित राज्यों को छोड़ दें तो कई राज्य सरकारें राष्ट्रीय शिक्षा नीति से पहले त्रि-भाषा नीति लागू कर रही हैं।

प्रधान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में छात्र हिंदी को मातृभाषा के रूप में सीखेंगे। इसके बाद, वे मराठी और तमिल भी सीख सकते हैं। उत्तर प्रदेश में कुछ छात्र तमिल को तीसरी भाषा के रूप में चुन सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को तमिल पढ़ाने की सुविधा प्रदान करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत की केवल 10 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी बोलती है, जबकि बाकी लोग अपनी मातृभाषा में बात करना पसंद करते हैं।

छात्रों को 10 भाषाएं सीखने को करेंगे प्रोत्साहित

प्रधान ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन . चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि वह तेलुगु भाषी छात्रों को 10 भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, ताकि प्रत्येक तेलुगु लड़का 'वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी' बन सके और वे विभिन्न भाषाओं में निपुण हो सकें। उन्होंने कहा कि भाषा हमेशा एक साधन होती है। राजनीतिक रूप से संकीर्ण विचार रखने वाले लोग यह समस्या पैदा कर रहे हैं। तमिलनाडु की अपनी पिछली यात्राओं का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा कि मैंने तमिलनाडु के सभी हिस्सों का दौरा किया है। यह मूलत : एक भाषाई राज्य है। मैं उड़िया हूं। मुझे अपनी उड़िया भाषा पर बहुत गर्व है, लेकिन मुझे अन्य भारतीय भाषाओं पर भी गर्व है। उन्होंने कहा कि मैं आज पूरी जिम्मेदारी के साथ आपसे कह रहा हूं कि जो लोग भाषाई विभाजन पैदा करना चाहते हैं, वे विफल हो गये हैं। समाज उनसे कहीं आगे निकल चुका है।

नेपाल जेल से फरार पांच विदेशी बिहार में गिरफ्तार

मोतिहारी। पड़ोसी देश नेपाल में हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान वहां की जेल से कथित तौर पर फरार हुए पांच विदेशी नागरिकों को बिहार के मोतिहारी में गिरफ्तार किया गया है। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) से मिली सूचना के आधार पर 20 सितंबर को घोड़ासहन बस स्टैंड पर छापेमारी की गई, जहां पांचों विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया। सभी की उम्र करीब 30 वर्ष है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में चार सूडान के निवासी हैं जबकि एक बोलीविया का रहने वाला है। एसपी ने कहा, पूछताछ के दौरान इनमें से दो ने स्वीकार किया कि वे नेपाल की केंद्रीय जेल से फरार हुए थे। इस माह की शुरुआत में नेपाल में हुए व्यापक प्रदर्शनों के दौरान वहां की विभिन्न जेलों में बंद 15,000 से अधिक कैदी फरार हो गए थे।

तेजस्वी की अधिकार यात्रा में दी गईं मोदी की दिवंगत मां को गालियां

- **विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भाजपा ने लगाए आरोप**
- **दरभंगा में राहुल गांधी की रैली में प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कहे गए थे अपशब्द**

पटना, एजेंसी

बिहार में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि राजद नेता तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान उनके समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां को गालियां दीं। पिछले महीने प्रदेश के दरभंगा जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के लिए बनाए गए मंच से एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे थे।

भाजपा नेता और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स वीडियो साझा करते हुए लिखा कि तेजस्वी यादव ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माता का अपमान किया है। तेजस्वी ने बिहार की संस्कृति को फिर से तार-तार किया है। राजद कार्यकर्ता जितनी गालियां दे सकते थे, दे रहे थे और तेजस्वी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे थे। बिहार की माताएं-बहनें इस गुंडागर्दी वाली मानसिकता और अभद्र व्यवहार का हिसाब जरूर करेंगी। भाजपा नेता ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का अपमान है। क्या अब माताओं और बहनों का अपमान करना विपक्षी दलों की संस्कृति और हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को भली-भांति समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

प्रदेश के अन्य उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी एक्स पर लिखा, तेजस्वी की यात्रा के दौरान फिर प्रधानमंत्री की दिवंगत माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और राजद नेता अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा रहे थे यह चौंकाने वाला है। इससे उनकी मानसिकता उजागर होती है। चौधरी ने आगे कहा कि यह लोकतंत्र का घोर अपमान है। क्या माताओं-बहनों का अपमान करना उनकी संस्कृति और विपक्षी दलों को जवाब देने का हथियार बन गया है।

मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है : मेघवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है और वह जल्द ही इस बारे में 'अच्छी खबर' साझा करेंगे। मध्यस्थता पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मेघवाल ने कहा कि कुछ लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया है कि मध्यस्थता कानून पारित होने के वर्षों बाद भी भारतीय मध्यस्थता परिषद का गठन नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मैं जल्द ही अच्छी खबर दूंगा। हाल में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने संसद द्वारा मध्यस्थता अधिनियम पारित किए जाने के दो साल बाद मध्यस्थता परिषद के गठन में देरी के पीछे मानव संसाधन की कमी को कारण बताया था। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि मानव संसाधन की कमी से आज ऐसे कई कानूनों के क्रियान्वयन में समस्या आ रही है। मध्यस्थता अधिनियम मध्यस्थों को विनियमित करने के लिए एक भारतीय मध्यस्थता परिषद के गठन का प्रस्ताव करता है। इसके अन्य कार्यों में मध्यस्थों का पंजीकरण और मध्यस्थता सेवा प्रदाताओं एवं मध्यस्थता संस्थानों को मान्यता देना शामिल है। कानून में उन विवादों की भी सूची दी गई है जो मध्यस्थता के लिए उपयुक्त हैं या नहीं।

हत्या के दोषी की मौत की सजा आजीवन कारावास में बदली

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने ठगी से जुड़े हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति की मौत की सजा को कम करके बिना किसी छूट के 40 साल तक के कारावास में बदल दिया। दोषी व्यक्ति पर आरोप था कि उसने बेटी के इलाज का झूठा वादा करके एक महिला से एक लाख रुपये ठगे और जब इसका खुलासा हुआ तो दोनों की हत्या कर दी।

सुनील दास उर्फ गुरुदेव ने यज्ञ करने के नाम पर 83,000 रुपये लिए लेकिन वह लड़की को ठीक नहीं कर पाया जो आग में झुलस गई थी। 2023 में बीरभूम जिले के रामपुरहाट सत्र न्यायालय ने दास को दुष्कर्म, हत्या और सबूतों मिटाने का दोषी पाया था। हाईकोर्ट ने उसे दुष्कर्म में दोषी नहीं पाया, जिसके बाद उसकी सजा आजीवन कारावास में बदल दिया।

गुजरात-मेघालय में महसूस किए गए भूकंप के झटके

अहमदाबाद/ शिलांग, एजेंसी

देश के पूर्व और पश्चिम हिस्से में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार को 3.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। वहीं बांग्लादेश में भूकंप आने के बाद मेघालय में भी झटके महसूस किए गए। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने यह जानकारी दी।

आईएसआर ने कहा कि गुजरात में भूकंप अपराह्न 12.41 बजे आया और इसका केंद्र भचाऊ से 12 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। इससे पहले सुबह 6.41 बजे कच्छ में 2.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र धोलावीरा से 24 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में था। कच्छ जिला अत्यधिक जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र है, जहां कम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं।

- **गुजरात के कच्छ में आया 3.1 तीव्रता का भूकंप**

बांग्लादेश के भूकंप से मेघालय में धरती कांपी

बांग्लादेश में रविवार को चार तीव्रता का भूकंप आने के बाद इसके झटके मेघालय में भी महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बांग्लादेश से लगती मेघालय की सीमा के पास भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न 11.49 बजे भूकंप महसूस किया गया। उन्होंने कहा कि मेघालय में किसी भी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

लोगों के योगदान से किए छोटे-छोटे प्रयास समाज में लाते हैं बड़े बदलाव : शाह

- **बोले- ये समाज की जिम्मेदारी कि दिव्यांग राष्ट्र निर्माण में योगदान दें**

जोधपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि दिव्यांग समुदाय की चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिसके तहत यह सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी बने कि दिव्यांग राष्ट्र निर्माण में योगदान दें और जीवन में आगे बढ़ें।

शाह पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय की तीन परियोजनाओं की आधारशिला रखने आए थे। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और

राजस्थान के जोधपुर में श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय के शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

राज्य के मंत्री भी मौजूद थे। दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने में संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए शाह ने बताया कि किस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के योगदान से छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव लाते हैं। इस तरह, एक दिन हम निश्चित रूप से दिव्यांगों के लिए अच्छा जीवन और करियर सुनिश्चित कर पाएंगे। शाह ने दिव्यांग समुदाय से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए सरकारी प्रयासों का जिक्र किया। 2015 में विकलांग शब्द की जगह "दिव्यांग" शब्द इस्तेमाल किया गया, जिसका अर्थ है दिव्य शरीर।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: स्कूल की छत गिरी, आठ की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक शिक्षण संस्थान की छत गिर जाने के कारण छह बच्चों समेत आठ लोग जिंदा दफन हो गए तथा तीन घायल हो गए। यह घटना शनिवार शाम लाहौर के उत्तर-पश्चिम से लगभग 120 किमी दूर हाफिजाबाद शहर में हुई। पंजाब आपातकालीन विभाग के बचाव दल 1122 के अनुसार, जब संस्थान की छत गिरी, उस वक्त कक्षा में दो शिक्षक और नौ छात्र मौजूद थे। रेस्क्यू 1122 ने एक बयान में कहा, वे मलबे में दब गए थे। बचाव दल ने चार छात्रों को जीवित निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनमें से एक की मौत हो गई। छह से दस साल की उम्र के पांच छात्रों और उनके दो शिक्षकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

नेपाल से चीन के ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ान

काठमांडू। नेपाल की राष्ट्रीय विमानन कंपनी ने राजधानी काठमांडू से चीन के ग्वांगझू के लिए बृहस्पतिवार से सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की। नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के प्रवक्ता मनोज कुमार शाह ने बताया कि पहली बार काठमांडू से गुआंगझू के बीच उड़ान सेवा शुरू करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एनएसी इस मार्ग पर सप्ताह में तीन उड़ानें संचालित करेगा। पहली उड़ान बृहस्पतिवार और दूसरी 28 सितंबर को निर्धारित है। एनएसी ने बताया कि इसके बाद हर रविवार, मंगलवार और शनिवार को ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ानें होंगी।

हेग में दंगों के सिलसिले में 30 लोग गिरफ्तार

द हेग। नीदरलैंड के शहर द हेग में दंगे के दौरान घायल हुये दो पुलिसकर्मियों के मामले में 30 लोग हिरासत में लिए गए हैं। हेग के मेयर जान वैन जेनन ने अलगेमीन डागब्लाड अखबार के हवाले से कहा कि हमें एक अभूतपूर्व हिंसा का सामना करना पड़ा। इसके कारण शांतिपूर्ण प्रदर्शन को तितर-बितर करना पड़ा क्योंकि वहां मौजूद लोगों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी। मेयर के मुताबिक नीदरलैंड के सभी असामाजिक तत्व प्रदर्शन में शामिल हो गए। उन्होंने पुलिस, उनके घोड़ों और पत्रकारों पर हमला किया।

युगांडा: झील में पलटी नाव, सात की मौत

कंपाला। उत्तरी युगांडा के अमोलतार जिले में क्योगा झील में शुक्रवार को शोक मनाने वालों से भरी एक नाव पलट गई, जिसमें सात लोग डूब गए और 29 अन्य बच गए। पुलिस ने एक बयान में कहा कि लकड़ी की नाव मुचोरा अबिनो ए गाँव से एक धर्मोपदेशक को अंतिम संस्कार समारोह में ले जाने के लिए जा रही थी, जब स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11:00 बजे अची उप-काउंटी के किरयांगा गांव के पास पलट गई। बयान में कहा गया है, इसमें कुल 36 लोग सवार थे और 29 लोग बच गए।

साइबर हमले: यूरोपीय देशों के कई हवाई अड्डे दूसरे दिन भी प्रभावित

ब्रसेल्स, एजेंसी

- कई उड़ानें की गईं रद्द, तमाम हो पाईं घंटों की देरी से रवाना

कई यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणालियों को प्रभावित करने वाले साइबर हमले का असर रविवार को भी पूरे दिन जारी रहा। कई यात्री उड़ान रद्द या विलंबित करनी पड़ीं और हवाई अड्डों को यात्रा योजनाओं को होने वाले नुकसान से बचने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

शुक्रवार देर रात से ब्रसेल्स, लंदन और बर्लिन के प्रमुख हवाई अड्डों पर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में व्यवधान शुरू हो गया था, जिससे 'चेक-इन' में बाधा आई और कर्मचारियों को हाथ से बोर्डिंग पास बनाने या बैकअप लैपटॉप का इस्तेमाल करने पड़ा। कई अन्य यूरोपीय हवाई अड्डों पर प्रभाव नहीं पड़ा। अभी साफ नहीं है कि साइबर हमले में किसका हाथ है, हालांकि विशेषज्ञों ने हैकर्स और आपराधिक संगठनों पर शक जताया है।

साइबर हमले ने कॉलिन्स एयरोस्पेस के सॉफ्टवेयर को प्रभावित किया, जिससे चेक-इन, बोर्डिंग पास और बैग टैग प्रिंटिंग और सामान भेजने में मदद मिलती है। अमेरिकी कंपनी ने शनिवार को यूरोप के कुछ हवाई अड्डों पर अपने सॉफ्टवेयर में व्यवधान की बात कही। रविवार को लंदन के हीथ्रो और बर्लिन के ब्रांडेनबर्ग हवाई अड्डों के प्रस्थान बोर्ड पर आगमन-प्रस्थान के सुचारू होने के संकेत दिख रहे थे, लेकिन ब्रुसेल्स हवाई अड्डे पर काफी समस्याएं थीं।

हवाई अड्डों पर साइबर हमले

पूरी दुनिया परेशान

यूरोपीय देशों के कई हवाई अड्डों पर हुए साइबर हमले की वजह से पिछले दो दिनों में सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हुई हैं। दरअसल, दुनिया भर में हवाई अड्डों पर साइबर हमले बेहद आम हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इनसे निपटने के लिए जूझ रही हैं। हवाई अड्डों पर साइबर हमलों के पीछे बड़ा कारण यह है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और लोगों के जीवन से सीधे जुड़े होते हैं। हैकर्स इन्हें पैसे, डेटा या राजनीतिक फायदे के लिए निशाना बनाते हैं। हवाई अड्डों पर साइबर हमले पिछले कुछ सालों में काफी बढ़े हैं। ईयू एविएशन सेफ्टी एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक 2020 से 2022 के दौरान दो सालों में एयरलाइंस और हवाई अड्डों पर रैनसमवेयर और फिशिंग अटैक में 530 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि हुई है जिसने कई देशों की सरकारों के नाक में दम कर दिया है।

ताबड़तोड़ साइबर हमले

- वर्ष 2023 में अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, भारत सहित कई देशों के हवाई अड्डों पर साइबर हमले हुए। रिपोर्ट हुए हमलों की संख्या दो सौ से ज्यादा थी।
- वर्ष 2024 में यूरोप और अमेरिका के करीब 30 हवाई अड्डों पर एक साथ साइबर हमले हुए। इनसे कई देशों में सैकड़ों उड़ानों पर बड़ा असर पड़ा।
- भारत में 2022 में दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट की वेबसाइट डाउन हुई। 2023 में बेंगलुरु व हैदराबाद हवाई अड्डे को हैकर्स ने अपना निशाना बनाया।

कमजोरियां

- पुराने आईटी सिस्टम, साइबर सिक्योरिटी की कमी, थर्ड पार्टी वेंडर्स पर निर्भरता प्रमुख कमजोरी।
- कई बार कैफे वाई फाई और बैगेज हैंडलिंग सिस्टम जरिए से हैकर्स घुसपैठ शुरू करते हैं। इसके बाद बड़ा साइबर हमला किया जाता है।

हवाई अड्डे क्यों बनते हैं निशाना

- हवाई अड्डे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसुरक्षा से जुड़े होते हैं। यहां हमले से तुरंत बड़े पैमाने पर असर पड़ता है।
- हवाई अड्डों पर यात्रियों का पासपोर्ट ब्योरा, बायोमेट्रिक, बैंक कार्ड डेटा मौजूद रहता है जिसे डार्क वेब पर बेचा जा सकता है।
- अपराधी एयरलाइंस या एयरपोर्ट अथॉरिटी से रैनसमवेयर के जरिए फिरौती मांगते हैं। पैसा देने तक सिस्टम लॉक कर देते हैं।
- कई बार दुश्मन ताकतें देश की छवि खराब करने, अंतरराष्ट्रीय यात्रा बाधित करने या सुरक्षा खतरे पैदा करने के लिए हमले करती हैं।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत पर हमले

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद किलनेट जैसे कई प्रोपेगेंडा समूहों ने भारत को पश्चिमी देशों के सहयोगी मानकर निशाना बनाया। इस दौरान एयर इंडिया पर हुआ डेटा ब्रीच हमला अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जाता है।

प्रमुख घटनाएं

- स्वीडन के कुछ हवाई अड्डों पर 2016 में साइबर हमला कर एयरक्राफ्ट के जीपीएस सिग्नल जाम कर दिए गए।
- कीव एयरपोर्ट पर 2015 में ब्लैक एनर्जी मालवेयर हमला कर आईटी सिस्टम, एटीसी टावर को निशाना बनाया।
- हीथ्रो एयरपोर्ट पर 2017 में गोपनीय दस्तावेज लीक हुए जिनमें रानी एलिजाबेथ की सुरक्षा की योजना तक थी।
- अमेरिका के अटलांटा एयरपोर्ट पर 2018 में रैनसमवेयर अटैक हुआ और कई ऑनलाइन सेवाएं ठप हो गईं।

यात्रियों के अधिकार

- अगर फ्लाइट घंटों या दिनों तक रुकी रहती है तो कई देशों में यात्रियों को मुआवजा या वैकल्पिक टिकट दिया जाता है।
- अगर पासपोर्ट, बैंक कार्ड या पर्सनल डेटा चोरी हो तो एयरपोर्ट अथॉरिटी या एयरलाइन को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं।
- कई देशों में ऐसे मामलों में यात्री क्लास एक्शन केस करके मुआवजा पा सकते हैं। हालांकि भारत में ऐसे कानून नहीं हैं।

फलस्तीनी राष्ट्र को ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया कनाडा ने दी मान्यता, भड़के नेतन्याहू

इजराइली पीएम ने लगाया हमास को इनाम देने का आरोप, कहा- फलस्तीनी राष्ट्र नहीं बनेगा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने अमेरिका और इजराइल के विरोध को दरकिनार करते हुए फलस्तीनी राष्ट्र को औपचारिक रूप से मान्यता देने की रविवार को पुष्टि की। राष्ट्रमंडल में शामिल और इजराइल के लंबे समय से सहयोगी इन देशों की यह पहल गाजा में जारी युद्ध में उसकी हरकतों के प्रति बढ़ते आक्रोश को दर्शाती है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होगी।

नेतन्याहू ने विदेशी नेताओं पर हमास को इनाम देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं होगा। जॉर्डन नदी के पश्चिम में फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर इजराइल के खिलाफ कड़ा रुख नहीं अपनाने के लिए अपनी सत्तारूढ़ लेबर पार्टी में भारी दबाव का सामना कर रहे थे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य फलस्तीनियों और इजराइलियों के बीच शांति की उम्मीदों को जिंदा रखना है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह हमास के लिए कोई तोहफा नहीं है।

स्टार्मर ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं शांति और द्वि-राष्ट्र समाधान की आशा को पुनर्जीवित करने के लिए इस महान देश के प्रधानमंत्री के रूप में स्पष्ट रूप से कहता हूं कि ब्रिटेन औपचारिक रूप से फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देता है। उन्होंने कहा, हमने 75 साल से भी पहले इजराइल राष्ट्र को यहूदी लोगों की मातृभूमि के रूप में मान्यता दी थी। आज हम उन 150 से अधिक देशों में शामिल हो गए हैं, जो फलस्तीनी राष्ट्र को भी मान्यता देते हैं। यह फलस्तीनी और इजराइली लोगों के लिए एक बेहतर भविष्य की प्रतिज्ञा है। जुलाई में स्टॉर्मर ने कहा था कि अगर इजराइल गाजा पट्टी में संघर्ष-विराम के लिए सहमत नहीं होता है, तो ब्रिटेन फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देगा।

इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ्रांस समेत और अधिक देशों के ऐसा करने की उम्मीद है। ब्रिटेन की तरह फ्रांस भी सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में शामिल है। आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अपने बयान में कहा कि रविवार को तीन देशों की ओर से की गईं घोषणाएं द्वि-राष्ट्र समाधान को नई गति देने के समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा हैं। फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने ब्रिटेन की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप न्यायपूर्ण शांति कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण व आवश्यक कदम है।

गाजा पर हमले तेज करने के लिए दक्षिणी इजराइल में सीमा के पास टैंक भेजे गए हैं।

ट्रंप ने खुले तौर पर जताई थी स्टॉर्मर से असहमति

ब्रिटेन ने अमेरिका के विरोध को दरकिनार करते हुए यह कदम उठाया है। कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन की यात्रा के दौरान इस योजना से असहमति जताई थी। ट्रंप ने कहा था, इस मामले पर मैं प्रधानमंत्री स्टॉर्मर से असहमत हूं। अमेरिका और इजराइल सरकार के साथ विभिन्न आलोचकों ने इस योजना की निंदा करते हुए कहा है कि यह हमास और आतंकवाद को बढ़ावा देगी। आलोचकों का तर्क है कि मान्यता देना अनैतिक और एक खोखला कदम है, क्योंकि फलस्तीनी लोग दो क्षेत्र वेस्ट बैंक और गाजा में विभाजित हैं, जिनकी कोई मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय राजधानी नहीं है।

- ब्रिटेन में फलस्तीनी मिशन के प्रमुख हुसम जोमलोट ने कहा कि मान्यता देने से औपनिवेशिक काल की एक गलती सुधर जाएगी। मुझे लगता है कि आज ब्रिटेन के लोगों को इतिहास में की गई गलती को सुधारे जाने का जश्न मनाना चाहिए।

गाजा में इजराइल के हमले में 34 लोग मारे गए

काहिरा। गाजा सिटी पर रात भर हुए हमलों में बच्चों सहित कम से कम 34 लोग मारे गए। इजराइल ने यह हमला कई देशों की ओर से फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने की तैयारी के बीच किया है। शिफा अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में शनिवार देर रात शहर के दक्षिणी हिस्से में एक रिहायशी इलाके में हुई गोलीबारी में मारे गए 14 लोग भी शामिल हैं। अधिकतर शव शिफा अस्पताल ही लाए गए थे। मृतकों में अस्पताल में कार्यरत एक पुरुष नर्स, उसकी पत्नी और तीन बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल ने हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। इस सप्ताह शुरू हुए इजराइली अभियान ने पश्चिम एशिया में उथल-पुथल मचाने वाले संघर्ष को और बढ़ा दिया है और संभवत: किसी भी युद्धविराम की संभावना को और क्षीण कर दिया है। इजराइली सेना ने फलस्तीनियों से वहां से चले जाने को कहा है।

अंतिम दर्शन

असम के गायक जुबीन गर्ग का पार्थिव शरीर रविवार को गुवाहाटी हवाई अड्डे से उनके आवास पर ले जाया गया तो उनके अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। एजेंसी

चंद्र मिशन: स्पेसएक्स की देरी से अंतरिक्ष में पिछड़ा अमेरिका

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी उद्यमी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की चंद्र परियोजना में देरी के कारण अमेरिका अंतरिक्ष की दौड़ में पीछे हो रहा है। स्पेसएक्स का चंद्र मिशन के लिये नासा के साथ करार है। न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि स्पेसएक्स की चंद्र लैंडर परियोजना अपने तय समय इतनी पीछे है कि इस बात पर शक बढ़ रहा कि अमेरिका चीन को मात दे पायेगा। चीन की योजना और लैंडिंग की तारीख 2030 तय है। रिपोर्ट में नासा के पूर्व अधिकारियों के मुताबिक स्पेसएक्स का रॉकेट स्टारशिप इस मिशन के लिये कई सालों में तैयार हो पाएगा। स्टारशिप का अब तक अंतरिक्ष यात्रियों या वाणिज्यिक माल ढोना बाकी है और हाल ही में तीन से चार परीक्षणों के दौरान इसमें विस्फोट हो चुका है। विशेषज्ञों ने कहा कि इस तथ्य से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है कि अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्र सतह पर पहुंचाने की योजना अंतरिक्ष में ईंधन भरने की ऐसी प्रक्रिया पर निर्भर करती है जिसका पहले कभी परीक्षण नहीं किया गया।

- नासा के पूर्व अधिकारियों ने कहा- चीन को नहीं दे पाएंगे मात

बगराम एयरबेस पर नियंत्रण न दिया तो बुरे नतीजे भुगतेगा अफगानिस्तान

- ट्रंप ने दी धमकी, कहा- एयरबेस को जल्द से जल्द वापस चाहते हैं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को अफगानिस्तान को धमकी देते हुए चेताया है कि अगर उसने बगराम एयरबेस तुरंत वापस नहीं किया तो उसे बुरे नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। ट्रंप ने यह धमकी सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए दी है।

बगराम एयरबेस काबुल से लगभग 50 किलोमीटर उत्तर में स्थित है और यह दो दशकों तक अफगानिस्तान में अमेरिका और नाटो के अभियानों का केंद्र था। वर्ष 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान ने इस बेस पर नियंत्रण कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी हालिया ब्रिटेन यात्रा के दौरान कहा कि अमेरिका के लिए बगराम एयरबेस को वापस लेने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप की इस टिप्पणी ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। माना जा रहा है कि अमेरिका इस क्षेत्र में चीन के साथ शक्ति संतुलन के लिए ये एयरबेस चाहता है।

अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या अमेरिका अफगानिस्तान में फिर से सैनिकों को तैनात करने जा रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि अमेरिका अफगानिस्तान के साथ एयरबेस पर नियंत्रण वापस पाने के लिए बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, हम इसे वापस चाहते हैं। हम इसे जल्द से जल्द वापस चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो आपको पता चल जाएगा कि मैं क्या करने जा रहा हूं।

अफगानिस्तान का जवाब, वास्तविक और तर्कसंगत बातें करें ट्रंप

जलालाबाद। तालिबान सरकार ने बगराम वायुसेना अड्डे पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के ट्रंप के दावे को रविवार को खारिज कर दिया। यद्यपि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि सैन्य अड्डा अमेरिका को सौंपने को लेकर अमेरिकी अधिकारियों की अफगानिस्तान के अधिकारियों से क्या बातचीत हुई है, लेकिन ट्रंप ने संकेत दिया है कि 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से आर्थिक संकट, अंतरराष्ट्रीय वैधता, आंतरिक कलह और प्रतिद्वंद्वी समूहों की ओर से चुनौती का सामना कर रहा तालिबान सैन्य अड्डे का नियंत्रण अमेरिका को लौटा सकता है। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने ट्रंप के बयानों को खारिज कर दिया और अमेरिका को वास्तविकता और तर्कसंगत नीति अपनाने की सलाह दी।

भारतीय छात्रों में घटी विदेश में पढ़ने की दिलचस्पी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमेरिका में पढ़ने के लिए पूछताछ में 46 और कनाडा में पढ़ाई के लिए 75 प्रतिशत की कमी

अमेरिका में अध्ययन करने के इच्छुक लोगों के पिछले एक वर्ष में पूछताछ करने में 46 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है जबकि पिछले दो वर्षों में कनाडा में अध्ययन से संबंधित पूछताछ लगभग 75 प्रतिशत कम हुई है। 'आईडीपी एजुकेशन' के शीर्ष अधिकारियों ने ये आंकड़े जारी किए हैं।

वर्ष 1969 में ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा स्थापित, आईडीपी एजुकेशन अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सेवाओं में एक वैश्विक अग्रणी संस्थान है जो छात्रों को विदेश में अध्ययन करने के उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। कंपनी ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे गंतव्यों के लिए पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय चयन, आवेदन जमा करने, वीजा प्रक्रिया और प्रस्थान-पूर्व योजना बनाने पर निःशुल्क विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह अंग्रेजी भाषा दक्षता परीक्षा (आईईएलटीएस) भी आयोजित करती है।

आईडीपी एजुकेशन के दक्षिण एशिया, कनाडा और लैटिन अमेरिका (एलएटीएएम) के क्षेत्रीय निदेशक पीयूष कुमार के अनुसार, भू-राजनीतिक स्थिति ने छात्रों की अमेरिका और कनाडा जाने की योजनाओं को प्रभावित किया है। कुमार ने कहा, अगर हम भू-राजनीतिक स्थिति की बात करें, तो मुझे लगता है कि यह मुख्य रूप से अमेरिका से संबंधित है और हमने देखा है कि पिछले छह से 12 महीनों में इस स्थिति ने अमेरिका जाने की योजना बना रहे छात्रों की योजनाओं को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है। यह वास्तव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने से पहले ही शुरू हो गया था, इसलिए हमने देखा कि जून के बाद से वीजा अनुमोदन दरों में गिरावट आई है।

उन्होंने कहा, आमतौर पर, चुनावी वर्ष के दौरान, हम देखते हैं कि हर बार किसी न किसी कारण से वीजा अनुमोदन दर कम हो जाती है। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद, मुझे लगता है कि वे कुछ बदलाव की योजना बना रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कुमार ने कहा कि मई 2024 की तुलना में इस साल मई में अमेरिका के लिए पूछताछ में 46.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले दो वर्षों में कनाडा के लिए पूछताछ में भी लगभग 70 से 75 प्रतिशत की गिरावट आई है।

नेपाल: जेन जी प्रदर्शन में 72 लोगों के मारे जाने की जांच के लिए समिति का गठन

काठमांडू। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली नेपाल की अंतरिम सरकार ने जेन जी की अगुवाई में हुए हिंसक प्रदर्शन की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति का रविवार को गठन किया।

जेन जी की अगुवाई में हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान 72 लोग मारे गए थे और इसने केपी शर्मा ओली सरकार को गिरा दिया था। गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सिंह बताया कि पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की के अलावा पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक ज्ञान रण शर्मा और कानूनी विशेषज्ञ बिश्वेश्वर प्रसाद भंडारी जांच आयोग के सदस्य हैं। आयोग को तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सरकार को सौंपनी है। जेन जी की प्रमुख मांग थी कि काठमांडू में आठ और नौ सितंबर को विरोध के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच आयोग का गठन किया जाए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 22 सितंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 23 सितंबर 02.55 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

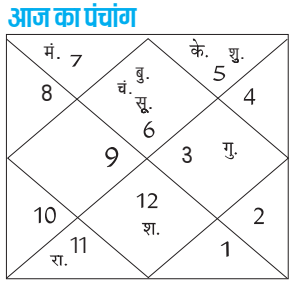

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 11.24 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज आपकी आय बढ़ने से आप अत्यंत उत्साहित रहेंगे। अधिकारों के साथ आपको अपने उत्तरदायित्व की चिंता रहेगी। कुसंगति से आपको बचना चाहिए। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। आपकी वाक्पटुता और विचारशीलता से लोग प्रभावित रहेंगे।

वृष — आज आप अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रतियोगी परीक्षा में आपको उत्तम सफलता मिल सकती है। दूसरों की भलाई और सेवा में लगे रहेंगे। लेकिन लोग इसका महत्व आपको नहीं देंगे। बारिश में भींगने से बचने का प्रयास करें।

मिथुन — आज घर के लोगों के व्यवहार से आपको परेशानी होगी। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है। बहुमूल्य संपत्ति को खरीदने का विचार बनायेंगे। भविष्य को लेकर बड़ा एवं महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यवसाय में उत्तम डील प्राप्त हो सकती है। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। कार्यक्षेत्र में बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। विवाहादि मंगल कार्यों को लेकर घर में चर्चा हो सकती है।

सिंह — आज गृहस्थ जीवन थोड़ा उथल-पुथल भरा हो सकता है। अपनी जीवनशैली को सन्तुलित रखें। घर के नवीनीकरण पर धन खर्च कर सकते हैं। भारी और अत्यधिक गरम भोजन का सेवन तुरन्त न करें। इससे आपको पाचन व एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

कन्या — आज नजदीकी मित्रों के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। सही दिशा में किए गए कार्यों से आपको लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के व्यवहार से अत्यंत संतुष्ट रहेंगे। आप हंसी-मजाक के द्वारा आसपास का माहौल बहुत अच्छा रखेंगे।

तुला — आज व्यापार में अचानक गिरावट आने की आशंका है। संवेदनशील विषयों को लेकर बहस न करें। काम करने के दौरान अपने मन को शांत रखें। सेहत को लेकर अपने चिकित्सक से परामर्श कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज दिन का शुरुआती भाग आपके लिए शुभ रहेगा। आप दूसरों पर अपने व्यक्तित्व की छाप डाल पायेंगे। बच्चों को अपने माता-पिता से संवाद रखना चाहिए। बचत के धन का व्यवसाय में अच्छा उपयोग कर पायेंगे। दिखावे में धन खर्च न करें।

धनु — आज पारिवारिक जीवन बहुत ही आनंदमय रहने वाला है। व्यवसाय में लक्ष्यों को पूर्ण कर सकते हैं। घर के सदस्यों के साथ आप पूजा पाठ में बैठ सकते हैं। दोस्तों के साथ मिलकर नई परियोजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों से उत्तम सलाह मिलेगी।

मकर — आज नए कार्यों में कुछ बाधा आ सकती है। अनुशासनहीनता के कारण आप अपने अवसरों का लाभ नहीं उठा पायेंगे। पुराने अनुभवों से लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। पूरा दिन आनंद और मनोरंजन में ही बीतने वाला है। धार्मिक पूजन व पाठ में अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

कुंभ — आज जो भी बोलें सोच-समझकर ही बोलें। असामाजिक तत्वों से आपका सामना हो सकता है। उत्तम होगा की आज सबसे विनम्र भाव ही रखें। उल्टी-दस्त की समस्या हो सकती है। जल का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। मन किसी बात को लेकर उद्विग्न हो सकता है।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। रुके हुए सभी कार्य आसानी से हो जायेंगे। भाई-बहनों के साथ आनंदपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। घरेलू कारोबार में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। दोपहर के बाद कार्यों में बाधा हो सकती है।

सुडोकू-107

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	1		8				
3			2		7			5
	5					4		6
		7		2		9		
	9		3		1		2	
		5		6		8		
6							3	
			4		2			9
				3		7	1	

सुडोकू - 106 का हल

6	4	9	3	1	7	5	2	8
2	8	1	6	5	9	7	3	4
3	7	5	8	4	2	1	9	6
9	3	4	5	7	6	8	1	2
1	2	7	9	8	4	6	5	3
5	6	8	1	2	3	4	7	9
4	1	3	7	9	8	2	6	5
7	9	2	4	6	5	3	8	1
8	5	6	2	3	1	9	4	7

एंडी पाइक्रॉफ्ट कोई स्कूल शिक्षक नहीं है। वह कोई प्रिंसिपल नहीं है। वह जाकर सूर्या को यह नहीं कह सकते थे कि आओ हाथ मिलाओ। यह उनका काम नहीं है। आखिर उनकी गलती क्या है। उन्होंने सबको घटिया तमाशा देखने से बचा लिया।
-रविचंद्रन अश्विन

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 22 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

स्वियातेक का कोरिया ओपन खिताब पर कब्जा

सोल (दक्षिण कोरिया) : शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त कैटरीना एलेक्जेंद्रोवा को 1-6, 7-6 (3), 7-5 से हराकर रविवार को कोरिया ओपन का खिताब जीत लिया। स्वियातेक ने तीन घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में पांच बार सर्विस गंवाई। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक के लिए यह इस साल का तीसरा और कुल मिलाकर 25वां खिताब है। पोलैंड की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीता था और जुलाई में अपना पहला विंबलडन खिताब जीता था। डब्ल्यूटीए फाइनल में उनका रिकॉर्ड अब 25-5 हो गया है।

प्रमोद भगत ने स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली : भारत के प्रमोद भगत, सुकांत कदम और कृष्णा नागर ने चीन पैरा बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद ने 18 महीने बाद शानदार वापसी करते हुए पुरुषों के एकल एसएलडब्ल्यू3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान से कड़ी चुनौती का सामना करते हुए प्रमोद पहला गेम 15-21 से हार गए लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-19, 21-16 से जीतकर रोमांचक मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया। पुरुषों के युगल में उन्होंने कदम के साथ जोड़ी बनाई और इस जोड़ी ने हमवतन जगदीश दिल्ली और नवीन शिवकुमार को रोमांचक फाइनल में 18-21, 22-20, 18-21 से हारकर रजत पदक जीता।

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी विजयी

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) : स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने पहले हाफ में एक गोल करने में मदद की तथा दूसरे हाफ में दो गोल किए जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर में डीसी यूनाइटेड पर 3-2 से जीत दर्ज की। मेसी ने 66वें मिनट में अपना पहला गोल दागा। इसके बाद उन्होंने 85वें मिनट में एक और गोल किया। इस तरह से इस सत्र में उनके कुल 22 गोल हो गए हैं, जो गोल्डन बूट अवॉर्ड की दौड़ में नैशविले एससी के सैम सुरिज से एक ज़्यादा है। इससे पहले मिडफ़ील्डर तादेओ अलेंदे ने 35वें मिनट में मेसी की मदद से इस सत्र का अपना आठवां गोल किया।

इटली ने बिली जीन किंग कप बरकरार रखा

शेनझेन (चीन) : जैस्मीन पाओलिनी की जेसिका पेगुला पर जीत से गत चैंपियन इटली ने रविवार को यहां अमेरिका पर शानदार जीत के साथ बिली जीन किंग कप अपने नाम किया। इटली ने दोनों एकल मुकाबले सीधे सेटों में जीते जिससे निर्णायक युगल मैच की कोई जरूरत नहीं पड़ी। आठवीं रैंकिंग की पाओलिनी ने सातवीं रैंकिंग की पेगुला को 6-4, 6-2 से हराया जबकि 91वीं रैंकिंग की एलिसाबेटा कोकियारेटो ने एम्मा नवारो के खिलाफ तीन बार उनकी सर्विस तोड़कर 6-4, 6-4 से जीत हासिल की।

भारत ने पाकिस्तान को फिर हराया

एशिया कप : सुपर चार मैच में छह विकेट से दी मात, अभिषेक और शुभमन ने खेली तूफानी पारी

दुबई, एजेंसी

अभिषेक शर्मा के तूफानी अर्धशतक और शुभमन गिल के साथ उनकी शतकीय साझेदारी से भारत ने एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार चरण के मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया।

पाकिस्तान के 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अभिषेक (74 रन, 39 गेंद, छह चौके, पांच छक्के) और गिल (47 रन, 28 गेंद, आठ चौके) के बीच पहले विकेट की 105 रन की साझेदारी की बदौलत सात गेंद शेष रहते चार विकेट पर 174 रन बनाकर जीत दर्ज की।

तिलक वर्मा ने भी 19 गेंद में दो छक्कों और दो चौकों से नाबाद 30 रन की उम्दा पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से हारिस राऊफ (26 रन पर दो विकेट) और फहीम अशरफ (31 रन पर एक विकेट) ने प्रभावी गेंदबाजी की लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। लीग मैच की तरह इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया।

पाकिस्तान ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की 45 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों से 58 रन की पारी की मदद से पांच विकेट पर 171 रन बनाए। फरहान ने सईम अयूब (21) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी भी की। मोहम्मद नवाज (21) और फहीम अशरफ (नाबाद 20) ने भी उपयोगी पारियां खेली। भारत की तरफ से शिवम दुबे ने 33 रन देकर दो विकेट चटकाए जबकि हार्दिक पंड्या (29 रन पर एक विकेट) और कुलदीप यादव (31 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया। जसप्रीत बुमराह महंगे साबित हुए और उन्होंने चार ओवर में 45 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को अभिषेक और शुभमन ने तूफानी शुरुआती दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में 69 रन जोड़े।

अभिषेक ने शाहीन शाह अफरीदी की पारी की पहली गेंद पर छक्का जड़ा। गिल ने भी अगले ओवर में ऑफ स्पिनर सईम अयूब पर दो चौके मारे। अभिषेक नौ रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब शाहीन की गेंद पर नवाज उनका मुश्किल कैच लपकने में नाकाम रहे। गिल ने इसी ओवर में दो चौके मारे। अभिषेक ने लेग स्पिनर अबरार अहमद (42 रन पर एक विकेट) का स्वागत लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ किया और फिर राऊफ की गेंद पर दो रन के साथ पांचवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। गिल ने छठे ओवर में अयूब पर दो चौके मारे जबकि अभिषेक ने भी चौका जड़ा।

अभिषेक ने अगले ओवर में अबरार पर दो छक्के मारे और इस दौरान लॉन्ग ऑन पर फखर जमां ने उनका कैच भी टपकाया। उन्होंने अयूब पर चौके के साथ 24 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। अभिषेक और गिल ने सिर्फ नौवें ओवर में भारत का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। तेज गेंदबाज फहीम ने गिल को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा।

अभिषेक ने फहीम पर दो चौकों के साथ दबाव कम किया। उन्होंने अबरार पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से लंबा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर लॉन्ग ऑन पर ही राऊफ को कैच दे बैठे जिससे भारत का स्कोर तीन विकेट पर 123 रन हो गया। संजू सैमसन और वर्मा ने इसके बाद मोर्चा संभाला। सैमसन ने फहीम जबकि वर्मा ने शाहीन पर चौका जड़ा। हार्दिक पंड्या आते ही राऊफ पर चौका जड़ा। भारत को अंतिम तीन ओवर में 19 रन की जरूरत थी। वर्मा ने फहीम पर छक्के के बाद और शाहीन की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ भारत की जीत सुनिश्चित की।

भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और हारिस रउफ के बीच तनातनी का माहौल दिखाई दिया।

पाकिस्तान

171/5 (20 ओवर)

साहिबजादा का सूर्यकुमार बो दुबे	58
फखर जमां का सैमसन बो पंड्या	15
सईम अयूब अभिषेक बो दुबे	21
हुसैन का चक्रवर्ती बो कुलदीप	10
मोहम्मद नवाज रन आउट	21
सलमान आगा नाबाद	17
फहीम अशरफ नाबाद	20

गेंदबाजी : पांड्या 3-0-29-1, बुमराह 3-0-45-0, चक्रवर्ती 4-0-25-0, कुलदीप 4-0-31-1, अक्षर 1-0-8-0, दुबे 4-0-33-2

भारत

174/4 (18.5 ओवर)

अभिषेक का राऊफ बो अबरार	74
शुभमन गिल बो फहीम	47
सूर्यकुमार का अबरार बो राऊफ	00
तिलक वर्मा नाबाद	30
संजू सैमसन बो राऊफ	13
हार्दिक पंड्या नाबाद	07

गेंदबाजी : शाहीन 3.5-0-40-0, अयूब 3-0-35-0, अबरार 4-0-42-1, राऊफ 4-0-26-2, फहीम 4-0-31-1

संयुक्त राज्य अमेरिका की अन्ना हॉल टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हेप्टाथलॉन में स्वर्ण जीतने के बाद खुशी व्यक्त करती हुईं। एजेंसी

अमेरिका ने चार में से तीन रिले खिताब जीते

टोक्यो,एजेंसी

विश्व एथलेटिक्स

रविवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के आखिरी दिन संयुक्त राज्य अमेरिका ने चार में से तीन रिले स्वर्ण पदक जीतकर अपनी स्प्रिंट शक्ति का परिचय दिया।

बोत्सवाना ने पुरुषों की 4x400 मीटर रिले में दिन का सबसे बड़ा आश्चर्य किया, 2 मिनट 57.76 सेकंड का समय लेकर अमेरिकियों को केवल 0.07 सेकंड से पीछे छोड़ दिया, दक्षिण अफ्रीका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अमेरिकी महिलाओं ने 4x400 मीटर रिले में शानदार प्रदर्शन किया, जहां सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन ने 47.82 सेकंड के शानदार समय के साथ चैंपियनशिप रिकॉर्ड 3:16.61 के साथ जीत हासिल की। जमैका 3:19.25 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि नीदरलैंड 3:20.18 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अमेरिकी महिलाओं ने 4x100 मीटर दौड़ में भी शानदार प्रदर्शन किया, जहाँ उन्होंने 41.75 सेकंड में जीत हासिल की और जमैका (41.79 सेकंड) को मामूली अंतर से हराया। जर्मनी ने 41.87 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुषों की 4x100 मीटर दौड़ में, नोआ लाइल्स ने बाजी मारी और अमेरिका ने 37.29 सेकंड के साथ विश्व में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। कनाडा 37.55 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि नीदरलैंड ने 37.81 सेकंड के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए कांस्य पदक जीता।

मन्हास हो सकते बीसीसीआई के नए अध्यक्ष

मुंबई, एजेंसी

दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नए अध्यक्ष हो सकते हैं। उन्होंने रविवार को यहां बोर्ड मुख्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया जिससे क्रिकेट जगत हैरान रह गया। मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक के अपने लंबे घरेलू करियर में 157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 55 आईपीएल मैच खेले। वह रोजर बिन्नी की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभालने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बिन्नी का कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था।

नई दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक के बाद 45 वर्षीय मन्हास का नाम सामने आया। इस बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड में कुछ अन्य प्रमुख पदों को अगले रविवार को बोर्ड की वार्षिक आम बैठक के दौरान भरा जाएगा। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मीडिया को बताया, ''अगले कार्यकाल के लिए एक नई कार्यकारिणी गठित की जा रही है। मिथुन मन्हास पूर्व खिलाड़ी हैं और उन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला किया गया है। अरुण धूमल आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष हैं और वह इस पद पर बने रहेंगे।

नामांकन दाखिल करने वालों में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष अरुण धूमल और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय क्रिकेटर रघुराम भट शामिल हैं। भट बोर्ड का कोषाध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं। अब तक कोषाध्यक्ष रहे प्रभतेज भाटिया संयुक्त सचिव के रूप में रोहन गौंस देसाई की जगह लेंगे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जयदेव शाह शीर्ष परिषद में दिलीप वेंगसरकर की जगह लेंगे। सैकिया ने बीसीसीआई के सचिव पद पर बने रहने के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने इस वर्ष जनवरी में यह पद संभाला था। सैकिया ने कहा, ''मैं पिछले कुछ महीनों से सचिव हूं। मेरे साथी चाहते थे कि मैं इस पद पर बना रहूं इसलिए मैंने नामांकन दाखिल किया। सैकिया ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन कुछ दिनों में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''टीम का चयन 23 या 25 सितंबर को किया जाएगा। चयन बैठक ऑनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच दो से छह अक्टूबर तक अहमदाबाद में जबकि दूसरा टेस्ट मैच 10 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में खेला जाएगा।

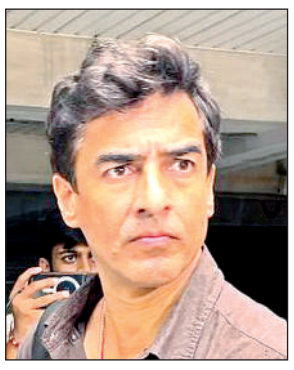

मिथुन मन्हास। एजेंसी

- दिल्ली क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे हैं मिथुन मन्हास
- रोजर बिन्नी के बाद खाली हुई है बीसीसीआई अध्यक्ष पद की कुर्सी
- बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दी जानकारी

157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 91 टी-20 मैच खेले हैं मिथुन अपने घरेलू करियर में

मिथुन के नाम से सभी हैरान रह गए

दुबई : अनुभवी क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई के 37वें अध्यक्ष बनने जा रहे हैं और यह चौंकाने वाली खबर लोगों को सिर्फ हैरान ही नहीं कर रही है बल्कि देश के क्रिकेट जगत को भी विश्वास नहीं हो रहा है क्योंकि किसी को भी इसकी उम्मीद नहीं थी। मन्सास ने कोई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच नहीं खेला है और प्रथम श्रेणी में उन्होंने 27 शतक से 9714 रन बनाए हैं जबकि लिस्ट ए मैचों में उनके 4126 रन हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के चुनावों को करीब से देख चुके एक अनुभवी क्रिकेट प्रशासक ने कहा जब चुनावी सूची में तीन टेस्ट खिलाड़ी थे जिनमें से दो (सौरव गांगुली, हरभजन सिंह) 100 से अधिक टेस्ट मैच खेल चुके हैं तो मन्हास का चयन निश्चित रूप से लोगों को हैरान करेगा। दिल्ली क्रिकेट सर्किट में जब कई क्रिकेटरों से संपर्क किया गया तो उनमें से अधिकांश ने सहमति व्यक्त की कि न्हास हमेशा एक प्रतिभाशाली और बुद्धिमान व्यक्ति रहे हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज और क्रिकेट कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा वह हमेशा लोगों के बीच लोकप्रिय रहे।

फेंसिंग के फाइनल में विजेता भारतीय टीम के साथ खेल मंत्री रेखा आर्य व फेडरेशन पदाधिकारी।

एशियाई फेंसिंग चैंपियनशिप में भारत बना चैंपियन

संवाददाता, हल्द्वानी

- एशियन कैडेट कप में किया ऐतिहासिक प्रदर्शन, 16 पदकों के साथ रहा टॉप पर
- उत्तराखंड ने भी रचा इतिहास पहली बार बना फेंसिंग प्रतियोगिता का मेजबान

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	भारत	5	3	8	16
2	कज़ाख़स्तान	2	0	0	2
3	ओमान	1	1	0	2

अमृत विचार : भारत ने एक बार फिर खेलों के मैदान में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए एशियन कैडेट कप फेंसिंग चैंपियनशिप-2025 में पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। दूसरे नंबर पर कज़ाख़स्तान और तीसरे नंबर पर ओमान रहा।

19 सितंबर से इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में आयोजित इस प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। तलवारबाजी की इस चैंपियनशिप में भारत ने खुद को चैंपियन साबित करते हुए 5 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य पदकों के साथ कुल 16 पदक जीते। प्रतियोगिता में 17 एशियाई देशों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग लिया।

यह पहली बार रहा कि जब उत्तराखंड को इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी मिली और मेजबान देश ने मैदान पर कामयाबी का परचम लहराकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। पुरुष टीम स्पर्धाओं में दोहरा स्वर्ण भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुष टीम एपी में लेबनान को हराकर और टीम फॉयल में इराक को मात देकर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। दोनों ही टीमों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

कड़े मुकाबले में हारे सात्विक-चिराग

शेनझेन (चीन), एजेंसी

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

- फाइनल में दुनिया की नंबर वन कोरियाई जोड़ी किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ से मिली मात

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को एक बार फिर दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा। जब वे रविवार को यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ की कोरिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी को फाइनल में अपने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन पहले गेम में 14-7 की मजबूत बढ़त बनाने बावजूद उन्हें मुकाबले में 45 मिनट में सीधे गेम में 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की जोड़ी लगातार दूसरे फाइनल में लय में दिखी। विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद पूरे हफ्ते भारतीय जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। लेकिन उन्हें मजबूत स्थिति में होने के बावजूद पहला गेम गवाने का मलाल जरूर रहेगा। किम और सियो अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग करने के बाद मौजूद सत्र में फिर से साथ आए हैं। यह जोड़ी 2025 के अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और पहले ही छह खिताब जीत चुकी थी जिसमें पेरिस में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण और ऑल इंग्लैंड तथा इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी शामिल है। इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ डिफेंस के बीच की लड़ाई माना जा रहा था और किम तथा सियो ने बेहतर धैर्य और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। कोरियाई टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले गेम में 3-0 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार दमदार स्मैश के साथ वापसी की और स्कोर 6-6 कर दिया। चिराग के नेट पर सटीक शॉट ने भारतीय जोड़ी को ब्रेक तक 11-7 की बढ़त दिला दी और जल्द ही उन्होंने इसे 14-8 कर दिया। हालांकि कुछ गलतियां हुईं। चिराग के दो बार शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने पांच मैच प्वाइंट हासिल किए जिसके बाद सात्विक ने बाहर शॉट मारकर खिताब कोरियाई टीम की झोली में डाल दिया

परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना जरूरी: मूनी

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी का मानना है कि परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाना और धैर्य बनाए रखना किसी भी चैंपियन टीम की पहचान है और आगामी महि ला विश्व कप में इन गुणों की एक बार फिर परीक्षा होगी। सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अपनी इन दोनों ही खूबियों का बखूबी प्रदर्शन किया। उसने शनिवार को यहां तीसरे वनडे में 43 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।

मूनी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मुझे लगता है कि विश्व कप जीतने के लिए आपको परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाने वाली और सबसे अधिक धैर्य रखने वाली टीम बनना होगा।

मंधाना बोलीं | ऑस्ट्रेलिया के विशाल लक्ष्य का पीछा जिस तरह भारतीय टीम ने किया उसने नई ऊर्जा भर दी

हमें विश्वास था कि हम जीत सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में हुए तीसरे वनडे में जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 413 रनों का विशाल लक्ष्य दिया, तब शायद बहुत कम लोगों ने ही सोचा होगा कि भारतीय टीम इस स्कोर के इतने करीब जाएगी और जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। पर ड्रेसिंग रूम में यह विश्वास शुरू से था, जिसकी मदद से भारतीय टीम एक समय मैच जीतने की कगार पर लग रही थी। उन्होंने आखिर तक ऑस्ट्रेलिया को पर्याप्त टक्कर दी। 63 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्कों की मदद से रिकॉर्ड 125 रनों की पारी खेलने वाली भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा कि टीम में शुरू से यह विश्वास था कि वे लक्ष्य के पीछे जाएंगे।

स्मृति मंधाना।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंधाना ने कहा पारी के ब्रेक के दौरान हमारी यही बातचीत थी कि विकेट सपाट है और आउटफील्ड बहुत तेज है, इसलिए हम लक्ष्य तक जा सकते हैं। हमारे पास भी बल्ला है और हम भी यहां पर क्रिकेट ही खेलने आए हैं। आप लोगों (गेंदबाजों) ने अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदें डालीं और उन्हें रोकने की कोशिश की। हम भी अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे और उन रनों को हासिल करने की कोशिश करेंगे। टीम में विश्वास हमेशा से बहुत ऊपर था। हम ये 413 रन का लक्ष्य वाकई में हासिल करना चाहते थे, क्योंकि यह टीम का कैरेक्टर दिखाता। हालांकि बीच में कुछ विकेटें गिरी। मैं फ़ुलटॉस पर आउट हुई, ऋचा (घोष) को दुर्भाग्यशाली ढंग से रनआउट होना पड़ा और कुछ चीजें हमारे पास पक्ष में नहीं गईं। लेकिन मुझे इस टीम पर पूरा गर्व है। ऑस्ट्रेलिया के 412 रनों के जवाब में भारतीय टीम का स्कोर एक समय 20 ओवरों में दो विकेट के नुक़सान पर 206 रन था। भारतीय उपकप्तान और भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के बीच 69 गेंदों में 121 रनों की साझेदारी हो चुकी थी और टीम का रन रेट 10 से ऊपर का था। पर 21वें ओवर में हरमनप्रीत का विकेट गिरा और अगले ओवर में मंधाना भी पवेलियन में थीं।

टीम में सभी 15 खिलाड़ी हैं मैच विनर

उन्होंने कहा ना सिर्फ़ 11 बल्कि टीम के सभी 15 खिलाड़ी मैच विनर हैं। मुझे नहीं लगता कि टीम का कोई खिलाड़ी मुझ पर या किसी और पर कोई दबाव डाल रहा है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हो, तो कोई दबाव नहीं होता है। यह हमारा कर्तव्य होता है। और दूसरी बात, मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है कि हम किसी भी समय मैच को जीत सकते हैं। पिछले 12 महीनों में हमने लगातार 300 या उसके ऊपर का स्कोर बनाया है और प्रतिका (रावल), हरलीन (देओल), जेमिमा (रॉड्रिग्स), हरमन (हरमनप्रीत सिंह) सबने शतक लगाया है। इसलिए यह टीम किसी एक पर निर्भर नहीं है।